

ΜΟΥΣΙΚΗ ΣΥΛΛΟΓΗ
Η ΠΛΑΝΤΕΡΤΙΝΟΣ
ΠΛΑΝΥ

Ἑωθινά

Περιέχουσα
τὰ Ἀναστάσιμα Ἐξαποστειλάρια
μετὰ τῶν Θεοτοκίων αὐτῶν,
καὶ τὰ Ἑωθινὰ δοξαστικά,
ἐρασισθέντα παρὰ διαφόρων μουσικοδιδασκάλων
παλαιῶν τε καὶ νέων.

Χάριν πληρότητος, προσετέθησαν ἐτι
τὸ «Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν»,
ὡς καὶ τὰ ἕνδεκα Ἑωθινὰ Εὐαγγέλια.

Ἐπιμέλεια
Λουκᾶς Λουκᾶ
Γεράσιμος Μοναχὸς Ἀγιορείτης
Ἰούλιος 2021



Εὐχεσθε ὑπὲρ τῶν κοπιῶντων

Ψηφιοποίηση, διόρθωση κειμένων καὶ σχεδιασμός έξωφύλλου:

Λουκάς Λουκά: louka.loukas@gmail.com

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιορείτης: gerry.monk@gmail.com

Ἡ πληκτρολόγηση τῶν κειμένων ἔγινε μὲ τὸ πρόγραμμα “MK” τοῦ κ. Δημητρίου Παπαδοπούλου, τὸ ὁποῖο διατίθεται δωρεάν στὴν ἱστοσελίδα <https://papline.gr/>

Περιεχόμενα

| | |
|---------------------------------------|-----------|
| Ἅγιος Κύριος | 1 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)..... | 1 |
| Γαβριήλ Κουντιάδου ιερομονάχου..... | 1 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη..... | 2 |
| Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου..... | 2 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη..... | 3 |
| Ἐωθινὸν α΄ | 3 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον 28:16-20..... | 3 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον α΄..... | 4 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)..... | 4 |
| Θεοτοκίον..... | 5 |
| Γαβριήλ Κουντιάδου..... | 6 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)..... | 6 |
| Θεοτοκίον..... | 7 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη..... | 8 |
| Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου..... | 9 |
| Θεοτοκίον..... | 10 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν α΄..... | 11 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)..... | 11 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 13 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)..... | 15 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)..... | 16 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 19 |
| Γεωργίου Βιολάκη (†1905)..... | 21 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 22 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 24 |
| Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου (†1988)..... | 26 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)..... | 28 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)..... | 30 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 32 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 33 |
| Ἐωθινὸν β΄ | 35 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Μᾶρκον 16:1-8..... | 35 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον β΄..... | 35 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)..... | 36 |
| Θεοτοκίον..... | 37 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)..... | 38 |
| Θεοτοκίον..... | 38 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη (†1989)..... | 39 |
| Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου..... | 40 |
| Θεοτοκίον..... | 41 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν β΄..... | 42 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)..... | 42 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 44 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)..... | 46 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)..... | 48 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 50 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 53 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 55 |

| | |
|---------------------------------------|------------|
| Αθανασίου Παναγιωτίδη (†1989)..... | 57 |
| Αθανασίου Καραμάνη (†2012) | 59 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 61 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 63 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 65 |
| Ἐωθινὸν γ΄ | 67 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Μᾶρκον 16:9-20..... | 67 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλᾶριον γ΄ | 67 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 67 |
| Θεοτοκίον | 68 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 69 |
| Θεοτοκίον | 70 |
| Αθανασίου Παναγιωτίδη | 71 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 72 |
| Θεοτοκίον | 73 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν γ΄ | 74 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 74 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 76 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 78 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 80 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 83 |
| Αλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 86 |
| Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958)..... | 88 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 91 |
| Αθανασίου Καραμάνη (†2012) | 93 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 96 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 98 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 101 |
| Ἐωθινὸν δ΄ | 103 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν 24:1-12 | 103 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλᾶριον δ΄ | 104 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 104 |
| Θεοτοκίον | 105 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 106 |
| Θεοτοκίον | 106 |
| Αθανασίου Παναγιωτίδη | 107 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 108 |
| Θεοτοκίον | 109 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν δ΄ | 110 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 111 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 112 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 114 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 117 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 120 |
| Αλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 123 |
| Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958)..... | 125 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 127 |
| Αθανασίου Καραμάνη (†2012) | 130 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 132 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 134 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 136 |
| Ἐωθινὸν ε΄ | 138 |

| | |
|--|------------|
| Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν 24:12-35 | 138 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλᾶριον ε΄ | 139 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 139 |
| Θεοτοκίον | 140 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 141 |
| Θεοτοκίον | 142 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 143 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 144 |
| Θεοτοκίον | 145 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ε΄ | 146 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 146 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862) | 148 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 150 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 153 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875) | 156 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908) | 160 |
| Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958) | 162 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964) | 165 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 168 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 171 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016) | 173 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου | 176 |
| Ἐωθινὸν ς΄ | 178 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν 24:36-53 | 178 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλᾶριον ς΄ | 179 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη | 179 |
| Θεοτοκίον | 180 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 181 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 182 |
| Θεοτοκίον | 183 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ς΄ | 184 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 184 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862) | 186 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 188 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 190 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875) | 193 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908) | 196 |
| Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958) | 198 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964) | 201 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 204 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 206 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016) | 208 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου | 210 |
| Ἐωθινὸν ζ΄ | 212 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:1-10 | 212 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλᾶριον ζ΄ | 213 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 213 |
| Θεοτοκίον | 214 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 215 |
| Θεοτοκίον | 216 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 217 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 218 |

| | |
|-----------------------------------|------------|
| Θεοτοκίον | 219 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ζ´ | 220 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 220 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862) | 221 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 222 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 224 |
| [ΓΑ] Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875) | 225 |
| [ΖΩ] Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875) | 228 |
| [ΓΑ] Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908) | 230 |
| [ΖΩ] Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908) | 232 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964) | 234 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 236 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 237 |
| [Γα] Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016) | 239 |
| [Ζω] Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016) | 240 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου | 242 |
| Ἐωθινὸν η´ | 243 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:11-18 | 243 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον η´ | 244 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 244 |
| Θεοτοκίον | 245 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 246 |
| Θεοτοκίον | 247 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 247 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 248 |
| Θεοτοκίον | 249 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν η´ | 250 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 251 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862) | 252 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 254 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 256 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875) | 258 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908) | 261 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964) | 263 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 265 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 267 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016) | 269 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου | 271 |
| Ἐωθινὸν θ´ | 273 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:19-31 | 273 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον θ´ | 273 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 274 |
| Θεοτοκίον | 275 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 275 |
| Θεοτοκίον | 276 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 277 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 278 |
| Θεοτοκίον | 279 |
| Ἐωθινὸν δοξαστικὸν θ´ | 280 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 280 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862) | 282 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 284 |

| | |
|---------------------------------------|------------|
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 286 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 289 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 292 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 294 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 296 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 299 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 301 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 303 |
| Ἑωθινὸν ι´ | 305 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 21:1-14 | 305 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον ι´ | 305 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 305 |
| Θεοτοκίον | 306 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 307 |
| Θεοτοκίον | 308 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 309 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 310 |
| Θεοτοκίον | 311 |
| Ἑωθινὸν δοξαστικὸν ι´ | 312 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 312 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 314 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 316 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 318 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 321 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 324 |
| Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα (†1958)..... | 326 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 329 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 331 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 333 |
| Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 335 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 337 |
| Ἑωθινὸν ια´ | 340 |
| Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 21:14-25 | 340 |
| Ἀναστάσιμον ἐξαποστειλάριον ια´ | 340 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 340 |
| Θεοτοκίον | 341 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 342 |
| Θεοτοκίον | 343 |
| Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | 343 |
| Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου | 344 |
| Θεοτοκίον | 345 |
| Ἑωθινὸν δοξαστικὸν ια´ | 346 |
| Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778) | 347 |
| Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)..... | 348 |
| Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866) | 350 |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866) | 352 |
| Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ (†1875)..... | 354 |
| Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)..... | 357 |
| Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα (†1958)..... | 360 |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)..... | 362 |
| Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012) | 364 |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014) | 367 |

| | |
|-----------------------------------|-----|
| Έλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)..... | 369 |
| Κωνσταντίνου Λάμπρου..... | 371 |

Ἅγιος Κύριος
Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος Δε

Πέτρου Εφεσίου
Αναστασιματάριον
1820 σ.237#

α γι ος Κυ ρι ος ο ο Θε ο ος η μων (β')

α γι ος Κυ ρι ος ο ο Θε ο ος η μων υ ψου τε Κυ ρι
ον τον Θε ον η μων και προσ κυ νει τε τω υ πο πο
δι ω των πο δω ωναυτου χορός 6' ο τι α α γι ο ος ε στι

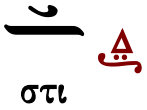
Γαβριήλ Κουντιάδου ιερομονάχου

Ἦχος Δε

Γαβριήλ Κουντιάδη ιερομονάχου
Μουσικόν Πεντηκοστάριον
α' έκδοση 1931-1935
επανέκδοση 1991 σ.514*

α γι ος Κυ ρι ος ο ο Θε ο ος η μων (β')

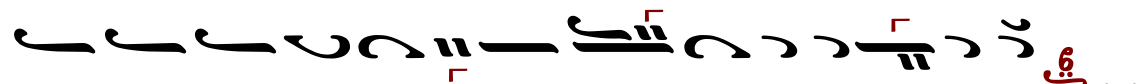
α γι ος Κυ ρι ος ο Θε ο ος η μων υ ψου τε
Κυ ρι ον τον Θε ον η μων και προσ κυ νει τε τω υ πο
πο δι ω των πο δων αυτου χορός 6' ο τι α α γι ος ε


στι 

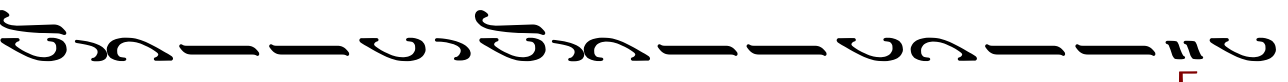
Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη


Ἦχος  Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.5*


α γι ος Κυ ρι ι ος ο ο Θε ο ος η μων (γ')


γ ψου τε ε Κυ ρι ον τον Θε ο ον η μω ω



ων και προσ κυ νει τε τω υ πο πο δι ω των πο ο δω



ων α αυ του χορός β' ο τι ι α α γι ο ος ε στι ι


Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου


Ἦχος  Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.224#

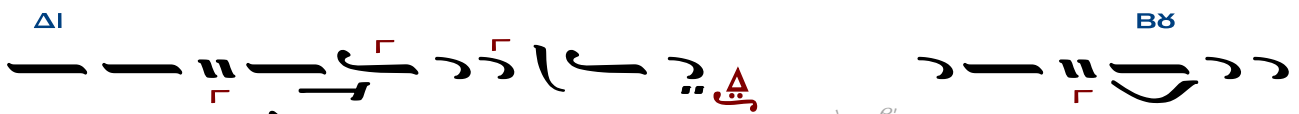

α μην ^{Δι} Α γι ος Κυ ρι ος ο ο Θε ο ος η


μων (γ')



γ ψου τε ^{MEΛ} Κυ ρι ον τον Θε ο ο ον η η



 μω ω ων και προσ κυ νει τε τω υ πο πο δι ω



 των πο ο δω ω ων αυ του *χορός 6'* ο τι ι α α γι

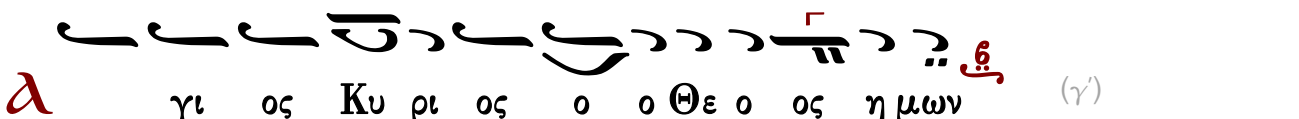


 ο ος ε στι ι

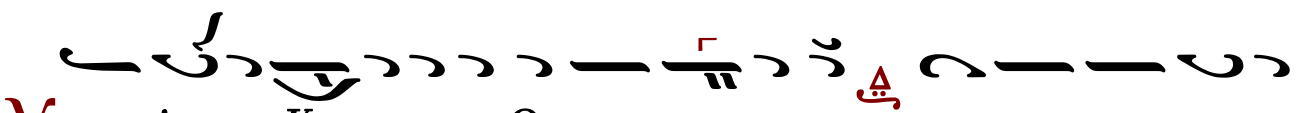
Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἦχος Δι

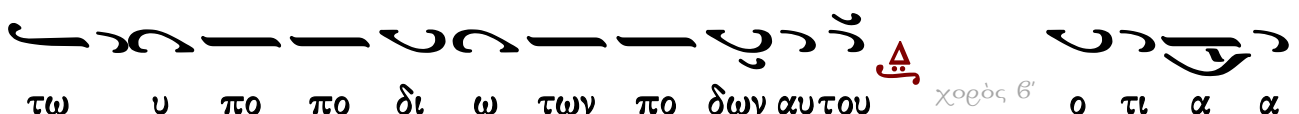
πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ. 467/1334*




 Α γι ος Κυ ρι ος ο ο Θε ο ος η μων (γ')



 Υ ψου τε Κυ ρι ον τον Θε ο ον η μων και προσ κυ νει τε



 τω υ πο πο δι ω των πο δων αυτου *χορός 6'* ο τι α α



 γι ο ος ε στι ι

Ἑωθινὸν α΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον 28:16-20

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 28:16-20

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ¹⁶ οἱ ἑνδεκα μαθηταὶ ἐπορεύθησαν εἰς τὴν Γαλιλαίαν, εἰς τὸ ὄρος οὗ ἐτάξατο αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς. ¹⁷ Καὶ ἰδόντες αὐτὸν προσεκύνησαν αὐτῷ, οἱ δὲ ἐδίστασαν. ¹⁸ Καὶ προσελθὼν ὁ Ἰησοῦς, ἐλάλησεν αὐτοῖς, λέγων· Ἐδόθη μοι πᾶσα ἐξουσία ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ γῆς. ¹⁹ Πορευθέντες οὖν μαθητεύσατε πάντα τὰ ἔθνη, βαπτίζοντες αὐτοὺς εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἀγίου Πνεύματος, ²⁰ διδάσκοντες αὐτοὺς τηρεῖν πάντα ὅσα ἐνετειλάμην ὑμῖν· καὶ ἰδοὺ ἐγὼ

μεθ' ὑμῶν εἰμι πάσας τὰς ἡμέρας, ἕως τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος. Ἀμήν.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον α'

ἦχος β'

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Υψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον α'

Τοῖς μαθηταῖς συνέλθωμεν, ἐν ὄρει Γαλιλαίας, πίστει Χριστὸν θεάσασθαι, λέγοντα ἐξουσίαν, λαβεῖν τῶν ἄνω καὶ κάτω, μάθωμεν πῶς διδάσκει, βαπτίζειν εἰς τὸ ὄνομα τοῦ Πατρὸς, ἔθνη πάντα, καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ ἁγίου Πνεύματος, καὶ συνεῖναι, τοῖς μύσταις ὡς ὑπέσχετο, ἕως τῆς συντελείας.

Θεοτοκίον

Τοῖς μαθηταῖς συνέχαιρες, Θεοτόκε Παρθένε, ὅτι Χριστὸν ἐώρακας, ἀναστάντα ἐκ τάφου, τριήμερον καθὼς εἶπεν· οἷς καὶ ὠφθη διδάσκων, καὶ φανερῶν τὰ κρείττονα, καὶ βαπτίζειν κελεύων ἐν τῷ Πατρὶ, καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι, τοῦ πιστεύειν, αὐτοῦ ἡμᾶς τὴν ἔγερσιν, καὶ δοξάζειν σε Κόρη.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Γαβριήλ Κουντιάδου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος Ββ

Πέτρου Ἐφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.237*

Τ ο ι ς μα θ η τ α ι α ι ς σ υ ν ε ε λ θ ω μ ε ν ε ν ο ρ ε ι Γ α α λ ι
 λ α ι α ι α ς π ι σ τ ε ι Χ ρ ι σ τ ο ο ν θ ε α α σ α σ θ ε λ ε γ ο ν τ α ε
 ε ξ ο υ σ ι ι α ν λ α β ε ι ν τ ω ν α ν ω ω κ α ι κ α α τ ω μ α θ ω μ ε ν
 π ω ω ς δ ι δ α α σ κ ε ι β α π τ ι ζ ε ι ν ε ι ε ι ς τ ο ο ο ν ο μ α τ ο υ
 Π α τ ρ ο ς ε ε θ ν η π α α ν τ α κ α ι τ ο υ Υ ι ο υ ο υ ο υ κ α ι α

γι ου Πνευ μα τος και αι συν ει ει ναι τοις μυ σταις ω ως υ
πε ε σχε το ε ως της συ υν τελει ει ας

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒΨ

Αναστασιματάριον
Πέτρου Ἐφεσίου
1820 σ.237*

Τοις μαθηται αις συν ε ε χαι ρες Θε ο το κε ε
Παρ θε ε νε ο τι Χρι στο ον ε ω ω ρα κας α να
σταν τα α εκ τα α φου τρι η με ρον κα θως ει ει πεν
οις και ω φθη η δι δα α σκων και φα νε ρω ων τα
κρει ειτ τον να και βα πτι ζει ει ν κε λε ευ ων εν τω Πα
τρι ι ι ι και Υι ω και Πνευ μα τι του ου πι στε ευ
ειν αυ του η μα ας την ε ε γερ σιν και δο ξα ζειν
σε κο ρη η η η η

Γαβριήλ Κουντιάδου

ἀναστάσιμον α'

Ἦχος Δε̇

Γαβριήλ Κουντιάδου ιερομονάχου
Μουσικόν Πεντηκοστάριον
α' έκδοση 1931-1935
επανεκδοση 1991 σ.514*


Τοις μαθηταισιν ελθωμεν εν ορει Γαα
 λιλαιαισ πισει Χριστο ον θεαασθαι
 λεγοντα εξουσιαν λαβειντων ανω και κα
 ατω μαθωμεν πως διδασκει βαπτιζειν ει
 εις το ονομα του Πατρος εθνηπαντα και του
 Υιου σου ου ου ου και αγιου Πνευματος και αισιν ει
 ει ναι τοις μυσταις ω ως υπεσχετο ο ο εως
 της συυντελειει αας

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

σταν τα α εκ τα α φου τρι η μερον κα θως ει ει ει ει πεν

οις και ω φθη η δι δα α σκων και φα νε ρω ων τα κρει

ειτ το να και βα α πτι ζει ει ν κε λε ευ ων εν τω Πα τρι ι

ι ι ι και Υι ω ω και Πνε ευ μα τι του πι στευ ει ν

αυ του η μα αστην ε ε γερ σιν και δο ο ξα ζει ει ν σε Κο

ο ρη η

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματάριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.5#

Τοις μαθη ηται αις συν ε ελ θω μεν εν ο ρει

Γα α λι λαι αι ασ πι στει Χρι ι στο ον θε α α σα

σθαι λε γον τα α ε ε ξου σι ι αν λα βειν τω ων

α νω ω και κα α τω μα θω μεν πω ως δι δα α σκει
 βα πτι ζειν ει εις το ο ο νο μα του Πα α τρος ε
 ε θνη πα αν τα και του Υι ου ου ου ου ου και α
 γι ου Πνευ μα τος και αι συν ει ει ναι τοις μυσταις
 ω ως υ πε ε σχε το ε ως τη ης συ υν τε λει
 ει α ας

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος ΒϚ

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.224#

Τ οις μα θη ται αις συν ε ελ θω μεν εν ο ρει
 Γα α λι λαι αι ας πι στει Χρι στο ο ον θε α
 α σα σθαι λε γον τα ε ε ξου σι ι αν λα βειν

των α νω ω και κα α α τω μα θω μεν πω ως δι δα α
 σκει βα πτι ζειν ει εις το ο ο νο μα του Πα α
 τρος ε ε θνη πα αν τα και του Υι ου ου ου ου ου
 και α γι ου Πνευ μα τος και αι συν ει ει ναι τοις
 μυ σταις ω ως υ πε ε σχε το ε ως τη ης συ
 υν τελει ει α ας

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒϚ

Χρυσανθου Θεοδοσόπουλου
 Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.225#

Τοις μαθηται αις συν ε ε χαι ρες Θε ο ο το κε
 ε Παρ θε ε νε ο τι Χρι στο ο ον ε ω ω ρα
 κας α να α σταν τα α εκ τα α φου τρι η με ρον κα α
 θως ει ει πεν οις και ω φθη η δι δα α σκων και

^{ΔΙ} — — — — — ^{ΜΕΛ} — — — — — ^{ΒΞ} — — — — — ^Γ — — — — — ^Γ — — — — —
 φα νε ε ρω ω ων τα κρει ειτ το να και βα α πτι ζει
^{ΜΕΛ} — — — — — ^{ΒΞ} — — — — — ^Δ — — — — — ^Γ — — — — —
 ειν κε λε ε ευ ων εν τω Πα τρι ι ι και Υι ω
 — — — — — ^{ΔΙ} — — — — — ^Γ — — — — — ^Γ — — — — — ^Γ — — — — —
 και Πνευ μα τι του ου πιστε ευ ειν αυ του η η μα α
^{ΜΕΛ} — — — — — ^{ΒΞ} — — — — — ^Δ — — — — — ^Γ — — — — — ^Χ — — — — —
 ας την ε ε γερ σιν και δο ο ξαι ζει ειν σε κο ο
^{ΜΕΛ} — — — — — ^Γ — — — — —
 ρη η

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν α΄

ἦχος α΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἀγίῳ Πνεύματι.

Εἰς τὸ ὄρος τοῖς μαθηταῖς ἐπειγομένοις,
 διὰ τὴν χαμόθην ἔπαρσιν,
 ἐπέστη ὁ Κύριος,
 καὶ προσκυνήσαντες αὐτὸν καὶ τὴν δοθεῖσαν ἐξουσίαν,
 πανταχοῦ διδαχθέντες,
 εἰς τὴν ὑπ' οὐρανὸν ἐξαπεστέλλοντο,
 κηρῦξαι τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν,
 καὶ τὴν εἰς οὐρανοὺς ἀποκατάστασιν·
 οἷς καὶ συνδιαϊωνίζειν,
 ὁ ἀψευδὴς ἐπηγγείλατο,
 Χριστὸς ὁ Θεός,
 καὶ Σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν.

- Πέτρου Ἐφεσίου
- Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
- Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
- Γεωργίου Βιολάκη
- Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
- Κωνσταντίνου Πρίγγου
- Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου
- Ἀθανασίου Καραμάνη
- Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
- Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
- Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος ♯̣ Πα̣

Πέτρου Εφεσίου
Αναστασιματάριον 1820 σ.238*

Δ ο ξα Πα τρι και Υι ω ω και α γι ι ω Πνε ε
ευ μα α α α τι π̣ϑ

Ε ις το ο ο ο ρος τοις Μα θη ταις ε πει ει γο με ε
ε ε ε νοις π̣ϑ δι α την χα μο θεν ε πα αρ σιν ε ε

πε στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος π̣ϑ και προσ κυ

νη η σαν τες α αυ τον π̣ϑ και την δο θει ει σαν ε ξου

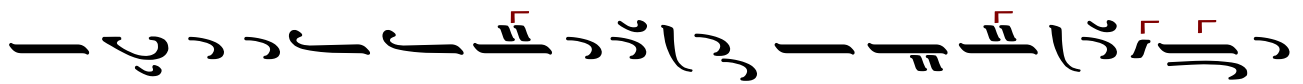


ου σι ι αν η̣ παν τα χου ου ου ου δι δα χθε ε ε

ε ε εν τες π̣ϑ εις την υπ ου ρα α α νον ε̣ ε ε

ε ξα α πε στε ε ελ λο ο ον το ο ρ̣ κη ρυ υ υ ξαι την εκ

νε κρων Α α να στα α σιν η̣ και την εις ου ρα νους α

πο ο κα τα α α α στα α α α σιν π̣ϑ οις και συν δι αι


 ω νι ζειν ο α ψευ δη ης ε πηγ γει ει ει λα α α α

 το ^{π ρ} Χρι στος ο ο Θε ε ος και Σω τηρ τω ων ψυ χω ω

 ω ων η η η η μων ^{π ρ}


Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης


Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος ⁴/_ϩ Πα

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.68*


 Δ ο ξα Πα τρι και Υι ω ω ^{π ρ} και α γι ω Πνε ε ε ευ

 μα α α α τι ^{π ρ}

 Ε ις το ο ο ο ο ο ο ο ρο ος τοις μα θη ταις ε πει

 ει ει ει γο ο με ε ε νοις ^{π ρ} δι α την χα μο ο θε εν

 ε πα αρ σιν ^{π ρ} ε πε ε ε στη η ο ο ο Κυ

 υ ρι ι ι ος ^{π ρ} και προσ κυ νη σα αν τες α αυ τον ^{π ρ} και

την δο θει ει σα αν ε ξου σι ι ι ι ι ι ι ι ι

α α αν παν τα χου ου ου δι ι δα α α χθε ε ε ε

εν τες εις την υπ ου ρα α νον ε ξα πε ε στε ε ε

ε ελ λο ο ο ον το κη ρυ υ υ υ υ υ υ

υ υ υ υ ξαι αι αι αι την εκ νε κρων α να α α στα

α α α σιν και την εις ου ρα νους α α πο κα τα α α

α α στα α α α σιν οισ και συν δι αι ω νι ι ι ι

ι ι ι ζειν ο α ψευ δη ης ε πη ηγ γει ει ει λα α

α α το Χρι στο ο ος ο Θε ε ο ο ο ος και Σω

τη η η η η η ρ των ψυ χω ω ω ω ω ν η η η η

μων

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος ᾠ Πα

Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.43*

Δ ο ξ α Πα τρι και Υι ω ω και α γι ω Πνε ε ε ευ

μα α α α τι

Ε ις το ο ο ο ρο ος τοις Μα θη ται αις ε πει

ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε ε υε

ε ε ε νοις δια την χα μο θεν ε ε πα αρ σι ιν

ε ε πε στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος και προσ

κυ νη η η σα α αν τες α αυ τον και την δο θει

σαν ε ξου ου σι ι αν παν τα α χου ου ου ου δι δα

χθε ε ε εν τες εις την υπ ου ρα α α νο ον εξ

α πε ε στελ λο ον το ο κη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι

την εκ νε κρων Α να α α α α ια α α να στα
 α σι ιι ιι ιι ιν και την εις ου ρα νους α πο ο
 κα τα α α α στα α α α σιν ^{π ρ} οι οι οι οισ και αι
 συ υν δι αι ω ω νι ι ι ι ζει ει ει ν ο α ψε
 ευ δης ε πηγ γει ει ει ει λα α α α το ^{π ρ} Χρι στο ο ος
 ο Θε ε ος ^{π ρ} και Σω τηρ τω ων ψυ χω ω ω ων η η
 η η μων ^{π ρ}

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος $\frac{4}{\dot{\eta}}$ Κε

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
 Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.355*

Δ ο ο ο ο ξα ^{χ ρ} Πα α τρι ι ι ι και αι Ἰι υι ω
 ω ^{χ ρ} και α γι ι ω Πνε ε ευ μα α α α τι ^{χ ρ}

Εἰς τὸ οὐρανὸν ὁμοῦς τοῖς μαθη

ταῖς ἐπεὶ εἰ εἰ εἰ γο οὐ με ε ε ε ε

ε ε ε ε ἰε ε ε ε νοῖς διὰ τὴν χαμο ο ο

ο ο θεν ε ε παρ σι ι ι ι ι ι ι ι ι

ι ι ι ιν ἐπε ἐστη ἡ ο Κυ υ υ ρι ι ι

ι ος καὶ προσκυνη ἡσαν τες α αυ το ο ο ἰο

ο ο ο ο ο ον καὶ τὴν δοθεῖσαν ε ε ε ξου

ου σι ι ι ι ι ι ι α αν παν τα χου ου ου ου

δι ι ι δα α χθε ε ε ε εν τε ες εἰς τὴ ἡν

ὕπ ου ρα α νο ο ο ον ἐξαπεστε ε ελ λο ο ον

το ο κη ρυ υ υ υ υ υ υ υ υ ξαι αι

αι αι την εκ νε κρω ων α να α α α α στα α

α α σιν και τη ην εις ου ρα α νου ου ου ου

ους α πο ο κα α τα α α α α στα α α α

σιν οι οι οισ και συν δι ι αι αι ω ω νι ι ι

ι ι ζει ει ει ο α ψευ δη η η η η η η

η η η η η η ης ε πη ηγ γει ει ει ει ει

ει ει λει ει ει ει ει ει ει ει ει ει λα α α α α α α λα

ε πηγ γει λα το Χρι στο ο ο ο ο ος ο ο ο ο ο ο

ο Θε ε ε ε ε ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο

ο ο ο ο ο ος και Σω τη η ηρ τω ω ω ω

ων ψυ υ χω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ω

ω ω ω ω ωων η η η η η η η η η των ψυ

χων η μω ω ω ων

Γεράσιμος Μοναχός Αγιογράφος

Λουκάς Λουκά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος Πά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.148*

Δ ο ξα Πα τρι και Υι ω ω και α γι ω Πνε ε ε ευ

μα α α α τι

Ε ις το ο ο ο ρο ος τοις μα θη ταις ε πει ει

ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε ε νοις δια την χα α μο ο ο θεν ε πα αρ σιν ε

πε ε ε ε ε ε ε ε στη η ο ο Κυ υ υ υ υ υ υ ρι

ι ι ι ι ι ι ι ος και προσ κυ νη η σα αν τε ες

— α αυ το ο λο ο ο ον γ και την δο θει σαν ε ε ε ξου

σι ι ι ι ι ι ι α αν λ παν τα χου ου ου ου ου ου ου

ου ου δι ι ι δα α α α α α χθε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε εν τες π εις την υπ ου ου

ρα α νο ον ε ξα α πε ε στε ε ελ λο ο ον το ο κη

ρυ υ υ υ υ ξαι την εκ νε κρων α α να α α α

στα α α α σιν και την εις ου ου ρα α νου ους α πο

ο κα α τα στα α σι ιν ο ις και συν δι ι αι ω ω νι

ι ι ι ι ι ζειν ο α ψευ δη η η ης ε

ε πειγ γει ει λα α το Χρι στο ο ο ος ο ο Θε ε ο ο

λο ο ο ος και Σω τηρ των ψυ χω ω ω ων η η η η

μων π ρ

Γεωργίου Βιολάκη (†1905)

Ἦχος ᾠ Πα

Γεωργίου Βιολάκη
Πεντηκοστάριον 1899 σ.572*

Δ ο ξα Πα τρι και Υι ω ω π ρ και α γι ω Πνε ε ε ευ

μα α α α τι π ρ

Ε ις το ο ο ο ρος π ρ τοις μα θη ταις ε πει γο με ε

ε ε νοις π ρ δι α την χα μο θεν ε πα αρ σιν η ε πε

στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος π ρ και προσ κυ νη

η σα αν τες α αυ τον π ρ και την δο θει ει σαν ε ε ξου

ου σι ι αν η παν τα χου ου ου δι ι δα χθε ε ε εν

τες π ρ εις την υπ ου ρα α νο ο ον Δ δ ε ξα πε στε ε

ελ λο ο ον το ο κη η ρυ υ υ ξαι αι την εκ νε κρων

Α να στα σιν και την εις ου ρα νους α πο ο κα τα

α α α α στα α α α σιν ο ις και συν δι αι αι ω ω

νι ι ι ζειν ο α ψευ δης ε ε πηγ γει ει ει ει

λα α α α το Χρι στο ο ος ο ο Θε ε ο ος και

σω τηρ τω ων ψυ χω ω ω ων η η η η η μων

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος ᾠ Πα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.3*

Δ ο ο ξα α Πα α τρι και Ἰι ω ω και α γι ω ω

Πνε ε ε ε ε ε ευ μα α α α α ια α α α τι

Ε ις το ο ο ο ο ο ρο ος τοις μα α θη η ταις ε

πει ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε
πει ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε

λε ε ε ε νοις ^{π ρ} δι α την χα μο ο ο ο θε εν ε
λε ε ε ε νοις ^{π ρ} δι α την χα μο ο ο ο θε εν ε

ε ε πα α α α αρ σι ι ιν ^ρ ε ε πε στη η ο Κυ υ υ
ε ε πα α α α αρ σι ι ιν ^ρ ε ε πε στη η ο Κυ υ υ

ρι ι ι ι ος ^{π ρ} και προσ κυ νη η σα α αν τες ^ρ α αυ
ρι ι ι ι ος ^{π ρ} και προσ κυ νη η σα α αν τες ^ρ α αυ

το ο ο ον ^{π ρ} και την δο ο θει ει ει ει σαν ε ε
το ο ο ον ^{π ρ} και την δο ο θει ει ει ει σαν ε ε

ε ξου ου σι ι ι ι ι ι α αν ^ρ πα αν τα α χου ου
ε ξου ου σι ι ι ι ι ι α αν ^ρ πα αν τα α χου ου

ου ου δι δα χθε ε ε ε ε εν τες ^{π ρ} εις τη ην
ου ου δι δα χθε ε ε ε ε εν τες ^{π ρ} εις τη ην

υ υπ ου ρα α νο ον ε ε ξα α πε ε στελ λο ον το
υ υπ ου ρα α νο ον ε ε ξα α πε ε στελ λο ον το

ο ^ρ κη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι ^ρ την εκ νε ε κρων Α
ο ^ρ κη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι ^ρ την εκ νε ε κρων Α

να α α α α α α α στα α α να στα α σι ι
να α α α α α α α στα α α να στα α σι ι

λι ι ι ι ιν ^ρ και την εις ου ρα νους α πο ο κα
λι ι ι ι ιν ^ρ και την εις ου ρα νους α πο ο κα

τα α α στα α α α σιν ^{π ρ} οι οι οι οϊς και αι συν δι ι αι
 ω ω νι ι ι ι ι ζει ει ει ν ο ο α α ψε ευ δη
 η η η ης ε πη ηγ γει ει ει ει ει ει ει λα α α α α
 ια α α α το ^{π ρ} Χρι ι στο ο ος ο ο Θε ε ο ος ^{π ρ} και Σω
 τηρ τω ων ψυ χω ω ων η η η η μω ω ω
 ων ^{π ρ}

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκάς

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος $\frac{4}{\rho}$ Πα

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

ιε ε ε ^{π ρ} Δο ξα Πα α τρι ι και αι αι Υι υι ω ω ^{π ρ}
 και α α γι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ^{π ρ} κτ
 ε ι εις το ο ο ο ο ρο ος ^{Δ ρ} τοις Μα θη ται αι

αις ε πει ει ει ει ει ει γο ο ο ο με ε ε ε ε

ε ε ε ε ε λιε ε ε ε νοις ^{π q} δι α την χα μο

ο ο ο ο ο θεν ^{π q} ε ε πα αρ σι ι ιν ^η ε ε ε πε

ε στη η η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος ^{π q} και προς

κυ νη η η σα αν τε ε ες α αυ το ον ^{π q} και την

δο θει ει ει σαν ε ξου ου σι ι ι ι αν ^η πα α

αν τα α χου ου ου ου δι ι ι δα χθε ε ε εν τες ^{π q}

εις την υπ ου ου ου ρα νο ο ον ^{Δ δ} ε

ξα α α πε στε ε ε λλο ο ο ον το ο ^{q Δ} κη η ρυ

υ υ υ υ υ ξαι ^{π q} την εκ νε κρω ω ων Α α α να

α στα α σι ιν ^η και την εις ου ρα νου ου ου ους α

Πο ο ο κα τα α α α στα α α α σιν οι οι

οι οι οι οι οι οισ και αι αι συ υν δι αι αι αι ω

ω ω νι ι ι ι ζει ει ει ει ο α ψε ευ

δη ης ε ε ε πηγ γει ει ει ει λα α α α το

Χρι στο ο ο ος ο ο Θε ε ο ος και Σω ω τη ηρ τω

ων ψυ χω ω ω ων η η η η μω ων

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου (†1988)

Ἦχος Πά

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου
Πεντηκοστάριον 1983 σ.282*

ΜΕΛ ΠΑ ΝΗ
κε ε ε Δ ο ξα Πα α τρι ι και αι αι Υι υι ω ω και

ΠΑ ΝΗ ΠΑ
α γι ι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι

ΝΗ ΠΑ
Ε ις το ο ο ο ο ο ο ρο ο ος τοις μα θη ται αι αι

επει ει ει ει ει ει γο ο ο ο με ε ε ε ε ε

ε ε λε ε ε ε νοις ^{π q} δι α την χα μο ο ο ο

ο ο ο θεν ^{π q} ε ε πα αρ σι ι ι ι ν ε ε πε ε στη η

η ο Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ος ^{π q} και προσ κυ νη η

η η η σα αν τες αυ το ο ον ^{π q} και την δο ο

θει εισαν ε ε ε ξου ου σι ι ι αν ^{π q} πα α

αν τα α χου ου ου δι ι ι δα α α χθε ε ε εν

τες ^{π q} εις την υπ ου ρα νο ο ον ^{π q} εξ α α πε

στε ε ε λλο ο ο ον το ο ^{π q} κη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι ^{π q}

την εκ νε κρω ωων Α α α να α στα α σι ιν ^{π q} και την

εις ου ρα α ^{π q} νου ου ους α α α πο ο κα τα α

ΠΑ
 α α στα α α α σιν π ρ οι οι οι οι οι οι οι ος
 ΜΕΛ
 και αι αι συ υν δι αι αι αι ω ω ω νι ι ι ι
 ι ζει ει ει ειν χ ρ ο α ψε ευ δη ης ε ε ε πηγ
 ΝΗ ΠΑ
 γει ει ει ει λα α α α το π ρ Χρι στο ο ο ο ος ο
 ο ο Θε ε ε ο ο ο ος ρ και Σω ω τη η ηρ
 ΝΗ ΠΑ
 τω ωων ψυ χω ω ω ωων η η η η μω ω ω ων π ρ

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος ᾠ Πα ᾠ

Αθανάσιος Καραμάνης
 Νέα Μουσική Συλλογή
 τόμος Α' 1955 σ.140*

ΠΑ
 Δ ο ξα Πα τρι ι και αι Υι ω ω και α γι ι
 ΜΕΛ
 ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι π ρ
 ΔΙ ΠΑ
 Ε ις το Ο ο ο ο ο ο ρο ο ος ρ τοις Μα θη

ται αις ε ε πει ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε
ΔΙ ΠΑ ,

ε ε ε ε ε ε λε ε ε ε ε νοις χ π ρ δια την
ΜΕΛ Χ π ρ

χα μο ο ο ο θε εν ε ε ε ε ε πα α αρ
ΖΟ ΜΕΛ ΓΑ Χ Ζ

σι ι ι εν ε ε πε ε στη η η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι
ΠΑ Χ ρ

ι ος και προ σκυ νη η σαν τες αυ το ο ον
ΜΕΛ ΚΕ ΜΕΛ ο π ρ

και την δο ο θει ει σαν ε ε ξου ου σι ι αν παν τα
ΓΑ ΠΑ ρ

α χου ου ου δι ι ι δα α α χθε ε ε εν τες εις
ΜΕΛ ΠΑ ΜΕΛ π ρ

την υ υ που ρα α νο ον ε ξα πε στε ε ε ε λο ο
ΠΑ ΚΕ ΜΕΛ ΠΑ ΜΕΛ ΔΙ Χ Χ ρ

ο ον το ο κη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι αι αι
ΠΑ Δ ρ Χ Χ 3 Χ ρ

την εκ νε κρων Α να α στα α σι ι ι εν και
ΜΕΛ ΓΑ Χ ρ

την εις ου ρα νου ου ους α α α πο ο ο κα τα α
ΜΕΛ ΓΑ ρ

α α α στα α α α σιν ^{MEΛ} π ρ οι οι οι οι οι οι οίς και αι
 αι συ υν δι αι αι αι ω ω ω νι ι ι ι ι
 ζει ει ει ειν ο α ψε ευ δη ης ε πηγ γει ει
 ει ει λα α α α το ^{MEΛ} π ρ Χρι ι στο ο ο ος ο ο Θε
 ε ε ε ο ο ο ος και Σω τη ηρ των ψυ χω ω
 ω ων η η η η μων ^{MEΛ} π ρ

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ρ̣ Πα ρ̣

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσικόν Πεντηκοστάριον
2005 σ.557/571#

Δ ο ξα Πα τρι ι και Υι ω ω και α γι ω Πνε ε
 ε ευ μα α α α τι ^{π ρ} _{πικπ}
 ε ις το ο ο ο ρο ος τοις μα θη ται αις ε πει

ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε
ει ει ει ει γο ο ο με ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε νοις ^πδι α την χα μο θεν ε ε πα αρ σι ιν ^ηε πε
ε νοις ^πδι α την χα μο θεν ε ε πα αρ σι ιν ^ηε πε

στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος ^πκαι προσ κυ νη η σαν
στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος ^πκαι προσ κυ νη η σαν

τες α αυ τον ^πκαι την δο θει σαν εξ ου σι α αν
τες α αυ τον ^πκαι την δο θει σαν εξ ου σι α αν

παν τα α χου δι δα χθε ε ε ε ε ε ε ε εν τες ^πεις
παν τα α χου δι δα χθε ε ε ε ε ε ε ε εν τες ^πεις

την υ υπ ου ρα α νο ον ^χεξ α α πε ε ε στε
την υ υπ ου ρα α νο ον ^χεξ α α πε ε ε στε

ελ λο ο ον το ^χκη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι ^ητην εκ
ελ λο ο ον το ^χκη η ρυ υ υ υ υ ξαι αι ^ητην εκ

νε κρων α να α α στα α α α σι ιν ^ηκαι την εις ου
νε κρων α να α α στα α α α σι ιν ^ηκαι την εις ου

ρα νου ους α πο ο κα τα α α α στα α α α σιν ^π
ρα νου ους α πο ο κα τα α α α στα α α α σιν ^π

οι οι οι οισ και αι συ υν δι αι ω ω νι ι ι ι ι ζει
οι οι οι οισ και αι συ υν δι αι ω ω νι ι ι ι ι ζει

ει ειιν ^ηο α ψε ε ευ δης ε πηγ γει ει ει ει λα α α
ει ειιν ^ηο α ψε ε ευ δης ε πηγ γει ει ει ει λα α α

α το ^{π ρ} Χρι στο ο ος ο Θε ε ο ο ος και σω ω τη ηρ

τω ων ψυ χω ω ω ων η η η η μων ^{π ρ}

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδου (†2016)

Ἦχος ⁴/_ϩ Πα ⁷/_ϫ

Ελευθερίου Γεωργιάδου
Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
Ὁρθρος 1987 σ.556*

ΒΣ ΠΑ

Δ ο ξα Πα τρι ι και αι αι Υι υι ω ω και α γι

ι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ^{π ρ}

ΠΑ

Ε ις το ο ο ο ο ο ο ρο ο ος ^Δ τοις Μα θη

ται αις ε πει ει ει ει γο ο με ε ε νοι οις ^{π ρ} δι α

ΠΑ

την χα α μο ο ο ο θε εν ^Δ ε ε πα αρ σι ιν ε πε

ΚΕ↓

στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος ^{π ρ} και προ

ΔΙ↓

ΠΑ

σχυ νη σαν τε ες αυ τον ^{π ρ} και την δο θει ει ει σαν

ε ξου ου σι ι αν παν τα χου ου ου ου δι ι δα χθε ε

ε εν τες εις την υπ ου ου ρα α α νον ε ξα πε

ε στε ελ λο ον το ο κη ρυ υ υ υ υ υ υ

ξαι την εκ νε κρων α να α στα α σι ιν και την εις

ου ρα νου ους α πο ο κα τα α α α στα α α

α σιν οισ και αι συ υν δι αι ω νι ι ι ι ι

ζει ει ει ει ο α ψευ δης ε ε πηγ γει ει ει ει

λα α α α το Χρι στο ο ο ο ο ος ο Θε ε ος και

Σω τηρ τω ων ψυ χω ω ων η η η η μων

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος 4 Πα

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Δοξαστικά Πεντηκοσταρίου
2020 σ.56*

Δ ο ο ο ξα Πα τρι ι και αι αι Υι υι ω ω και α

γι ι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ^{π q}

Ε ις το ο ο ο ο ρος ^Δ τοις μα θη ταις ε πει γο

ο με ε νοις ^η δι α την χα μο θεν ε ε πα αρ

σι ιν ^η ε ε πε ε στη η ο Κυ υ υ υ ρι ι

ι ι ος ^{π q *} και προσ κυ νη η η η σα α αν τες

αυ τον ^{π q} και την δο θει ει ει σαν εξ ου ου σι ι αν ^η

παν τα α χου ου ου δι ι δα χθε ε ε εν τες ^{π q} εις

την υπ ου ου ρα α α νο ον ^Δ εξ α α πε στε ε

ε ελ λο ο ον το ο ^{Δ q} κη η ρυ υ υ ξαι την εκ νε κρων α

να α στα α σιν ^η και την εις ου ρα νους α πο κα

— « υ β η λ δ ς Γ Δ ε π ρ ο ι σ κ α ι σ υ ν δ ι α ι ω ω
τα α α α στα α α α σιν ο ι σ κ α ι σ υ ν δ ι α ι ω ω
« κ η λ ε δ ε π ρ ο α ψ ε υ δ η η σ ε π η γ γ ε ι ε ι
υ β η λ δ ς Γ Δ ε π ρ ο Χ ρ ι σ τ ο ο ο ο σ ο Θ ε ε ο ς η
ει ει λα α α α το Χ ρ ι σ τ ο ο ο ο σ ο Θ ε ε ο ς η
Ϻ « Ϻ Ϻ Ϻ Ϻ — « υ β η λ δ ς Γ Δ ε π ρ ο
κ α ι σ ω ω τ η η ρ τ ω ν ψ υ χ ω ω ω ν η η η η μ ω ν π ρ ο
* π ρ ο κ α ι π ρ ο σ κ υ ν η σ α ν τ ε ς α υ τ ο ν π ρ ο

Γεράσιμος Μοναχὸς Ἀγιορείτης

Λουκᾶς Λουκᾶ

Ἑωθινὸν β΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον 16:1-8

Ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 16:1-8

Διαγενομένου τοῦ Σαββάτου, Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ, καὶ Μαρία ἡ τοῦ Ἰακώβου καὶ Σαλώμη, ἠγόρασαν ἀρώματα, ἵνα ἐλθοῦσαι ἀλείψωσιν τὸν Ἰησοῦν. ²Καὶ λίαν πρῶτ' τῇ μιᾷ τῶν Σαββάτων ἔρχονται ἐπὶ τὸ μνημεῖον, ἀνατείλαντος τοῦ ἡλίου. ³Καὶ ἔλεγον πρὸς ἑαυτάς· Τίς ἀποκυλίσει ἡμῖν τὸν λίθον ἐκ τῆς θύρας τοῦ μνημείου; ⁴Καὶ ἀναβλέψασαι θεωροῦσιν, ὅτι ἀποκεκύλισται ὁ λίθος· ἦν γὰρ μέγας σφόδρα. ⁵Καὶ εἰσελθοῦσαι εἰς τὸ μνημεῖον, εἶδον νεανίσκον καθήμενον ἐν τοῖς δεξιοῖς, περιβεβλημένον στολὴν λευκὴν· καὶ ἐξεθαμβήθησαν. ⁶Ὁ δὲ λέγει αὐταῖς· Μὴ ἐκθαμβεῖσθε· Ἰησοῦν ζητεῖτε τὸν Ναζαρηνὸν τὸν ἐσταυρωμένον· ἠγέρθη, οὐκ ἔστιν ὧδε· ἴδε ὁ τόπος ὅπου ἔθηκαν αὐτόν. ⁷Ἀλλ' ὑπάγετε, εἶπατε τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ, καὶ τῷ Πέτρῳ, ὅτι προάγει ὑμᾶς εἰς τὴν Γαλιλαίαν· ἐκεῖ αὐτὸν ὄψεσθε, καθὼς εἶπεν ὑμῖν. ⁸Καὶ ἐξελθοῦσαι ταχὺ, ἔφυγον ἀπὸ τοῦ μνημείου· εἶχε δὲ αὐτὰς τρόμος καὶ ἔκστασις· καὶ οὐδενὶ οὐδὲν εἶπον· ἐφοβοῦντο γάρ.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον β΄

ἤχος β'

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Ἦψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον β'

Τὸν λίθον θεωρήσασι, ἀποκεκυλισμένον, αἱ μυροφόροι ἔχαιρον· εἶδον γὰρ νεανίσκον, καθήμενον ἐν τῷ τάφῳ, καὶ αὐτὸς ταύταις ἔφη· ἰδοὺ Χριστὸς ἐγήγερται, εἶπατε σὺν τῷ Πέτρῳ, τοῖς μαθηταῖς· ἐν τῷ ὄρει φθάσατε Γαλιλαίας, ἐκεῖ ὑμῖν ὀφθήσεται, ὡς προεῖπε τοῖς φίλοις.

Θεοδοκίον

Ἄγγελος μὲν ἐκόμισε, τῇ Παρθένῳ τό, Χαῖρε, πρὸ σῆς Χριστέ συλλήψεως, ἄγγελος δὲ τὸν λίθον, ἐκύλισέ σου τοῦ τάφου· ἀντὶ λύπης ὁ μὲν γάρ, χαρᾶς ἀφράστου σύμβολα, ὁ δὲ ἀντὶ θανάτου, σὲ χορηγόν, τῆς ζωῆς κηρύττων καὶ μεγαλύνων, καὶ λέγων τὴν Ἀνάστασιν, γυναιξὶ καὶ τοῖς μύσταις.

| | |
|-------------------------|-------------------------|
| Πέτρου Λαμπαδαρίου | Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη | Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη |

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος Δι'

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασματοάριον 1820 σ.239*

Τ ο ν λ ι θ ο ν θ ε ε ω ρ η η σ α σ α ι α π ο κ ε κ υ υ λ ι

 σ μ ε ε ν ο ν α ι μ υ ρ ο φ ο ρ ο ι ε ε χ α ι ρ ο ν ε ι δ ο ν

 γ α ρ ν ε ε α ν ι ι σ κ ο ν κ α θ η μ ε ν ο ν ε ε ν τ ω τ α α

 φ ω κ α ι α υ τ ο ς τ α α υ τ α ι ς ε ε φ η ι δ ο υ Χ ρ ι σ τ ο ς ε

 γ η η γ ε ρ τ α ι ε ι π α τ ε σ υ υ ν τ ω Π ε ε τ ρ ω τ ο ι ς Μ α θ η

 τ α ι α ι α ι ς ε ν τ ω ο ρ ε ι φ θ α σ α τ ε Γ α α λ ι λ α ι α ι α ς

ε κει η μι εν ο φθη η σε ται ως προ ει πε ε τοις φι
ι λους

Θεοτοκίον

Ἦχος Β΄

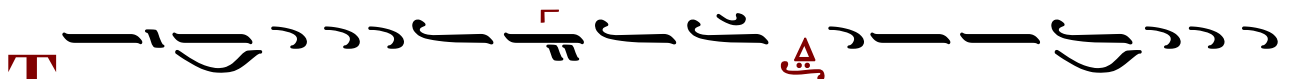
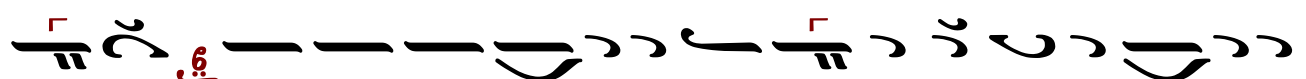






Πέτρου Εφεσίου
Αναστασιματάριον 1820 σ.240*

Α γ γε λος με εν ε κο ο μι σε τη Παρ θε νω ω το χαι
αι ρε προ σης Χρι στε ε συλ λη η ψε ως Αγ γε λος
δε ε τον λι ι θον ε κυ λη σε σου ου του τα α φου αν
τι λυ πη ης ο με εν γαρ χα ρας α φρα α στου συ
υμ βο λα ο δε αν τι ι θανα α του σε χο ρη γο ο ο
ον της ζω ης κυ ρυτ των και με ε γα λυ υ νων και
λε γων τη ην α να α στα σιν γυ ναι ξι και τοις μυ σται αι
αι αι αις

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ΒΨ

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.468/1338#


Tον λιθονθεωρηησασαι αποκεκυλισμε

 ενον αι Μυροφοοροι ε εχαιρον ειδον γαρ νεε

 α νι ι σκον καθημενον εν τω τα α φω και α αυ

 τος τα αυταις ε ε φη ι δου Χριστο ος ε γη η γερ

 ται ει πα τε συ υν τω Πε ε τρω τοις μαθηται αι αι αι

 αις εν τω ορει φθασα τε Γα α λι λαι αι ας ε κει

 υ μι εν ο φθη η σεται ως προ ο ει πε ε τοις φι ι

 λιοις

Θεοτοκίον

Α γ γε λος με εν ε κο ο μι σε τη Παρ θε

νω ω το χαι αι αι ρε προ σης Χρι στε ε συλλη η ψεως

αγ γε λος δε τον λι ι θον ε κυ λι σε σου ουτου τα α

φου αν τι λυ πη ης ο με εν γαρ χα ρας εν θε ε ου

συ υμ βο λα ο δε αν τι ι θανα α του σε χο ρη γον της

ζω η η η η ης κη ρυτ των και με ε γα λυ υ νων και

λε γων τη ην α να α στα σιν γυ ναι αι ξι και αι τοις μυ υ

σται αις

Ἀθανασίου Παναγιωτίδης (†1989)

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.6#

Τ ο ον λι θον θε ε ε ω ρη η σα σαι α πο

κε κυ υ λι σμε ε νον αι Μυ ρο ο φο ο ο ροι

ε ε χαι ρον ει δον γαρ νε ε α νι ι σκον κα

θη μενον εν τω τα α φω και α αυ τος τα αυ ταις ε ε

φη ι δου Χρι ι στο ος ε γη η γερ ται ει πα τε

συ υν τω Πε ε τρω τοις μα θη η ται αι αι αι αις

εν τω ο ρει φθα σα τε Γα α λι λαι αι ας ε κει η

η μι εν ο ο φθη η σε ται ως προ ο ει πε ε τοις φι

ι λοι οις

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθροῦ σ.227#

ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ
Τ ον λι θον θε ε ω ρη η σα σαι α πο κε κυ λι

σμε ε ε ε νον αι Μυ ρο ο φο ο ο ροι ε ε χαι
 ρον ει δον γαρ νε ε α νι ι σκον κα θη με νον ε εν τω
 τα α φω και α αυ τος τα αυ ταις ε ε φη ι δου
 Χρι στο ος ε γη η γερ ται ει πα τε συ υν τω Πε
 ε τρω τοις Μα θη ται αι αι αι αις εν τω ο ρει
 φθα σα τε Γα α λι λαι αι ας ε κει η μι ι
 ιν ο φθη η σε ται ως προ ο ει πε ε τοις φι ι λοι
 οις

Θεοτοκίον

Ἦχος Β̅ϛ̅

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.228#

Α γ γε λος με εν ε κο ο μι σε τη Πα αρ θε νω
 ω το χαι αι ρε προ σης Χρι στε ε ε συλ λη η ψε

ως αγ γε λος δε ε τον λι ι θον ε κυ λη σε σου ου του

τα α φου αν τι ι λυ πη ης ο με εν γαρ χα ρας α

φρα α α στου συ υμ βο λα ο δε αν τι ι θα να

α του σε χο ρη γο ο ο ο ον της ζω ης κη ρυτ

των και με ε γα λυ υ νων και λε γων τη ην Α

να α στα σιν γυ ναι αι ξι και αι τοις μυ υ σται αις

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν β΄

ἤχος β΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

Μετὰ μύρων προσελθούσαις, ταῖς περὶ Μαριὰμ γυναῖξί, καὶ διαπορουμέναις, πῶς ἔσται αὐταῖς τυχεῖν τοῦ ἔφετοῦ, ὠράθη ὁ λίθος μετρημένος, καὶ θεῖος νεανίας, καταστέλλων τὸν θόρυβον αὐτῶν τῆς ψυχῆς. Ἠγέρθη γὰρ φῆσιν, Ἰησοῦς ὁ Κύριος· διὸ κηρύξατε τοῖς κήρυξιν αὐτοῦ μαθηταῖς τὴν Γαλιλαίαν δραμεῖν, καὶ ὄψεσθε αὐτόν, ἀναστάντα ἐκ νεκρῶν, ὡς ζωοδότην καὶ Κύριον.

| | | |
|-------------------------|--------------------------|----------------------|
| Πέτρου Ἐφεσίου | Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου | Ἰωάννου Πρωτοψάλτου |
| Ἰωάσαφ Διονυσιάτου | Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ | Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου |
| Κωνσταντίνου Πρίγγου | Ἀθανασίου Παναγιωτίδη | Ἀθανασίου Καραμάνη |
| Κωνσταντίνου Παπαγιάννη | Ἐλευθερίου Γεωργιάδη | Κωνσταντίνου Λάμπρου |

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Δ ο ο ξα Πα α τρι και Υι υι ω και α γι ι ω

Πνε ε ευ μα τι

Μ ε τα μυ ρων προσ ε ελ θου ου ου σαις ταις πε ρι

την Μα ρι α α αμ γυ ναι αι ξι και δι α πο ο ο

ο ρου ου ου με ε ε ναι αις πως ε ε ε ε σται αι α

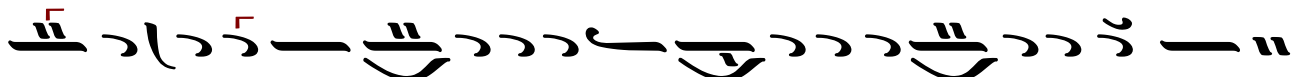




α αυ ταις τυ υ υ υ χει ειντου ε φε ε του ου ω ρα α

α θει ο ο λι θος με ε ε τηρ με ε νος και θει ος νε

α α νι ι ι ας κα τα στελλων τον θο ο ρυ υ βον α

αυ τω ων τη ης ψυ υ υ χης η γερ θη γαρ φη η

σιν Ι η σου ους ο Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ος δι


 ο ο κη η η ρυ ξα α τε τοις κη ρυ ξιν αυ του ου ου Μα θη η

 ται αι αις εις την Γα λι λαι αι αι α αν δρα α α

 μει ει ν και ο ο ψε ε σθε α α αυ τον α να σταν τα α

 εκ νε ε κρω ων ως ζω ο δο τη ην και Κυ υ

 υ υ ρι ι ι ον

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος Δε 

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.139*


Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και α γι ι

 ω Πνε ε ε ευ μα τι σ.101*

Μ ε τα μυ υ υ ρων προ σ ε λ θου ου ου ου ου

 σαις ταις πε ρι την Μα ρι α α α μ γυ ναι αι ξι ι ι ι

και δι α πο ο ο ο ρου ου ου με ε ε ναι αις

πως ε ε ε ε ε ε ε σται αι α α αυ ταις τυ

υ υ υ χει ει ει ει ει ει ει ει ει ει τυ χει

ειν του ου ε ε φε ε του ου ω ρα α θη ο ο λι θος

με ε ε ε ε ε ε ε τηρ με ε ε ε ε ε λιε ε ε ε

νος και θει ος νε α α νι ι ι ας κα τα στε ε ε

ελ λων τον θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ωων της ης ψυ

υ υ χης η γε ε ερ θη η η η η γαρ φη

η σιν Ι η σου ου ου ου ους ο ο Κυ υ υ υ ρι

ι ι ι ι ι ος δι ο ο ο κη ρυ υ υ

υ υ ξα α α α τε τοις κη ρυ υ ξιν αυ του ου ου

μα θη η ται αι αι αις εις την Γα λι λαι αι αι αι αι
 α αν δρα α α μειν και αι αι αι ο ο ο ο ο
 ο ο ο ο ο ο και ο ψε ε σθε α αυ τον α να
 στα αν τα εκ νε ε κρων ως ζω ο δο ο ο ο την και
 Κυ υ υ υ υ υ υ ρι ον

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος Δι

Αναστασιματάριον
 Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
 1905 σ.92*

Δ ο ο ο ξα Πα α α τρι ι ι και Υι υι ω και α
 γι ι ω Πνε ευ μα τι
 Με τα μυ υ ρων προσ ελ θου ου ου σαις ταις πε
 ρι την Μα ρι α α αμ γυ ναι αι ξι και δι α πο ο
 ο ο ρου ου ου με ε ε ναι αις πως ε ε ε ε ε ε

σταί αι α α αυ ταις τυ υ υ υ χει ει ει ει ει ει

ει ει ει ει ει τυ χει ει εν του ου ε ε φε ε του ου ου

ου ου ου ου ου ου ου ου ω ρα α α θη ο ο λι θος

με ε ε τηρ με ε νος και θει ος νε α α νι ι ι ι ας

κα τα στε ε ε ελ λω ω ων τον θο ο ρυ υ βον αυ

τω ω ω ων τη ης ψυ υ υ χης η γερ θε γαρ

φη η σιν Ι η σου ους ο Κυ υ υ ρι ος

δι ο κη η η ρυ ξα α τε τοις κη η ρυ υ ξιν αυ του

ου μα α θη η η ταις εις την Γαλ λι λαι αι αι αν

δρα α μει ει ει ει ει εν και αι αι αι αι αι ο

ο ο ο ο ο ο ο ο ο και ο ψε ε σθαι α αυ

τον α να στα αν τα α ε ε ε ε ε εκ νε ε

κρω ω ων ^{π ρ} ως ζω ο δο τη ην και αι Κυ υ υ

ρι ι ι ι ον

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος Δι

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.357*

Δ ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι και αι Ἰι υι ω ω

ω και Α γι ι ω Πνε ε ευ μα α α α τι

Μ ε τα μυ υ υ ρων προσ ε ελ θου ου ου σαι

αι ταις πε ρι ι την Μα ρι α α α αμ γυ υ ναι

αι ξι ι ι και αι αι δι α α πο ο ο

ο ρου ου ου με ε ε ε ε ε ε ε ναι αις πως ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε σται α αυ ται αι και

αι αι αις τυ χει ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει

ει τυ χει ειν του ε ε ε ε ε ε φε ε ε του ε ε

φε ε του ου ω ρα α α α α α α θη η η η

ο ο λι ι ι θος με ε ε τηρ με ε ε νο ο ο

ος και θει ει ος νε ε ε ε α α νι ι

ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ας κα α α τα στε

ελ λων τον θο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ρυ υ υ

βο ο ο ο ο ο ο ον α αυ τω ω ω ων τη ης ψυ υ

χη η η η η η η η ης η γε ε ερ θη η η

γα αρ φη η σι εν Ι η σου ου ου ου ου ου ους ο

ο Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ι ι ι ι ος δι ο κη

ρυ υ υ υ υ υ υ υ ξα α α α κη ρυ υ

ι ω Πνε ε ευ μα α α α τι

M ε τα α μυ υ υ ρων προσ ε ελ θου ου γου ου ου ου

σαις ταις πε ρι τη ην Μα ρι α α α α α μ γυ ναι αι ξι

ι ι ι και δι ι α πο ρου ου με ε ε ε ε ναι αι

αις πως ε ε ε ε ε σται α αυ ται αι αι αι αι αις τυ

χει ει ει ει ν του ε φε ε του ου ου ου ου ου ου ου ου

ου ου ω ρα α α θη ο ο λι ι ι ι ι θος με

ε ε ε ε ε ε τη ηρ με ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε νος και θει ο ο ος νε ε ε α νι ι ας κα τα

στε ε ε ε ελ λω ω ων το ο ο ο ον θο ο ο ο ο

ο ο ο ο ο ο ρυ υ βο ο ο ο ο ο ο ο ον α α

αυ τω ω ω ω ωων τη η η ης ψυ υ υ τηςψυ

χη η η ης η γερθη η γαρ φη η η σιν Ι η

σου ους ο Κυ υ υ ρι ι Ι η σου ους ο Κυ υ υ

υ υ υ ρι ι ος δι ο ο κη ρυ υ ξα τε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε τοι οισ κη ρυ υ ξιν α αυ

του ου ου ου μα αθη ηται αι αι αις εις την Γα λι

λαι αι αι αι αι αν δρα α μει ει ει ει ει ει ει ει

ει ειιν και αι αι αι αι ο ο ο και ο ψε ε σθε α

αυ το ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ον α να στα

αν τα α α α α α α εκ νε ε ε ε ε ε κρω

ων ως ζω ο δο ο ο την και Κυ υ υ υ υ υ

ρι ι ο ο ο ον

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος Δι

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.6*

Δ ο ο ο ξα Πα τρι και Υι υι ω και α γι

ι ω Πνε ε ευ μα τι

Μ ε τα μυ υ ρων προσ ε ελ θου ου ου ου ου

σαι αι αι αι αι και αι αι αις ταις πε ε ρι ι ι την

Μα α ρι ι α α α αμ γυ ναι αι ξι ι ι ι και δι ι

α πο ο ο ο ο ο ο ρου ου με ε ε ε ε ε ε

ναι αις πω ω ως ε ε ε σται αι αι αι αι

α α α αυ ταις τυ υ υ χει ει ει ει ει

ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει τυ χει ει ν του ου

ε ε φε ε του ου ου ου ου ου ου ου ου ω ω ρα α

α θη ο ο λι ι θο ο ος με ε ε τη ηρ με ε ε ε ε

λε ε ε ε νος και αι θει ος νε α α νι ι ι ας κα

τα στε ε ε ε ελ λω ων το ο ο ο ον θο ο ο

ο ο ο ρυ υ υ τον θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ων

της ψυ υ υ χης η η γερ θη η γαρ φη η η σι εν

Ι η σου ου ου ου ου ους ο ο Κυ υ υ υ υ ρι

ι ι ι ι ι ι ι ος δι ο κη η η ρυ υ





υ υ υ ξα α α α α ια α α α τε τοι οις κη

η ρυ υ ξιν αυ του ου ου ου μα θη η η ταις

εις την Γα λι λαι αι αι αι αν δρα α μει ει ει ει ει

ει ει ει ει εν και αι αι αι αι αι αι ο ο ο ο

ο ο ο ο ο ο ο και ο ψε ε σθε α α α α α αυ το


 ον α να στα α α α α αν τα α α α α α

 ε ε ε ε εκ νε ε ε ε εκ νε ε κρω ων ως ζω ω

 ο ο δο ο ο την και αι Κυ υ υ ρι ι ι ι

 ο ο ο ον







Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος  Δι

Τα 11 εωθινά
κατ' ἐκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*


Δ ο ο ξα Πα α τρι ι και Υι ω και α α γι ι ω

 Πνε ε ευ μα τι κτι

Μ ε τα μυ υ υ ρω ω ων προσ ε ελ

 θου ου ου ου σαι αις ταις πε ρι την Μα ρι α

 α αμ γυ ναι ξι ι ι και δι α πο ρου

 με ε ε ε ε ε ναι αι αι αις πωσ ε ε ε ε ε

σταί α α αυ ταις τυ υ υ υ χει ει ει ει ει ει

ει ει ει ει ει ει τυ χει ει ει ν του ε ε φε ε του

ου ου ου ου ου ου ου ου ου ου ω ρα α α θη ο ο

ο λι ι θο ο ος με ε ε ε τηρ με ε νος και

θει ος νε α α α νι ι ι ας κα τα στελ λων

τον θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ν της ψυ υ υ χης

η γερ θη γα αρ φη η η σιν Ι η σου ους ο Κυ

υ υ υ ρι ος δι ο ο κη η η η ρυ υ ξα α

τε τοις κη η ρυ υ ξιν αυ του ου ου Μα α

θη η η ταις εις την Γα λι λαι αι αι αι αν δρα

μει ει ει ν και ο ο ο ψε σθε ε α α αυ τον α

να στα αν τα ε εκ νε κρω ω ω ω ω ω ω

ω ω ω ω ω ω ων ως ζω ο δο ο ο την και αι Κυ

υ υ υ υ υ υ ρι ι ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδῃ (†1989)

Ἦχος Δε

Ἀθανασίου Παναγιωτίδῃ
Επίτομον Αναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.45*

Δ ο ο ο ξα Πα α α τρι ι ι και Υι ι ω και α

γι ι ω Πνε ευ μα τι

Μ ε τα μυ υ ρων προ οσ ε ε ελ θου ου ου

ου ου σαι αις ταις πε ρι την Μα ρι ι α α α α αμ

γυ ναι ξι ι ι και δι ι ι α πο ο ο

ο ρου ου ου με ε ε ε ε ναι αις πως ε ε ε ε ε ε

σταί α α αυ ταις τυ χει ειν του ουου ε φε ε του ου

ου ω ρα α α θη ο ο ο λι ι θο ο ος με ε

ε ε ε τηρ με ε νος και θει ος νε ε ε α α νι

ι ι ι ας κα τα α στε ε ε ε ε λω ων το ον

θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ω ωων της ψυ υ υ

χης η γε ε ερ θη η γα αρ φη η η σιν Ι η η

σου ους ο Κυ υ υ ρι ος δι ο ο κη η η η

ρυ υ ξα α τε τοις κη η ρυ υ ξιν αυ του ου ου ου

ουου μα θη η η ταις εις την Γα λι λαι αι αι αν δρα

μει ει ειν και αι ο ο ο ψε ε ε σθε ε ε

α α αυ τον α να στα α αν τα α α ε ε ε

ε ε ε ε εκ νε ε ε κρω ω ων π ρ ως ζω ο δο ο ο

τη ην και αι Κυ υ υ υ υ υ υ ρι ι ο ο

ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος Δι

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.141*

ΜΕΛ ΔΙ ΒΞ ΜΕΛ ΔΙ
Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι ι και Υι ω και

ΒΞ
α α γι ι ω Πνε ε ευ μα τι

ΜΕΛ ΔΙ
Μ ε τα μυ υ ρω ων προ ο σε ελ θου ου ου ου

ΜΕΛ ΒΞ ΜΕΛ
σαι αις ταις πε ρι την Μα ρι ι α α α αμ γυ ναι

ΔΙ
ξι ι ι ι ι ι και δι ι α πο ο

ο ρου ου ου με ε ε ε ε ναι αις πω ως ε ε ε ε ε

ε σ τ α ι α α α υ τ α ι ς τ υ υ υ υ χ ε ι ε ι ε ι ε ι ε ι ε ι

ε ι ε ι ε ι ε ι ε ι ε ι τ υ χ ε ι ε ι ν τ ο υ ο υ ο υ ε φ ε ε τ ο υ ο υ ο υ

ο υ ο υ ο υ ο υ ο υ ο υ ο υ ο υ ω ρ α α α α θ η ο ο ο

λ ι ι θ ο ο ο ς μ ε ε ε ε ε τ η ρ μ ε ε ν ο ς κ α ι α ι

θ ε ι ο ο ς ν ε α α ν ι ι ι α ς κ α τ α σ τ ε ε ε ε

ε λ λ ω ω ν τ ο ν θ ο ο ρ υ υ β ο ν α υ τ ω ω ω ω ω

ω ν τ η ς ψ υ υ υ χ η ς η γ ε ε ρ θ η η γ α ρ φ η η

σ ι ν Ι η η σ ο υ ο υ ς ο Κ υ υ υ ρ ι ο ς δ ι ο κ η

η η ρ υ υ ξ α α τ ε τ ο ι ς κ η η ρ υ υ ξ ι ν α υ τ ο υ ο υ ο υ

Μ α θ η η η τ α ι ς ε ι ς τ η ν Γ α λ λ ι λ α ι α ι α ι α ι α ν δ ρ α

α μ ε ι ε ι ε ι ε ι ε ι ν κ α ι α ι α ι α ι α ι α ι α ι ο ο ο

, ΠΑ ΜΕΛ ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ , ΜΕΛ
 ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο και ο ο ψε ε ε σθε αυ
 ΔΙ ΓΑ , ΠΑ
 το ο ο ο ον α να στα αν τα α ε ε ε
 ΔΙ Π
 ε εκ νε ε κρω ων ως ζω ο δο ο τη ην και αι Κυ
 Χ
 υ υ υ υ υ υ ρι ι ο ο ο ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιος

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Δι

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
 Μουσικόν Πεντηκοστάριον
 2005 σ.220/234#

Δ ο ο ο ξα Πα α α τρι ι ι και Υι υι ω και α
 γι ι ω Πνε ευ μα τι
 Μ ε τα μυ υ ρων προσ ελ θου ου ου ου
 σαι αις ταις πε ρι την Μα ρι α α α α μ γυ ναι αι ξι
 ι και δι α πο ρου με ε ε ε ναι αι αις πως ε ε

ε ε ε ε σται αι α α αυ ταις τυ χει ει ει ει ν του ε

ε φε ε του ου ου ου ου ου ου ου ου ου ου ου ω ρα α

α θη ο λι θο ος με τηρ με ε ε ε νος και θει ος

νε α α νι ι ι ι ι ας κα τα στε ε ε ε

ε ελ λων τον θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ω ν τη

ης ψυ υ υ χης η γε ε ρθη η γα αρ φη η η σιν

I η σου ου ους ο Κυ υ υ ρι ος δι ο κη η

η ρυ υ ξα α τε τοις κη η ρυ υ ξιν αυ του ου ου ου ου

μα α θη η η ταις εις την Γα λι λαι αι αι αν δρα α

μει ει ει ει ν και ο ο ψε ε σθαι α αυ τον α να

στα αν τα α εκ νε ε κρω ω ν ως ζω ο δο τη η ν και

αι Κυ υ υ ρι ι ι ι ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος Δι

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
Ὄρθρος 1987 σ.559*

MEΛ ΔΙ
Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι και Υι ω και α γι ι

ω Πνε ε ευ μα τι

MEΛ ΔΙ
Μ ε τα μυ υ υ ρων προ ο σε ελ θου ου ου ου

MEΛ ΔΙ MEΛ
σαι αις ταις πε ρι την Μα ρι α α α α αμ γυ

ΔΙ
ναι ξι ι ι και δι ι α α πο ο ο ο ρου ου

ου με ε ε ε ε ναι αις πως ε ε ε ε ε ε σται

Ββ
α α α αυ ταις τυ χει ει ει ει ντου ε ε φε ε του ου ω

ΓΑ ΔΙ
ρα α α θη ο λι ι θο ο ος με ε ε ε τη ηρ

με ε ε ε ε ε ε ε γε ε ε ε ε νος και θει

ει ει ει ει ει ο ο ος νε ε ε ε ε ε ε

α νι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι

ι ας κατα στε ε ε ε λω ω ων τον θο ο ρυ βον

αυ τω ω ω ωων της ψυ υ υ χης η γε ερθη

η γαρ φη η σιν Ι η σου ους ο Κυ υ υ ρι

ος δι ο ο κη η η η ρυ υ ξα α α τε τοις

κη η ρυ υ ξιν αυ του ου ου ου ου μα θη η η

ταις εις την Γα λι λαι αι αι αι αν δρα α μει ει

ει ει ει ει ει ειν και ο ο ο ο ψε σθε ε α αυ το ον

α να στα α α αν τα α ε ε ε ε ε εκ νε ε

κρω ω ων ^{ΓΑ} ως ^{ΔΙ} ζω ο δο ο ο τη ην και αι Κυ υ υ
 υ υ υ υ ρι ι ον

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιογράφος

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος Δι

Κωνσταντίνου Λάμπρου
 Δοξαστικά Πεντηκοσταρίου
 2020 σ.18*

Δ ο ο ο ξα Πα α α τρι ι ι και Υι υι ω και α

γι ι ω Πνε ευ μα τι

M ε τα μυ υ ρω ωων προσ ε ελ θου ου ου σαις ταις

πε ρι την Μα ρι α α αμ γυ ναι ξι ι ι και

δι ι ι α πο ο ο ο ρου ου ου με ε ε ναι αις

πως ε ε ε ε ε σται α α αυ ταις τυ χει

εν του ου ε ε φε ε του ου ω ρα α α α θη ο ο

λι θο ο ος με ε ε τηρ με ε νος και θει ος νε α α

νι ι ι ας κα τα στε ε ε ε ελ λω ω ων τον

θο ο ρυ υ βον αυ τω ω ω ων της ψυ υ υ χης

η γε ερ θη η γαρ φη η η σιν Ι η σου ους ο

Κυ υ υ ρι ος δι ο ο κη η η η ρυ υ ξα α

τε τοις κη η ρυ υ ξιν αυ του ου ου ου μα θη η η

ταις εις την Γα λι λαι αι αι αι αν δρα μει ει ει ν

και ο ο ο ψε σθε ε α α αυ τον α να στα αν

τα ε εκ νε κρω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ω

ων ως ζω ο δο ο ο την και αι Κυ υ υ ρι ι ι ι

ον

Ἐωθινὸν γ´

Ἐκ τοῦ κατὰ Μᾶρκον 16:9-20

Ἐκ τοῦ κατὰ Μᾶρκον ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 16:9-20

9 Ἀναστὰς ὁ Ἰησοῦς πρῶτῃ πρώτῃ Σαββάτου, ἐφάνη πρῶτον Μαρίᾳ τῇ Μαγδαληνῇ, ἀφ' ἧς ἐκβεβλήκει ἑπτὰ δαιμόνια. 10 Ἐκείνη πορευθεῖσα ἀπήγγειλε τοῖς μετ' αὐτοῦ γενομένοις, πενθοῦσι καὶ κλαίουσι. 11 Κἀκεῖνοι, ἀκούσαντες ὅτι ζῆ, καὶ θεάθη ὑπ' αὐτῆς, ἠπίστησαν. 12 Μετὰ δὲ ταῦτα δυσὶν ἐξ αὐτῶν περιπατοῦσιν ἐφανερῶθη ἐν ἑτέρᾳ μορφῇ, πορευομένοις εἰς ἀγρόν. 13 Κἀκεῖνοι ἀπελθόντες ἀπήγγειλαν τοῖς λοιποῖς· οὐδὲ ἐκείνοις ἐπίστευσαν. 14 Ὑστερον, ἀνακειμένοις αὐτοῖς τοῖς ἑνδεκα ἐφανερῶθη, καὶ ὠνείδισε τὴν ἀπιστίαν αὐτῶν, καὶ σκληροκαρδίαν· ὅτι τοῖς θεασαμένοις αὐτὸν ἐγηγερμένον οὐκ ἐπίστευσαν. 15 Καὶ εἶπεν αὐτοῖς· Πορευθέντες εἰς τὸν κόσμον ἅπαντα, κηρύξατε τὸ εὐαγγέλιον πάσῃ τῇ κτίσει. 16 Ὁ πιστεύσας καὶ βαπτισθεὶς, σωθήσεται· ὁ δὲ ἀπιστήσας, κατακριθήσεται. 17 Σημεῖα δὲ τοῖς πιστεύσασιν ταῦτα παρακολουθήσει· ἐν τῷ ὀνόματί μου δαιμόνια ἐκβαλοῦσι· γλώσσαις λαλήσουσι καιναῖς· 18 ὄφεις ἄροῦσι· κἂν θανάσιμόν τι πίωσιν, οὐ μὴ αὐτοὺς βλάψει· ἐπὶ ἄρρώστους χεῖρας ἐπιθήσουσι, καὶ καλῶς ἔξουσιν. 19 Ὁ μὲν οὖν Κύριος μετὰ τὸ λαλήσαι αὐτοῖς, ἀνελήφθη εἰς τὸν οὐρανὸν, καὶ ἐκάθισεν ἐκ δεξιῶν τοῦ Θεοῦ. 20 Ἐκεῖνοι δὲ ἐξελθόντες ἐκήρυξαν πανταχοῦ, τοῦ Κυρίου συνεργοῦντος, καὶ τὸν λόγον βεβαιοῦντος διὰ τῶν ἐπακολουθούντων σημείων. Ἀμήν.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλᾶριον γ´

ἤχος β´

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ´)

Ἦψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον γ´

Ὅτι Χριστὸς ἐγήγερται, μὴ τις διαπιστεῖται· ἐφάνη τῇ Μαρίᾳ γάρ, ἔπειτα καθωράθη, τοῖς εἰς ἀγρόν ἀπιοῦσι, μύσταις δὲ πάλιν ὤφθη, ἀνακειμένοις ἑνδεκα, οὓς βαπτίζειν ἐκπέμψας, εἰς οὐρανούς· ὅθεν καταβέβηκεν ἀνελήφθη, ἐπικυρῶν τὸ κήρυγμα, πλήθει τῶν σημείων.

Θεοτοκίον

Ὁ ἀνατείλας ἥλιος, ἐκ παστοῦ ὡς νυμφίος, ἀπὸ τοῦ τάφου σήμερον, καὶ τὸν Ἄδην σκυλεύσας, καὶ θάνατον καταργήσας, σὲ τεκούσης πρεσβείαις, φῶς ἡμῖν ἑξαπόστειλον, φῶς φωτίζον καρδίας, καὶ τὰς ψυχὰς, φῶς βαδίζειν ἅπαντας ἐμβιβάζον, ἐν τρίβοις προσταγμάτων σου, καὶ ὁδοῖς τῆς εἰρήνης.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος  Δι´

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.241*

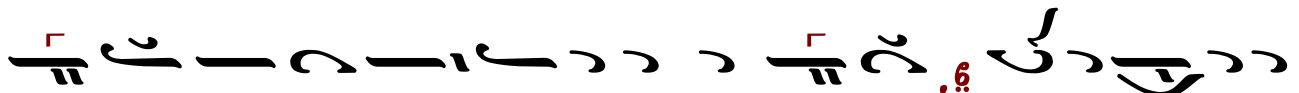


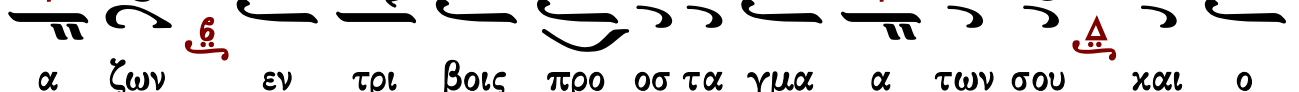

Ο τι Χρι στο ος ε γη η γερ ται μη τις δι α α πι
 στει ει τω ε φα νη τη η Μα ρι ι α γαρ ε πειτα κα αθ
 ω ρα α θη τοις εις α γρον α α πι ου ου σι μυ σταις δε
 πα α λιν ω ω φθη α να κει με ε νοις ε εν δε κα ους
 βα πτι ζει εινεκπε εμ ψας εις ου ρα νου ου ου ους ο θεν
 κα τα βε βη κεν α α νε λη η φθη ε πι κυ ρω
 ων το κη η ρυ γμα πλη θεσι τω ωνημει ει ων

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Αναστασιματάριον
 Πέτρου Εφεσίου
 1820 σ.241*

Ο α να τει ει λας Η η λι ος εκ πα στου ω
 ως νυμ φι ι ος α πο του τα α φου ση η μερον και
 τον Α δη ην σκυ λε ευ σας και θα να τον κα α ταρ γη


 η σας σε τε κου ση ης πρε σβει ει αις φως η μιν ε ε

 ξα πο ο στει λον φως φω τι ζο ον καρ δι ι ασ και τας

 ψυ χα α α ασ φως βα δι ζειν α παν τας ε εμ βι βα

 α ζων εν τρι βοις προ οσ τα γμα α των σου και ο

 δοις της ει ρη νη η η η ης



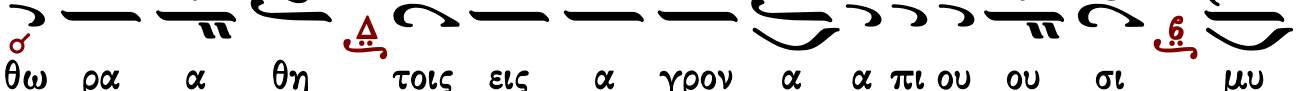

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Β̅

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.469/1339#


Ο τι Χρι στο ος ε γη η γερ ται μη τις δι α α πι

 στει ει τω ε φα νη τη η Μα ρι ι α γαρ ε πει τα κα

 θω ρα α θη τοις εις α γρον α α πι ου ου σι μ

 σταις δε πα α λιν ω ω ω φθη α να κει με ε νοις ε εν

δε κα ους βα πτι ζει ειν εκ πε εμ ψας εις ου ρα νου ου ου

ου ους ο θεν κα τα βε βη κεν α α νε λη η φθη ε

πι κυ ρω ων το κη η ρυ γμα πλη θε σι τω ων ση μει ει

ω ων

Θεοτοκίον

Ο α να τει ει λας η η λι ος εκ πα στου

ω ως νυ μ φι ι ος α πο του τα α φου ση η με ρον

και τον α δη ην σκυ λε ευ σας και θα να τον κα ταρ γη

η σας σε τε κου ση ης πρε σβει ει αις φως η μιν ε εξ

α πο ο στει λον φως φω ω τι ζο ν καρ δι ι ας και τας ψυ

χα α α α ας φως βα δι ζειν α παν τας ε εμ βι βα

α ζον εν τρι βοις προ οστα γμα α των σου και ο ο

δοις τη ης ει ρη η νη ης

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.7#

Ο τι Χρι ι στο ος ε γη η γερ ται μη τις δι

α α πιστει ει τω ε φα νη τη η Μα ρι ι α

γαρ ε πει τα α κα α θω ρα α θη τοις εις α α

γρον α α πι ου ου σι μυσταις δε πα α λιν ω ω φθη

α να κει ει με ε ε νοις ε εν δε κα ους βα α πτι

ζει ει ν εκ πε εμ ψας εις ου ρα νου ου ου ου ους ο ο

ο ο θεν κα τα βε βη κεν α α νε λη η φθη ε πι

κουρωωντοκηηρυγμα πληθεισιιτων

σημειωνων

Γεράσιμος Μοναχός Αγιογράφος Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.229#

Οτι Χριστος οσ εγη η γερται μη τις δι ι
ααπιστη η τω ε φανη τη η Μαρι ι α
γαρ επει τα ακα αθωρα αθη τοις εις α γρον α
απι ου ου σι μυσταις δε πα α λιν ω ω φθη α
να χει ει με ε ε νοις ε εν δε κα ους βα πτι ζει
ειν εκ πε ε εμ ψας εις ου ρα νου ου ου ου ους
ο ο ο θεν κα τα βε βη κεν α α νε λη η


φθη ^{ΓΑ} ^{ΔΙ} ^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 ε πι κυ υ ρω ω ν το κη η ρυ γμα πλη θε
^{ΜΕΛ}
 σι ι τω ων σημει ει ων

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒΞ

Χρυσάνθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.230#

^{ΒΞ} ^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
Ο α να τει ει λας η η λι ος εκ πα α στου ω
^{ΓΑ} ^{ΔΙ}
 ως νυμ φι ι ος α πο του ου τα α α φου ση
^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 η με ρον και το ον α δη ην σκυ λε ευ σας και θα να
^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 τον κα α ταρ γη η σας σε τε κου ση ης πρε σβει ει
^{ΔΙ} ^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 αις φως η μιν ε εξ α πο ο στει λον φως φω τι ζο ον καρ
^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 δι ι ι ας και τας ψυ χα α α ας φω ως βα
^{ΔΙ}
 δι ζειν α παν τα ας ε εμ βι βα α ζων εν τρι βοις
^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ}
 προ οσ τα γμα α των σου και ο ο δοις τη ης ει ρη


 η νη ης

Ἑωθινὸν δοξαστικὸν γ´

ἤχος γ´

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

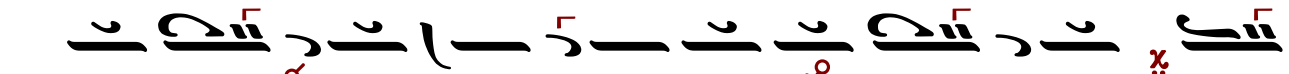
Τῆς Μαγδαληνῆς Μαρίας,
 τὴν τοῦ Σωτῆρος εὐαγγελιζομένης,
 ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν καὶ ἐμφάνειαν,
 διαπιστοῦντες οἱ μαθηταί,
 ὠνειδίζοντο τὸ τῆς καρδίας σκληρόν·
 ἀλλὰ τοῖς σημείοις καθοπλισθέντες καὶ θαύμασι,
 πρὸς τὸ κήρυγμα ἀπειστέλλοντο·
 καὶ σὺ μὲν Κύριε,
 πρὸς τὸν ἀρχίφωτον ἀνελήφθης Πατέρα,
 οἱ δὲ ἐκήρυττον πανταχοῦ τὸν λόγον,
 τοῖς θαύμασι πιστούμενοι.
 Διὸ οἱ φωτισθέντες δι' αὐτῶν δοξάζομέν σου,
 τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν,
 φιλόανθρωπε Κύριε.

Πέτρου Ἐφεσίου
 Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
 Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
 Ἐμμανουήλ Φαρλέκα
 Κωνσταντίνου Πρίγγου
 Ἀθανασίου Καραμάνη
 Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
 Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
 Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἤχος Γα´

Πέτρου Ἐφεσίου
 Αναστασιματάριον 1820 σ.242*


 Δ ο ξ α Πα τρι ι ι ι και Υι υι ω και


 αι α γι ι ω ω Πνε ε ευ μα α α τι ι


 Τ ης Μαγ δα α λη νη η ης Μα α ρι ι ι α ας την του

ου Σω τη η η η ρος ε ε ε ε ευ α α αγ γε ε λι

ι ζο με ε ε ε νη ης εκ νε ε κρων Α α να στα α σι

ι ι ιν και αι εμ φα α α νει α αν δι α πι στου ου

ουν τες οι οι Μα θη η ται ω νει δι ζο ον το το ο

τη ης κα αρ δι ι ι α ας σκλη ρο ον αλ λα τοις ση

μει ει οις κα θο πλι σθε ε εν τε ες και θα αυ μα α

σι προς το κη ρυ γμα α α α α πε στε ε ελ λο ο ον

το ο και συ υ μεν Κυ υ υ ρι ε ε προς τον αρ

χι φω ω τον α α νε ε λη η η η η φθη ης Πα τε ε

ε ρα α οι δε ε ε κη ρυ υτ το ο ο ον παν τα α

χου τον λο ο ο γο ον τοις θα αυ μα σι ι πι ι στου ου

ου με ε ε νοι οι ^{π ρ} δι ο ο οι φω ω τι σθεν τες

δι ι α α αυ τω ων ^{χ ρ} δο ξα α α α ζο ο με

ε εν σου ^{χ ρ} την εκ νε κρων Α να α στα α σιν ^{χ ρ} φι λα

α α αν θρω πε Κυ υ υ υ υ ρι ι ε ^η

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος ἠ Γα

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
Αναστασιματάριον 1865 σ.193*

Δ ο ξα Πα τρι και αι Υι υι υι ω και α γι ι ω ω

Πνε ε ευ μα α α α τι ι ^{π ρ}

Τ ης Μαγ δα λη νη η η ης Μα α ρι ι ι α ας την

του Σω τη η η η ρος ^{χ ρ} ευ αγ γε λι ζο ο με ε ε

ε ε νης εκ νε κρω ων α α να α στα α α α σι ι

ιν και αι ε εμ φα α α νει ει ει ει αν ^π9 δι α πι

στου ου ουουν τες οι οι μα θη η ται ω νει δι ι ζο ο ο

ον το το ο ο τη ης κα αρ δι ι α ας σκλη η ρο ον ^π9

αλ λα τοις ση η μει ει ει ει ει ει ει οις ^Δ8 κα θο

πλι σθε ε εν τες και θα α αυ μα σι ^χ9 προς το κη

η ρυ υ υ υ γμα α α α α πε ε στε ε ελ λο ο ο ον

το ο ^π9 και συ μεν Κυ ρι ι ε προς τον αρ χι φωω τον

α νε λη η η φθης Πα τε ε ε ε ρα ^χ9 οι δε ε κη

η η η η η η η η η η η η ε κη η ρυ υ

το ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ον ^ο8 ^χ9 παν τα χου ου

ου ου τον λο γο ον τοις θα αυμα σι ι πι ι στου ου με ε

ε ε νοι οι ^πϩ δι ο οι οι φω ω τι σθε ε εν τες

δι ι α α αυ των ^κϩ δο ξα α α α ζο μεν σου ου την

εχ νε κρω ων α α να α στα α α α σιν φι λα α αν

θρω πε ε Κυ υ υ ρι ι ε ^η

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος ἠ Γα

Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.145*

Δ ο ξα α Πα τρι ι ι ι και Υι ι ω και αι Α

γι ι ω ω Πνε ε ευ μα α α τι ι ^πϩ

Τ ης Μαγ δα λη νη η η ης Μα α ρι ι ι α ας ^πϩ

την ^ρ του Σω τη η η η ρο ος ευ αγ γε λι ι ι ι

ζο ο με ε ε νης ^κϩ ε εκ νε ε κρω ν α α να

α α στα α α α σι ι ι ιν και αι ε εμ φα α νει ει

ει α αν δι α α πι στου ου ου ουν τες οι οι οι

Μα α α α α θη η η οι μα θη η ται αι και αι αι

αι ω νει δι ι ζο ο ον το το της κα α αρ

δι ι ι ι α ας σκλη η η ρο ο ον αλ λα α α

α τοις ση μει ει ει ει οις καθ ο πλι σθεν τες και θαυ μα α

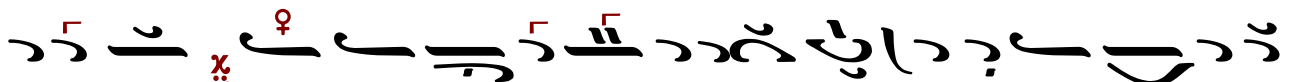
σι προς το κη η ρυ υ υ υ γμα α α α α πε στε

ε ελ λο ο ον το ο και συ μεν Κυ ρι ι ε προς


τον αρ χι φω ω τον α νε λη η η φθη ης Πα τε ε

ε ε ρα οι δε ε κη η η η η η η ρυ υ υ

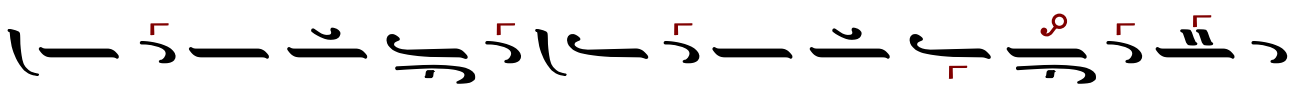
υ ε κη η ρυ υτ το ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο



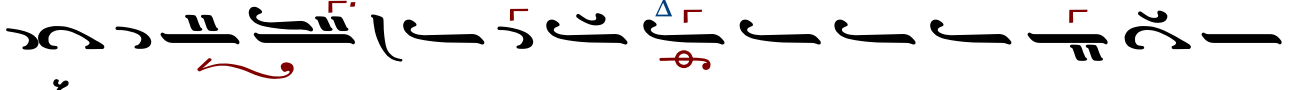
 ο ο ον παν τα χου ου ου τον λο γον τοις θα αυμα




 σι πι ι στου ου ου με ε ε νοι οι δι ο οι οι φω τι




 σθε ε εν τες δι ι α α αυ των δο ξα α α α



 ζο ο με ε ε εν σου την εκ νε κρω ων α να



 α α α στα α α σιν φι λα α α αν θρω πε ε Κυ



 υ υ υ υ υ ρι ι ε

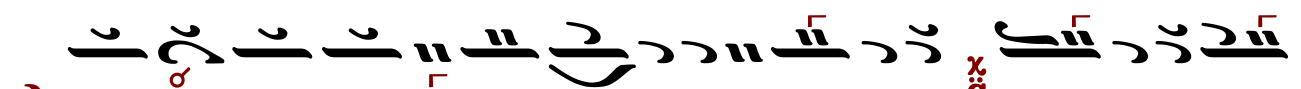
Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιορείτης

Λουκάς Λουκά

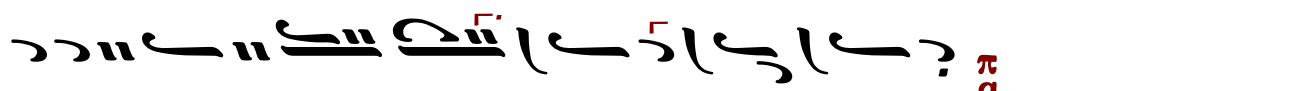
Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος ἤ Γα

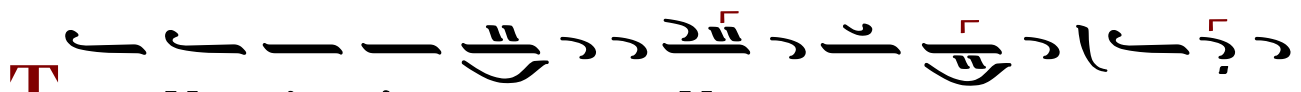
Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
 Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.359*



Δ ο ξα Πα τρι ι ι και αι Υι υι ω ω ω και αι Α γι



 ι ω ω Πνε ε ευ μα α α α τι ι



Τ ης Μαγ δα λη νη η ης Μα α ρι ι ι ι ι

ι ι α α ας π ρ την του Σω τη η η η ρο ος εϋ

αγ γε λι ζο ο με ε ε νη ης ε εκ νε κρω ων

α α να α α α α α α στα α α α α ια α α α σι

ι ι ιν και αι ε εμ φα α α α νει ει ει ει

α αν δι α πι στου ου ουν τες οι οι μα α α α α

α α α θη η η οι μα α θη η η ται αι και αι αι αι

αι ω νει δι ι ζο ο ον το το της καρ δι

ι ι ι α ας σκλη η ρο ο ιο ο ο ον αλ λα α α

τοις ση μει ει ει ει ει ει ει ει ει οι οι οι οι οι οι ος

καθ ο πλι σθε ε ε εν τε ες και αι θα α α α αυ μα

α α α σι ι προς το κη η η ρυ υ υ υ

γμα α α α α πε ε στε ε ε ε ελ λο ο ο ον το ^πϩ

και συ υ υ υ υ με εν ^χϩ Κυ υ ρι ι ε ε

ε ε ε ε λε ε ε ε ε ε ^οχϩ προς τον αρ χι ι

ι ι ι ι ι φω τον αρ χι ι ^φω τον ^ηη α νε λη

η η φθη ης Πα α α τε ε ε ε ε ρα ^χϩ οι δε ε κη

η η η η η η η ρυ υ υ υ ε κη η ρυ υτ

το ο ο ο ο ο λο ο ο ο ο ο ον ^οχϩ παν τα

χου ου ου ου τον λο ο ο γον ^οχϩ τοι οισ θα αυ

μα α σι ι πι ι στου ου ου ου με ε ε ε

νοι οι ^πϩ δι ο οι φω τι σθε ε λε ε ε εν τε ε ε

ες δι α α α α α αυ τω ω ω ω ω ω ω

ων ^χδο ο ξα α ζο ο με ε εν σου ου ^χτην ε εκ

νε κρων α να α α α στα α α α α ια α α α

σιν ^χφι λα α αν θρω πε Κυ υ ρι ε ε ε

ε ^η

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος Γα

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.152*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι Υι υι υι

ω ω ω ω και Α γι ω ω Πνε ε ε ευ μα α α

α πι ι ^π

Τ ης Μαγ δα λη νη η η η η η η η ης Μα α α

α α ρι ι ι ι ι ι ι ι ι ι α α ια α α

ας ^z την του Σω τη η η η η η η η η την του Σω τη η

η ρο ο ο ιο ο ο ος ^γ ευ α αγ γε λι ι ι

ι ζο ο ο με ε νοι οις ^χ εκ νε κρων Α α να στα α

σι ι ιν και ε εμ φα α α α νει ει ει α αν ^π δι α

πι στου ου ου ουν τες οι μα α α α α α θη η η οι

μα α θη η ται αι ω νει δι ι ζο ον το το της κα α αρ

δι ι ι ι ι ι ας σκλη η ρο ο ιο ο ο ον ^π αλ λα

α α α τοις ση μει ει οι οι οις κα θο πλι σθεν τες και θα

α α αυ μα α σι ^ο προς το κη η η η η η η η η

ιη η η ρυ γμα α α α α α α α πε στε ε ε ε ε ε

ε ε ε ελ λο ο α πε στελ λο ον το ιο ο ο ο ^z

και συ υ υ υ υ υ με ε ε εν Κυ υ υ υ υ υ

υ υ υ υ υ υ υ ρι ι ι συ μεν Κυ υ ρι ι ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε προς τον α αρ χι ι

ι ι ι ι ι φω τον αρ χι ι φω ω τον α νε λη

η η η η η η η η φθη η ης Πα α τε ε

ε ε ε ε Πα α τε ε ε ε ε ε ε ε ε ε Πα

τε ε ε ρα α ια α α α α α α α οι δε ε ε ε

ε ε κη η η η η η η η η η η η η η η ρυ υ

υ υ ε κη η ρυ υτ το ο ο ο ο ο ο ο ο ο

ο ο ον παν τα χου ου ου ου το ο ον Λο ο γο ον

τοις θαυ μασι πι ι στου ου ου ου με ε ε ε νοι

οι δι ο οι οι φω τι σθε ε ε εν τες δι ι ι ι ι ι

α α α α δι ι α αυ τω ω ω ων δο ξα ζο ο ο με

ε ε ε εν σου ου την ε εκ νε ε κρων α να α

α α στα α α α σι ι ιν φι λα α αν θρω πε Κυ υ

υ υ υ ρι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος Γα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδέκα Ἑωθινά 1886 σ.10*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι Υι υι υι ω

και α α γι ω ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ι

Τ ης Μαγ δα α λη νη η ης Μα ρι ι ι α ας την του

Σω ω τη η η ρο ος ευ αγ γε λι ι ι ι ζο ο

— α α ρ χ ι φ ω ω τ ο ν α ν ε λ η η η φ θ η η ς Πα α α τε

ε ε ε ε ρ α ^χοι δε ε ε κ η η η η η ρ υ τ τ ο ο ο ο ν

πα α αν τα χου το ο ο ν λο ο ο ο ο ο ο ο ο γ ο ν ^χ

τοις θα αυ μα σι πι ι σ του ου ου ου με ε ε ε

νοι οι ^πδι ο ο οι οι φ ω τι ι σ θ εν τε ε ς δι α αυ

τω ω ω ν δ ο ο ξ α ζ ο ο ο με ε εν σου ου ^χτην εκ νε

ε κ ρ ω ω ν Α α να α α α στα α σι ι ι ι ι ι ι

ι ι ι ι ι ι ν ^χφι ι λα α α αν θ ρ ω πε ε Κυ υ υ υ

υ ρι ι ε ^η

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης Λουκάς Λουκά

Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα (†1958)

Ἦχος Γὰ ^ϕχ

Εμμανουήλ Φαρλέκα
Βυζαντινά Μελωδήματα
2011 σ.223*

ΓΑ
Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι και Υι ω ω και α α γι ι

ΠΑ
ω ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ι π q

ΠΑ
Τ ης Μαγ δα α λη νη η η ης Μα α ρι ι ι ι α

ΓΑ
ας π q την του Σω ω τη η η ρο ος x q ευ αγ γε

λι ι ι ι ζο ο με ε ε ε νης x q εκ νε κρω ω ω

ων Α α να α α α στα α α α σι ι ι ν και ε ε ε μ

φα α α α νει ει ει ει α αν π q δι α α πι ΓΑ

στου ου ου ουν τες x q οι μα θη η ται αι και αι αι αι αι

αι x q ω νει δι ι ι ι ι ι ζο ο ω νει ει ΚΕ

δι ι ζο ο ον το ΠΑ το της κα α αρ δι ι ι ας ΝΗ

σκλη η ρο ο ον γ αλ λα α α α τοι οισ ση μει ΓΑ

ει ει ει οισ καθ ο πλι σθε ε ε ε ε εν τες και ΚΕ

θα α α αυ μα α σι προς το κη η η η η

ρυ υ προς το κη η ρυ υ υ γμα α α α πε ε ε

στε ε ε ελ λο ο ο ον το ο και συ υ με εν

Κυ υ ρι ι ε προς τον αρ χι ι φω ω τον αρ

χι ι φω ω τον α νε λη η η η η φθη ης Πα α

τε ε ε ε ε ε ε ε ρα οι δε ε κη

η η η η η η η ρυ υ υ ε κη η η ρυ

υ υτ το ο ο ο ο ο ο λο ο ο ο ο ο ον παν τα

χου ου ου ου τον λο ο γο ον τοις θα αυμα α σι πι ι

ι στου ου ου ου με ε ε ε νοι οι δι ο

οι φω τι σθεν τε ες δι ι α αυ τω ω ων δο ξα ζο

ο με ε εν σου ου ου την εκ νε κρω ων α α να α α α

α α α στα α α α λα α α α σιν φι λα α

αν θρω ω πε Κυ υ υ υ υ υ ρι ι ι ε ε

ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος ἠ Γα

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου 2017*

Δ ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι

Υι υι υι ω και αι α α γι ω ω Πνε ε ε ε ε

ευ μα α α α α τι ι

Τ ης Μαγ δα λη νη η η η ης Μα α ρι ι ι ι ι

ας την του Σω ω τη η η ρο ος ευ αγ γε λι ι

ι ι ζο με ε νη ης εκ νε κρων Α να

α α α α στα α α α σι ι ι ι ι ιν και ε εμ φα

α α α α νει ει ει ει ει α αν ^π ₉ δι α πι

στου ου ου ουν ^χ ₉ τες οι οι οι Μα α α α α α α

θη η η οι Μα θη η ται αι ιαι αι αι αι αι ω

νει ει ει δι ι ζο ον το το τη ης κα α αρ δι ι

ι ι ι α ας σκλη η η ρο ο ον αλ λα α

α α α τοι οισ ση μει ει ει ει ει οισ κα θο πλι σθε

εν τε ες και θα αυ μα α σι ^χ ₉ προς το κη η η η η

ρυ υ υ υ γμα α α α α α πε ε στε ε ε ε ε

ελ λο ο ο ο ον το ο ^π ₉ και συ μεν

Κυ υ ρι ι ε προς τον αρ χι ι φω ω τον ^φ ₉ α νε

λη η η η φθης Πα τε ε ε ε ρα ^χ_q οι δε ε κη η

ρυ υτ τον ^χ_q παν τα χου ου ου ου τον λο ο γο ον ^ο_χ^q

τοις θα αυ μα α σι πι ι στου ου ου ου ου ου

με ε ε ε ε νοι οι ^π_q δι ο οι φω τι σθε εν τε ες

δι α αυ τω ων ^χ_q δο ξα α α α ζο ο με ε ε εν

σου ^χ_q την ε εκ νε ε κρων Α α να α α α α στα α

α α σι ι ιν ^χ_q φι λα α α αν θρω πε ε Κυ υ υ

υ υ ρι ι ε ^η

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος ἠ Γα ^χ

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.144*

^{ΓΑ}
Δ ο ο ο ο ξα α Πα τρι ι ι και αι Υι υι υι

ω ω ω και αι Α α γι ι ω ω Πνε ε ευ μα

α α α α α τι

της Μαγ δα α λη νη η η η ης Μα α ρι ι ι

ι ι α ας την του Σω ω τη η η ρο ος ευ αγ

γε λι ι ι ζο ο με νη ης εκ νε κρων

Α να α α α α α στα α α α σι ι ι ι ι ν

και ε εμ φα α α νει ει ει ει ει α αν δι

α πι στου ου ου ου ουν τες οι οι οι μα α α α

α α θη η η οι Μα θη η ται αι αι και αι αι αι

αι ω νει δι ι ζο ο ον το το της καρ δι ι ι

ας σκλη η ρο ο ο ο ο ο ο ο ο ον αλ λα α α α

MEΛ KE
τοι οϊς ση μεις ει ει ει οϊς καθ ο πλι

KE
σθε εν τε ες και θα αυ μα α σι προς το κη η

MEΛ ΓΑ ΠΑ
η η η ρυ υ υ υ γμα α α α α α πε ε στε

MEΛ MEΛ KE
ε ελ λο ο ο ον το ο και συ υ μεν Κυ υ

MEΛ KE KE
ρι ι ε προς τον αρ χι ι φω ω τον α νε λη η

η η η φθη ης Πα α τε ε ε ε ε ε ε ε

KE ΔΙ KE
ρα οι δε ε κη η η η η η η ρυ υ υ ε

κη η ρυ υτ το ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο

ΔΙ MEΛ KE
ο ο ο ον παν τα χου ου ου ου ου το ον λο γο

MEΛ ΓΑ ΠΑ
ον τοϊς θα α αυ μα α α σι πι ι στου ου ου ου

ΓΑ
με ε ε ε ε νοι οι δι ο ο οι οι φω ω τι

σθε ε εν τες δι ι α α αυ τω ω ων ^{MEΛ} ^{ΓΑ} δο ξα α
 α α ζο ο με ε ε ε εν σου ^{MEΛ} ^Χ ^{ΓΑ} τη ην εκ νε κρων Α
 να α α α α α α στα α σιν ^{ΓΑ} ^Χ φι λα α α αν θρω
 πε ε Κυ υ υ υ υ ρι ι ε ^{ΓΑ}

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ἠ Γα ρ

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.482/1352#

Δ ο ξα α Πα τρι ι ι ι και Υι υι ω ^Χ και
 αι α γι ι ω ω Πνε ε ευ μα α α τι ι ^Π
 Τ ης Μα γδα λη νη η η ης Μα α ρι ι ι α ας ^Π
 την του Σω ω τη η η ρο ος ευ αγ γε λι ζο με ε
 ε ε ε νη ης ^Χ εκ νε εκρων α α να α στα α α α

σι ι ι ιν και αι εμ φα α α νει ει ει ει αν ^π9

δι α πι στου ου ουουν τες οι οι οι μα α α α α θη

η η οι μα θη η ται αι και αι αι αι ω νει δι ι

ζο ο ον το το της κα αρ δι ι ι ι α ας

σκλη η η ρο ο ον αλ λα α α α τοι οισ ση μει

ει ει ει οισ κα θο πλι σθεν τες και θα αυ μα α σι ^χ9 προς

το κη η ρυ υ υ υ γμα α α α α πε στε ε ελ λο ο

ο ον το ο ^π9 και συ μεν Κυ ρι ι ε προς τον αρ χι

φω ω τον ^χ9 α νε λη η η φθη ης Πα τε ε ε ε

ρα ^χ9 οι δε ε κη η η η η η η ρυ υ υ υ

ε κη η ρυ υτ το ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο

ον παν τα χου ου ου τον λο γον τοις θα αυμα σι πι
 ι στου ου ου με ε ε ε νοι οι δι ο οι οι φω τι
 σθε ε εν τες δι ι α α αυ των δο ξα α α
 α ζο ο με ε ε εν σου την εκ νε κρω ων α
 να α α α στα α α α σιν φι λα α α αν θρω πε ε
 Κυ υ υ υ υ υ ρι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιος

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος ἠ Γα λ

Ελευθερίου Γεωργιάδη
 Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
 Ὀρθρος 1987 σ.564*

Δ ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και αι Υι
 υι ω και α α γι ω ω Πνε ε ε ευ μα α α α
 τι ι

ΜΕΛ ΓΑ ΠΑ
T ης Μαγ δα α λη νη η η ης Μα α ρι ι ι
ΓΑ π q ♀ ΔΙ
α ας την του Σω ω τη η η ρο ος ευ αγ γε
ΓΑ x q ΜΕΛ ΓΑ
λι ι ι ι ζο με ε νη ης εκ νε ε κρων α να
ΠΑ
α α στα α α α σι ι ι ι ν και ε εμ φα α α α
ΜΕΛ ΓΑ π q ♂
νει ει ει ει α αν δι α α πι στου ου ου ουν τες
οι οι οι Μα α α α α θη η η οι Μα θη η
NH ΓΑ ΚΕ
ται αι ιαι αι αι αι αι ω νει ει ει δι ι ζο
ΠΑ δ x
ο ον το το τη η ης καρ δι ι ι ι ι ας σκλη
NH ΓΑ π q ♂
ρο ο ο ο ο ο ο ο ον αλ λα α α α τοι οισ ση
♀ x q
μει ει ει ει οισ καθο πλι σθεν τες και θαυ μα α σι προς
ΠΑ
το κη η η η η η ρυ υ υ υ γμα α α α α πε ε

στε ε ε ελ λο ο ο ον το ο και συ υ υ μεν

Κυ υ υ υ υ υ υ υ υ ρι ι ι και συ μεν Κυ

υ υ ρι ι ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε προς

MEΛ ΓΑ ΚΕ τον αρ χι ι ι ι φω τον αρ χι ι φω τον α νε

λη η η η η η φθης Πα α α τε ε ε ε ε ε ε ε ε

ρα οι δε ε κη η η η η η η ρυ υ υ υ

ε κη ρυ υτ το ο ο ο ο ο λο ο ο ο ο ο ον παν

τα χου ου ου ου τον λο γον τοις θα αυμα σι πι ι στου

ου ου ου με ε ε νοι οι δι ο οι φω τι σθε εν τε ες

δι α αυ των δο ξα α α α ζο ο με ε εν σου

MEΛ ΓΑ την εκ νε ε κρων α να α α στα α α α σι ι

ιν φιλανθρωπεε Κυυυριι
 ι ε

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος ἤ Γα^φ

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εἰθινὰ Δοξαστικά 2020*

Δοξαα Πατριιι και αι αι Υι υι υι
 ω και αι αα γι ι ω ω Πνεε ευ μαα τι ι

ι π

Της Μαγδαληνη η η ης Μααριιι α
 ας την του Σωωτη η η ρο ος ευ αγ γε λι ι
 ι ι ζοο μεεε νης εκ νε κρων α να α στα α
 σι ι ι ιν και αι εμ φααα νει αν δι α πι στου

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλᾶριον δ΄

ἦχος β΄

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ΄)

Ἦψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον δ΄

Ταῖς ἀρεταῖς ἀστράψαντες, ἴδωμεν ἐπιστάντες, ἐν ζωηφόρῳ μνήματι, ἄνδρας ἐν ἀστραπτουσαῖς, ἐσθήσεσι μυροφόροις, κλινούσαις εἰς γῆν ὄψιν, τοῦ οὐρανοῦ δεσπόζοντος, ἔγερσιν διδαχθῶμεν, καὶ πρὸς ζωὴν, ἐν μνημείῳ δράμωμεν σὺν τῷ Πέτρῳ, καὶ τὸ πραχθὲν θαυμάσαντες, μείνωμεν Χριστὸν βλέψαι.

Θεοτοκίον

Τὸ χαίρετε φθεγζάμενος, διημείψω τὴν λύπην, τῶν προπατόρων, Κύριε, τὴν χαρὰν ἀντεισάγων, ἐγέρσειός σου ἐν κόσμῳ, ταύτης οὖν ζωοδότα, διὰ τῆς κησάσης σε, φῶς φωτίζον καρδίας, φῶς οἰκτιρμῶν, τῶν σῶν ἑξαπόστειλον τοῦ βοᾶν σοι· Φιλάνθρωπε, Θεάνθρωπε, δόξα τῇ σῇ ἐγέρσει.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου







Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος  Δε΄

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.243*


Τ αῖς α ρε ται αῖς α στρα α ψαν τες ι δω μεν ε ε πι

 στα αν τας εν ζω η φο ο ρω μνη η μα τι αν δρας

 εν α α στρα πτου ου σαις αι σθη σε σι μυ υ ρο φο

 ο ροις κλι νου σαις εις γην ο ο ο ο ο ο ψιν του

 ου ρα νου ου δε σπο ο ζον τος ε γερ σιν δι ι δα χθω

 ω μεν και προς ζω η η η η εν μνη μει ω δρα μω μεν

συ υν τω Πε ε τρω και το πρα χθε εν θαυ μα α σαν

τες μει νω μεν Χρι στον βλε ε ε ε ε ε ψαι

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Αναστασιματάριον
Πέτρου Εφεσίου
1820 σ.243*

Τ ο χαι ρε τε ε φθεγ ξα α με νος δι η μει ψω ω την

λυ υ πην των Προ πα το ο ρων Κυ υ ρι ε την χα ραν

α αν τει σα α γων ε γερ σε ως σου ου εν κο ο σμω ται

της ουν ζω ο ο δο ο τα δι α της κυ υ η σα α

σης σε φως φω τι ζο ον καρ δι α ας φως οι κτιρ μω ω ω

ων των σων εξ α πο στει λον του ου βο α αν σοι φιλ αν

θρω πε ε θε α αν θρω πε δο ξα τη ση ε γερ σει ει ει ει

ει

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ΒΨ

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.471/1341#

Τ α ι ς α ρ ε τ α ι α ι ς α σ τ ρ α α ψ α ν τ ε ς ι δ ω μ ε ν ε π ι
 σ τ α α ν τ ε ς ε ν ζ ω η φ ο ο ρ ω μ ν η η μ α τ ι α ν δ ρ α ς ε ν
 α σ τ ρ α π τ ο υ σ α ι α ι ς ε σ θ η η σ ε σ ι Μ υ ρ ο φ ο ο ρ ο ι ς
 κ λ ι ν ο υ σ α ι ς ε ι ς γ η η ν ο ο ψ ι ν τ ο υ ο υ ρ α ν ο υ ο υ δ ε σ π ο
 ο ζ ο ν τ ο ς ε γ ε ρ σ ι ν δι ι δ α χ θ ω ω μ ε ν και π ρ ο ς ζ ω
 η η η η η ν ε ν μ ν η μ ε ι ω δ ρ α μ ω μ ε ν σ υ υ ν τ ω Π ε ε τ ρ ω
 και τ ο π ρ α χ θ ε ε ν θ α υ μ α α σ α ν τ ε ς μ ε ι ν ω μ ε ν Χ ρ ι ι σ τ ο ο ν
 β λ ε ε ε ε ψ α ι α ι

Θεοτοκίον

Tο χαι ρε τε ε φθεγ ξα α με νος δι η μει ψω την
 λυ υ υ πην των προ πα το ο ρων Κυ υ ρι ε την χα
 ραν α αν τει σα α γων ε γερ σε ως σου ου εν κο ο
 σμω ταυ της ουν ζω ω ο δο ο ο τα δι α της κυ η
 σα α σης σε φως φω τι ζο ον καρ δι ι ας φως οι κτιρ
 μων των σω ω ω ων εξ α α πο στει λον του ου βο α αν
 σοι φι λαν θρω πε ε Θε α αν θρω πε δο ξα τη ση η ε
 γε ερ σει ει

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου
 Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
 Θεσσαλονίκη 1955 σ.8#

Tαις α ρε ε ται αις α στρα α ψαν τες ι δω

με εν ε ε πιστα αν τας εν ζω η η φο ο ο ρω

μνη η μα τι αν δρας ε εν α α στρα πτου ου σαις

ε σθη σε σι Μυ ρο φο ο ροις κλι νου σαις εις γην ο ο ο

ο ο ο ψιν του ου ρα α νου ου δε σπο ο ζον τος

ε γερ σιν δι ι δα χθω ω μεν και προς ζω ω η η η

η ην εν μνη μει ω δρα μω με εν συ υν τω Πε ε

τρω και το πρα α χθε ε εν θα αυ μα α σαν τες μει

νω μεν Χρι στον βλε ε ε ε ε ε ψαι αι

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθροῦ σ.231#

MEΛ ΒΞ
Τ αις α ρε ται αις α στρα α ψαν τες ι δω μεν ε ε

ΓΑ ΔΙ ΜΕΛ
 πι στα αν τας εν ζω η η φο ο ο ρω μνη η μα
 ΒΞ
 τι αν δρας εν α α στραπτου ου σαις ε σθη σε σι μν
 ΜΕΛ ΒΞ ΓΑ ΔΙ
 υ ρο φο ο ροις κλι νου σαις εις γην ο ο ο ο ψιν του ου
 ΜΕΛ ΒΞ
 ρα α νου ου ου δε σπο ο ζον τος ε γερ σιν δι ι δα
 ΜΕΛ ΒΞ
 χθω ω μεν και προς ζω η η η η ην εν μνη μει
 ΓΑ ΔΙ
 ω δρα μω μεν συ υν τω Πε ε τρω και το πρα α
 ΜΕΛ ΒΞ
 χθε ε εν θαυ μα α σαν τες μει νω μεν Χρι στον βλε ε ε
 ΜΕΛ
 ε ψαι αι

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.232#

ΔΙ ΒΞ ΜΕΛ ΒΞ
Το χαι ρε τε ε φθεγ ξα α με νος δι η η μει ψω
 ΓΑ ΔΙ
 ω την λυ υ πην των προ πα α το ο ο ρων Κυ

ΜΕΛ ΒΞ ΝΗ
 υ ρι ε την χα α ραν α αντεισα α γων ε γερ σε ως
ΜΕΛ ΒΞ
 σου ου εν κο ο σμω ται της ουν ζω ω ο δο ο τα
ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ
 δι α της κυ υ η σα α σης σε φως φω τι ζο ον
ΜΕΛ
 καρ δι ι ι ας φως οι κτι ιρ μω ω ω ω ω ν των
ΒΞ ΔΙ
 σων εξ α πο στει λον του ου βο α αν σοι φι λαν θρω
ΜΕΛ ΒΞ
 πε ε θε α αν θρω πε δο ξα τη η ση η ε γε
ΜΕΛ
 ερ σει ει

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν δ΄

ἦχος δ΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἀγίῳ Πνεύματι.

Ὁρθρὸς ἦν βαθύς,
 καὶ αἱ γυναῖκες ἦλθον ἐπὶ τὸ μνημῆμά σου Χριστέ,
 ἀλλὰ τὸ σῶμα οὐχ εὑρέθη,
 τὸ ποθοῦμενον αὐταῖς·
 διὸ ἀπορουμέναις,
 οἱ ταῖς ἀστραπτούσαις ἐσθήσεσιν ἐπιστάντες.
 Τί τὸν ζῶντα μετὰ τῶν νεκρῶν ζητεῖτε; ἔλεγον.
 Ἠγέρθη ὡς προεῖπε,
 τί ἀμνημονεῖτε τῶν ῥημάτων αὐτοῦ;
 Οἷς πεισθεῖσαι, τὰ ὄραθέντα ἐκήρυττον,

Πέτρου Ἐφεσίου
 Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
 Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
 Ἐμμανουήλ Φαρλέκα
 Κωνσταντίνου Πρίγγου
 Ἀθανασίου Καραμάνη

ἀλλ' ἔδόκει λῆρος τὰ εὐαγγέλια,
οὕτως ἦσαν ἔτι νωθεῖς οἱ μαθηταί·
ἀλλ' ὁ Πέτρος ἔδραμε,
καὶ ἰδὼν ἔδόξασέ σου,
πρὸς ἑαυτὸν τὰ θαυμάσια.

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος ᾠ Πα

Πέτρου Εφεσίου
Αναστασιματάριον 1820 σ.244*

Δ ο ξ α α Πα τρι ι ι και αι Υι υι υι ω και α

γι ω ω Πνε ευ μα α α τι

Ο ρ θρο ος ην βα α θυς και αι γυ ναι κε ες η η η λ

θον ε πι ι το μνη η η μα σου ου Χρι ι ι στε

αλ λα το σω ω μα ου ου ουχ ευ ρε ε θη το

ο πο θου με νο ο ον α α α αυ ταις δι ο α πο

ρου ου με ε ε ε ε ναις οι ταις α στρα πτου ου

σαις ε σθη η η η σε ε σιν ε πι στα α α αν τεσ

τι τον ζων τα α με τα των νε κρω ων ζη τει ει τε ε ε

ε ε λε ε ε ε γον η γερθη ως προ ο ο ει ει ει

πε τι α μνη μο νει ει τε των ρη μα α α τω

ων α α αυ του οισ πει σθει εισαι τα ο ρα θε ε ε

εν τα α ε κη η η η ρυ υ υ υτ τον αλλ ε δο κει

ει λη ρος τα α ε ε ευ αγ γε ε ε ε λι ι ι ι

α ου τως η η η σαν ε ε τι νω θει εις οι Μα α

α α θη η η η ται αλλ ο Πε τρο ος ε δρα α

με ε ε ε και ι ι δων ε δο ο ξα α σε ε ε σου

ου προς ε αυ το ο ο ον τα θαυ μα σι α α

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Δ ο ξ α α Πα τρι ι ι ι και αι Υι υι υι ω και α

γι ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι

Ο ρ θ ρ ο ς η η ν βα θυ υ ς και αι γυ ναι κε ε ε ς

η η η η λ θ ο ν ε πι ι το μνη η η μα σου ου Χρι

ι ι στε α λ λα το σω ω ω ω μα ου ου ου χ ε ευ

ρε ε ε θη το ο πο θου ου με νο ο ν α α αυ

ται ς δι ο α πο ρου ου με ε ε ναι ς οι ται ς α στρα

πτου ου ου ου ς αι ς ε σθη η η η σε ε σιν ε πι στα α α αν

τες τι το ο ν ζω ω ω ν τα με τα των νε ε κρων ζη

τει ει ει τε ε ε λε γον η γε ε ε ε ερ θη ως

προ ο ο ει ει ει ει πε τι α μνη μο νει ει τε τωων ρη

η μα α α τω ων α α αυ του οισ πει σθει ει ει σαι τα

ο ρα θε ε ε ε εν τα α ε κη η η ρυ υ υ υτ

τον ^{π ρ} αλλ ε δο ο ο κει ει λη η η ρος τα ευ

αγ γε ε ε ε ε ε ε λι ι ι ι ι α ^{π ρ} ου τως η

σαν ε ε ε ε ε τι νω ω θει εις οι μα α θη η

η η ται ^{π ρ} αλλ ο Πε τρο ος ε ε δρα α με ε ε ε

και ι ι δων ε δο ο ο ο ο ξα α σε ε ε σου ^Α

προς ε αυ το ο ο ον τα θα αυ μα σι ι α α ^{β γ}

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιοςρέτιος Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος δὲ Πα

Ἀναστασιματῆριον Ἰωάννου Πρωτοψάλτου 1905 σ.198*

Δ ο ο ξα α Πα τρι ι ι ι και αι Υι ι ι ω ^{π ρ}

και α γι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ^{π ρ}

Ο ρ θρο ος η η η η ην βα α α α θυς ^{δ λ} και αι γυ

ναι κε ες η η ηλ θον ^{ε λ} ε πι το μνη η η μα α α

α α σου ου Χρι ι ι στε ^{π ρ} αλ λα το σω ω μα ου

ου ουχ ευ ρε ε ε θη το ο πο θου με νο ο ον

α α α αυ ταις δι ο α πο ο ο ρου ου με ε ε

ναις ^{π ρ} οι ταις α στρα α πτου ου ου ου σαι αις ^{δ λ} ε σθη η

η η η η η η η σε ε ε ε ε σι ιν ε ε ε ε

πι ι ι ι στα α α α α α αν τες τι ι ι τον

ζω ω ων τα με τα α α α των νε ε κρω ω ων ζη

η τει ει ει ει τε ε ε ε ε ε λε ε ε ε

γον η γε ερ θη ω ω ως προ ο ει ει ει πε

τι α μνη μο νει ει τε των ρη μα α α τω ων α

α αυ του οισ πει ει σθει ει ει σαι τα ο ρα θε ε ε

ε ε εν τα α α ε κη η η η ρυ υ υ υτ τον αλλ

ε δο κει ει λη η η ρο ος τα ε ε ευ αγ γε ε

ε ε λι ι ι ι α ου τως η η η η η η η σαν

ε ε τι νω ω θει εις οι Μα α α α θη η η η η ται

αλλ ο Πε τρο ο ος ε ε ε ε δρα ο Πε τρος ε δρα

α με ε ε ε και ι ι δων ε δο ο ο ο ο ξα α

σε ε ε σου προς ε αυ το ο ο ον τα θα αυ μα

νο ο ο ο ο ο ο ο ον α α α α α ια α αυ ται

αις ^{π ρ} δι ο ο α πο ρου με ε ε ε ε ε ναι

αις ^{Δ ρ} οι ταις α στρα πτου ου ου ου σαις ^{Δ ρ} αι σθη η η η σε ε σιν

ε πι στα α α αν τες ^{π ρ} τι ι του ον ζω ω ων

τα ^{Δ ρ} με τα τω ων νε ε κρων ζη τει ει ει ει ει

ει ει ει ει τε ε ε ε ε ε ε ^{Δ ρ} ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε ε ε λε ε γο ο ον ^{π ρ} η γε ε ερ θη ^{Δ ρ} ω

ω ω ω ω ω ω ω ως προ ο ο ο ο ο ο ο ο ο ει

ει ει ει ει ει ει λει ει ει ει ει ει ει ει ^{π ρ} πε τι

ι α α μνη μο ο νει ει ει ει ει ει ει ει τε ε ^{6 λ} τω ων

ρη μα α α τω ων α α αυ του ου ^{π ρ} οι οις πει

σθαι ει ει ει ει ει ει ει σαι ^Δτα ο ρα θε ε ε

εν τα ε ε κη η η η η η η η ρυ υ υ ε κη

η ρυ υ υτ τον ^Δαλλ ε δο ο ο ο κει ει λη η η

ρο ος τα α ε ε ευ αγ γε ε ε ε ε λι ι ι ι

α ^{π ρ}ου ου τως η η ιη η η η σαν ^{χ ρ}ε ε ε ε

λε ε ε τι νω ω ω ω θει ει ει ιει ει ει ει ει

εις ^{χ ρ}οι οι οι Μα α α α α α α θη η η οι Μα α

θη η ται αι και αι ^ηαλλ ο Πε ε τρο ος ε ε ε ε ε

ε ε δρα με ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ^{π ρ}

και ι ι δων ε ε δο ο ο ο ξα σε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε σου ου ου ου ου ου ου ^Δπρος ε αυ το ο ο ον

τα α α α θα α α αυ μα α τα θαυ μα α σι ι ι

α α λ

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος δὲ Πα

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.154*

Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι υι ω και Α α

γι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι

Ο ρ θροος ην βα α θυ υ υς και αι γυ ναι κε ες η

η η η ηλ θον ε πι ι το ο μνη η η η η η η μα

α α α α α σου ου ου ου ου ου Χρι ι ι ι ι ι ι ι

στε αλ λα το σω ω ω ω μα ουχ ε ευ ρε ε ε ε ε ε

ε ε θη το ο πο θου ου με ε νο ον α αυ ται αι αι

και αι αι αι αι αι αι αις π ρ δι ο α πο ο ρου ου με ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ναις οι ταις α στρα α πτου ου ου ου

σαι αις ε σθη η η η η η η η η σε ε ε ε ε ε σι

ιν ε ε ε ε ε πι ι ι ι στα α α α α αν τες

τι ι ι τον ζω ω ων τα με τα τω ων νε ε κρων

ζη τει ει ει ει ει ει ει ει ει ει τε ε ε ε λε ε

ε ε γον η γε ε ερ θη ω ω ω ως προ ο ο

ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει λει ει ει ει πε τι α μνη

μο νει ει τε τωων ρη η μα α α των α αυ του ο ις

πει ει σθει ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει ει σαι τα ο

ρα θε ε ε ε ε ε ε ε ε εν τα α α ε ε

ε ε ε ε κη η η η ιη η η η η ρυ υ ε

κη η η ρυτ το ο ιο ο ο ο ον αλλ ε δο ο ο κει

ει λη η η ρος τα α ε ε ευ αγ γε ε ε ε

λι ι ι ι α ου τωως η η η σαν ε ε ε

ε ε τι νω ω ω ω θει ει ει ιει ει ει ει ει ει

εις οι οι οι οι οι μα α α α α θη η η οι μα

θη η ται αι και αι αι αι αλλ ο Πε τρο ο ος ε ε

ε ε ε ε ε ε δρα α ο Πε ε τρος ε ε ε ε ε

ε δρα με ε ε λε ε ε ε ε ε και ι ι δω

ω ω ων ε ε δο ο ο ο ο ο ο ο ξα σε ε ε ε

ε ε ε σου ου ου ου ου ου προ ο ος ε ε ε α α

αυ το ο ο ο ο ο ο προς ε α αυ το ο ιο ο ο

ον γ δ τα α α α θα α α αυ μα τα θαυ μα σι ι ι α

α λ

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος δὲ Πα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά "Ἐνδεκά" Ἑωθινά 1886 σ.14*

Δ ο ο ο ξα α Πα τρι ι ι ι και Ἰι υι υι ω π ρ

και αι α α γι ω Πνε ε ευ μα α α α τι π ρ

Ο ορ thro ο ος η η η ην βα α θυ υς και αι

γυ ναι κε ες η η η ηλ tho ον ε πι το μνη μα α α

σου ου ου ου ου ου ου Χρι ι ι ι ι ι ι ι ι ι

στε αλ λα το σω ω μα ου ου ου χ ευ ρε ε ε π ρ

θη το ο πο θου ου με ε νο ο ον α α α αυ ταις δι π ρ

ι ο α α πο ο ρου ου με ε ε ε ε ναις ⁶ λ οι ταις α
 στρα πτου ου ου σαι αις αι αι αι σθη η σε ε ε σι ιν
 ε ε ε ε ε ε πι ι στα α α α α αν τε ε ε
 ες ^{π 9} τι ι ι το ον ζω ω ων τα με ε τα α των νε ε κρω ω
 ων ^ζ ζη η τει ει ει ει ει ει ει τε ε ε ε ε λε ε
 ε ε ε ε ε ε γο ο ο ο ον ^{π 9} η η γε ε ερ
 θη η η ως προ ο ει ει ει ει ει πε ⁶ λ τι ι ι ι ι
 ι ι α α μνη η τι α α μνη μο ο νει τε τωων ρη η μα α α
 τω ων α α αυ του ^{π 9} οισ πει ει ει σθει ει ει σαι αι τα
 ο ρα θε ε ε ε ε εν τα α α ε κη η η ρυ
 υ υ υ υ υ υ υ υ υ τον ^{π 9} αλλ ε δο ο ο ο κει ει
 λη η η ρο ος τα ε ε ευ αγ γε ε ε ε λι ι
 ι ι α ^{π 9} ου τως η η σα αν ε ε ε τι νω ω θει εις οι

μα α α α θη η η η ται ^{π 9} αλλ ο Πε τρο ο ος ε ε
 ε ε ε ε ε δρα α α ο Πε ε τρο ος ε δρα α με και
 αι ι δω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ν ^{π 9} ε ε δο
 ξα σε ε ε ε ε ε ε ε σου ου ου ου ου ^{Δ 9} προς ε
 αυ το ο οον τα α θα αυ μα τα θαυ μα σι ι ι α α ^{6 λ}

Γεράσιμος Ποναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958)

Ἦχος ^{Δ 9} Πα ^χ

Εμμανουήλ Φαρλέκα
Βυζαντινά Μελωδήματα
2011 σ.227*

^{ΠΑ} ^{ΜΕΛ} ^{ΠΑ}
 Δ ο ο ο ξα α Πα τρι ι ι ι και αι Υι υι υι ω ^{π 9}
^{ΜΕΛ} ^{ΠΑ}
 και Α γι ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι ^{π 9}
^{Β8} ^{ΝΗ}
 Ο ο ο ο ο ορ θρος ^{Δ 9} η ην βα α θυ υ
^{Β8} ^{ΜΕΛ}
 υς ^{γ 9} και αι γυ ναι αι κε ες η η ηλ θον ^{6 λ} ε πι το μνη
^{ΠΑ} ^{Β8}
 μα α σου ου Χρι ι ι στε ^{π 9} αλ λα το σω ω

μα ουχ ε ευ ρε ε ε θη το πο θου ουου με νο ον α

α αυ ταις δι ο α πο ρου με ε ε ναι αι αι

αις οι ταις α στρα πτου ου ου ου σαις ε σθη η η η η

η η σε ε σιν ε ε ε πι στα α αν τες τι ι ι

το ον ζω ω ω ω ω ω ω ω ν τα α α α με

τα των νε κρω ω ω ω ν ζη η τει ει ει ει ει ει

τε ε ε ε λε ε γον η γε ε ε ερ θη η ως

προ ει ει ει ει ει ει πε τι α μνη μο νει ει ει ει

ει τε ε ε των ρη μα α α τω ω ν α α αυ

του οι οι οισ πει σθει ει ει ει σαι τα ο ρα θε εν

τα ε κη η η η η η η η η ρυ υ υ υ ε

κη η ρυ υ υ τ τον αλλ ε δο ο χει ει λη η ρος

ΠΑ
τα α ε ε ευ αγ γε ε ε ε ε λι ι ι ι α π ρ

ΜΕΛ ΖΩ
ου τως η η σα αν ε ε ε ε τι νω θεις οι οι μαθη η

ΠΑ ΒΞ
ται αι αλλ ο Πε ε τρο ο ος ε ε

ΔΙ
ε δρα α α α ο Πε ε τρο ος ε ε ε ε

ΒΞ ΔΙ
ε ε δρα α α α με ε ε και ι ι ι δω ων ε

ΒΞ
δο ο ο ξα α σε ε ε ε ε ε σου ου ου ου προς

ε αυ το ο ον τα α α θα αυ μα α α α σι ι ι

α α 6 λ

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος δὲ Πα

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

Δ ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι υι υι ω π ρ και

αι α α γι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι ^{π ρ} κττ

Ο ορ θρο ος η η η η ην βα α α α θυ υ

υς ^Δ και αι γυ ναι κε ε ες η η ηλ θον ε πι

το ο μνη η η μα α α σου ου Χρι ι ι στε ^{π ρ} αλ

λα το σω ω μα ου ου ουχ ε ευ ρε ε ε ε θη ^Δ

το ο πο ο ο θου ου ου με ε ε νον α α αυ ταις ^{π ρ} δι ο

α πο ο ο ο ο ρου ου με ε ε ε ναις ^{π ρ} οι ταις α

στρα πτου ου ου ου ου ου σαι αις ^Δ ε σθη η η η η η

η η η σε ε ε ε σιν ε ε πι ι ι στα α α α α

α α α αν τες ^{π ρ} τι ι ι το ον ζω ω ω ν τα ^Δ με

τα α α α α των νε κρων ^Δ ζη η τει ει ει ει ει τε

ε ε ε ε ε λε ε ε ε γον η γε ερ

θη ω ωως προ ο ει ει ει ει πε τι α μνη μο νει ει

τε τωων ρη η μα α α α των α α αυ του οισ

πει ει σθει ει ει ει σαι τα ο ρα θε ε ε ε εν τα ε

κη η η η ρυ υ υ υτ τον αλλ ε δο ο ο χει ει λη

η η η ρο ος τα α ε ε ε ε ε ε ευ αγ γε ε

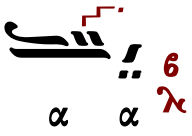
ε ε λι ι ι ι α ου τω ως η η η σαν ε ε ε

τι ι νω ω θεις οι Μα α α α θη η η η ται αλλ

ο Πε ε τρο ο ος ε ε ε δρα με και ι

δων ε δο ο ο ο ο ο ξα α σε ε ε ε σου προς

ε αυ το ο ο ον τα α θα αυ μα α σι ι



Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος ᾠὴ Πα ᾠ

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.146*

ΜΕΛ ΠΑ ΜΕΛ
 Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι υι υι ω και α
 ΝΗ ΠΑ ΜΕΛ
 γι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι
 ΚΕ ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ
 Ο ρ θρο ος η η η η ην βα α α α θυς και αι Γυ
 ΠΑ
 ναι αι κε ες η η ηλ θον ε πι το ο μνη η μα α
 ΜΕΛ ΒΞ
 α σου Χρι ι ι στε αλ λα το σω ω ω ω ω
 ΠΑ
 μα ου ου ουχ ε ευ ρε ε ε θη το ο πο ο ο θου ου με
 ΒΞ
 ε νο ο ο ο ο ο ο ο ον α αυ ταις δι
 ο ο α α πο ρου με ε ε ε ε ε ε ναι αι αι αις

οι ταις α στρα πτου ου ου ου σαι αις ε σθη η η η η

η η η η η σε ε ε ε ε ε σι ιν ε ε πι ι ι ι ι

στα α α α α α αν τες τι ι ι το ον ζω ωων τα

με τα α α α α των νε κρω ω ωων ζη η τει ει

ει ει ει τε ε ε ε ε ε λε ε ε ε γον η

γε ε ε ερ θη ω ωως προ ο ει ει πε ε τι α

μνη μο νει ει τε των ρη η μα α α των α α αυ

του οι οι οισ πει ει σθει ει ει ει σαι τα α ο ρα θε

ε ε εν τα ε ε κη η ρυ υ το ον αλλ ε δο ο ο

χει ει λη η ρο ος τα α ε ε ευ αγ γε ε

ε ε λι ι ι ι α ου τω ως η η η η η η η η

σαν ε ε τι νω ω θει εις οι μα α α α α θη η η

η ται ^{π ρ} αλλ ο ο Πε ε τρο ο ος ε ε ε ε ε δρα

ο Πε τρος ε ε δρα α με ε ε ε ε και ι δω ω

ων ^Δ ε δο ο ο ο ο ξα α σε ε ε ε σου

προς ε α αυ το ο ο ο ον τα α θα αυ μα τα θαυ

μα α σι ι α α

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιος

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ⁴ Πα ^χ

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.483/1353#

Δ ο ξα Πα τρι ι ι ι ι και Υι υι ω και α γι ι

ω Πνε ευ μα α α τι ^{π ρ}

Ο ρ θρο ος η η η η ην βα α α α θυ υ υς ^Δ και

αι γυ ναι κε ες η η η λ θον ^{6 λ} ε πι το μνη η η μα α

α σου ου Χρι ι ι στε ^{π ρ} αλ λα το σω ω μα ου ουουχ

ευ ρε ε ε θη ^Δ το πο θου ου με ε νο ον αυ ται αι

αι αι αι και αι αι αι αι αι αι ^{π ρ} δι ο α πο ρου ου με

ε ε ναις ^ρ οι ταις α στρα πτου ου ου ου σαις ε σθη η

η η η η η η η σε ε σιν ε ε πι στα α α αν τες ^{π ρ}

τι ι ι τον ζω ω ων τα με τα α α των νε ε κρω ω

ω ων ζη η τει ει ει ει ει τε ε ε ε ε ε λε ε

ε ε γον ^{π ρ} η γε ερ θη ω ω ως προ ο ει ει ει

πε ^Δ τι α μνη μο νει ει τε των ρη μα α α τω

ων α α αυ του ^{π ρ} οισ πει ει σθει ει ει σαι τα ο ρα θε ε

ε εν τα α ε κη η η η ρυ υ υ υ τ τον ^{π ρ} αλλ ε δο

κει ει λη η η ρος τα ευ αγ γε ε ε λι ι ι ι
 α ^{π ρ} ου τως η η η σα αν ε ε ε τι νω θεις οι οι μα θη η
 ται ^{π ρ} αλλ ο Πε τρο ο ος ε ε ε ε ε δρα ο Πε τρος
 ε δρα α με ε ε ε και ι ι δων ^Δ ε δο ξα α σε ε ε
 σου ου προς ε αυ το ο ον τα θα αυ μα σι ι α α ^{6 λ}

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος ^Λ Πά ^Χ

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
 Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
 Ὅρθρος 1987 σ.569*

^{ΜΕΛ} Δ ο ο ξα ^{ΠΑ} Πα τρι ι ι ι και Υι υι ω ^{π ρ} και α α
 γι ι ω ^{π ρ} Πνε ε ε ευ μα α α α τι
^{ΔΙ↓} Ο ρ θρο ος η η η η ην βα α α α θυς ^Δ και αι ^{ΒΣ}
 γυ ναι κε ες η η η λ θον ^{ΠΑ} ε πι το μνη η η μα α α

σου ου Χρι ι ι στε ^{Βϙ} ^{π ρ} αλ λα το σω ω μα ου ου

ουχ ε ευ ρε ε ε θη ^{ΠΑ} ^Δ το πο θου ου ου με νον α α αυ

ταις ^{π ρ} δι ο α πο ρου ου με ε ε ναις ^{ΜΕΛ} ^{π ρ} οι ταις α στρα πτου ου

ου σαι αις αι σθη η η η η η σε ε ε ε ε σιν ε ε

πι στα α α αν τες ^{Βϙ} ^{π ρ} τι ι ι το ον ζω ωων τα με τα ^{ΜΕΛ}

των νε ε κρων ζη η τει ει ει τε ε ε ε ε ε ε λε ε ^{ΠΑ}

ε ε γον ^{Βϙ} ^{π ρ} η γε ε ρ θη ω ω ως προ ο ει ει ει

πε ^Δ τι α μνη μο νει ει τε των ρη η μα α α των ^{ΠΑ}

α α αυ του ^{π ρ} οις πει ει σθει ει ει σαι τα ο ρα θε ^{ΜΕΛ} ^Δ

εν τα ε ε κη η η η η η η η ρυ υ υ υ

ε κη η ρυ υ υτ τον ^Δ αλλ ε δο ο ο ο ο κει ει

λη η η ρο ος τα α ε ε ευ αγ γε ε ε ε
 λι ι ι ι α π ου τω ως η η η σαν ε ε τι νω
 θει εις οι οι οι μα θη ται π αλλ ο Πε τρο ο ος
 ε ε ε ε δρα ο Πε τρος ε ε δρα α α με ε ε ε
 ε και ι δων ε δο ξα α σε ε ε ε σου
 προς ε αυ το ο ο ον τα α θα αυ μα α σι ι
 α α

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος Πά

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι υι υι ω και α α
 γι ι ι ω Πνε ε ε ευ μα α α α τι

Ο ρ θρο ος η η η η ην βα α α α θυς και αι γυ
 ναι αι κε ες η η η λ θον ε πι το μνη η η μα
 σου Χρι ι ι στε αλ λα το σω ω μα ου ουουχ ε
 ευ ρε ε ε θη το ο πο ο θου ουου με νον α α αυ
 ταις δι ο α πο ο ο ο ρου ου με ε ε ε ναις οι ταις
 α στρα πτου ου σαις αι σθη σε σιν ε πι ι ι στα α αντες
 τι το ον ζω ωων τα με τα των νε κρω ων ζη η τει ει ει
 τε ε ε ε ε λε ε ε ε γον η γε ερ θη ω ωως
 προ ει ει ει ει πε τι α μνη μο νει ει τε τω ων ρη η
 μα α α των α α αυ του ο ις πει ει σθει ει ει σαι τα
 ο ρα θε ε ε εν τα α α ε κη η η η ρυ υ υ υτ

τον ^{π ρ} ἀλλ ε δο ο ο κει ει λη η η ρος τα α ε ε
 ευ αγ γε ε ε ε λι ι ι ι α ^{π ρ} ου τως η η η σαν ε
 ε τι νω ω θει ει εις οι μα α α α θη η η η ται ^{π ρ} ἀλλ
 ο Πε τρο ο ος ε δρα α με ε ε ε και ι δων ^{Δ ρ} ε
 ε δο ο ξα α σε ε ε σου ου ^{Δ ρ} προς ε αυ το ο ον τα α
 α θα αυ μα σι ι α α ^{6 λ}

^{π ρ} * Ο ρ θρο ος ην βα θυς ^{π ρ} και
 Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης Λουκάς Λουκά

Ἑωθινὸν ε΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν 24:12-35

Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 24:12-35

¹² Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ὁ Πέτρος ἀναστὰς ἔδραμεν ἐπὶ τὸ μνημεῖον καὶ παρακύψας βλέπει τὰ ὀθόνια κείμενα μόνα· καὶ ἀπῆλθε, πρὸς ἑαυτὸν θαυμάζων τὸ γεγονός. ¹³ Καὶ ἰδοὺ, δύο ἐξ αὐτῶν ἦσαν πορευόμενοι ἐν αὐτῇ τῇ ἡμέρᾳ εἰς κώμην ἀπέχουσαν σταδίους ἐξήκοντα ἀπὸ Ἱερουσαλήμ, ἧ ὄνομα Ἐμμαούς. ¹⁴ Καὶ αὐτοὶ ὠμίλουν πρὸς ἀλλήλους περὶ πάντων τῶν συμβεβηκότων τούτων. ¹⁵ Καὶ ἐγένετο ἐν τῷ ὁμιλεῖν αὐτοὺς καὶ συζητεῖν, καὶ αὐτὸς ὁ Ἰησοῦς ἐγγίσας συνεπορεύετο αὐτοῖς· ¹⁶ οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν, ἔκρατοῦντο τοῦ μὴ ἐπιγνῶναι αὐτόν. ¹⁷ Εἶπε δὲ πρὸς αὐτούς· Τίνες οἱ λόγοι οὗτοι, οὓς ἀντιβάλλετε πρὸς ἀλλήλους περιπατοῦντες, καὶ ἔστε σκυθρωποί; ¹⁸ Ἀποκριθεὶς δὲ ὁ εἷς, ᾧ ὄνομα Κλεόπας, εἶπε πρὸς αὐτόν· Σὺ μόνος παροικεῖς ἐν Ἱερουσαλήμ, καὶ οὐκ ἔγνωσ τὰ γενόμενα ἐν αὐτῇ ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις; ¹⁹ Καὶ εἶπεν αὐτοῖς· Ποῖα; Οἱ δὲ

εἶπον αὐτῷ· Τὰ περὶ Ἰησοῦ τοῦ Ναζωραίου, ὃς ἐγένετο ἀνὴρ προφήτης, δυνατὸς ἐν ἔργῳ καὶ λόγῳ ἐναντίον τοῦ Θεοῦ, καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ· ²⁰ ὅπως τε παρέδωκαν αὐτὸν οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ ἄρχοντες ἡμῶν εἰς κριμα θανάτου, καὶ ἐσταύρωσαν αὐτόν. ²¹ Ἡμεῖς δὲ ἠλπίζομεν, ὅτι αὐτὸς ἐστὶν ὁ μέλλων λυτροῦσθαι τὸν Ἰσραὴλ· ἀλλὰ γε σὺν πᾶσι τούτοις, τρίτην ταύτην ἡμέραν ἄγει σήμερον, ἀφ' οὗ ταῦτα ἐγένετο. ²² Ἀλλὰ καὶ γυναῖκες τινες ἐξ ἡμῶν ἐξέστησαν ἡμᾶς, γενόμεναι ὀρθρῆσαι ἐπὶ τὸ μνημεῖον· ²³ καὶ μὴ εὐροῦσαι τὸ σῶμα αὐτοῦ, ἦλθον, λέγουσαι καὶ ὀπτασίαν ἀγγέλων ἑωρακέναι, οἱ λέγουσιν αὐτὸν ζῆν. ²⁴ Καὶ ἀπηλθόν τινες τῶν σὺν ἡμῖν ἐπὶ τὸ μνημεῖον, καὶ εὗρον οὕτω, καθὼς καὶ αἱ γυναῖκες εἶπον· αὐτὸν δὲ οὐκ εἶδον. ²⁵ Καὶ αὐτὸς εἶπε πρὸς αὐτούς· Ὡς ἀνόητοι καὶ βραδεῖς τῇ καρδίᾳ τοῦ πιστεῦν ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἐλάλησαν οἱ προφῆται. ²⁶ Οὐχὶ ταῦτα ἔδει παθεῖν τὸν Χριστὸν, καὶ εἰσελθεῖν εἰς τὴν δόξαν αὐτοῦ; ²⁷ Καὶ ἀρξάμενος ἀπὸ Μωσέως, καὶ ἀπὸ πάντων τῶν προφητῶν, διηρμήνευεν αὐτοῖς ἐν πάσαις ταῖς γραφαῖς τὰ περὶ ἑαυτοῦ. ²⁸ Καὶ ἤγγισαν εἰς τὴν κώμην, οὗ ἐπορεύοντο· καὶ αὐτὸς προσεποιεῖτο πορρωτέρω πορεύεσθαι. ²⁹ Καὶ παρεβιάσαντο αὐτόν, λέγοντες· Μείνον μεθ' ἡμῶν, ὅτι πρὸς ἐσπέραν ἐστὶ, καὶ κέκλικεν ἡ ἡμέρα. Καὶ εἰσῆλθε τοῦ μείναι σὺν αὐτοῖς. ³⁰ Καὶ ἐγένετο ἐν τῷ κατακλιθῆναι αὐτὸν μετ' αὐτῶν, λαβὼν τὸν ἄρτον εὐλόγησε, καὶ κλάσας ἐπέδίδου αὐτοῖς. ³¹ Αὐτῶν δὲ διηνοίχθησαν οἱ ὀφθαλμοί, καὶ ἐπέγνωσαν αὐτόν· καὶ αὐτὸς ἀφαντος ἐγένετο ἀπ' αὐτῶν. ³² Καὶ εἶπον πρὸς ἀλλήλους· Οὐχὶ ἡ καρδία ἡμῶν καιομένη ἦν ἐν ἡμῖν, ὡς ἐλάλει ἡμῖν ἐν τῇ ὁδῷ, καὶ ὡς διήνοιγεν ἡμῖν τὰς Γραφάς; ³³ Καὶ ἀναστάντες αὐτῇ τῇ ὥρᾳ, ὑπέστρεψαν εἰς Ἱερουσαλὴμ, καὶ εὗρον συνηθροισμένους τοὺς ἑνδεκα καὶ τοὺς σὺν αὐτοῖς, ³⁴ λέγοντας· Ὅτι ἠγέρθη ὁ Κύριος ὄντως, καὶ ὤφθη Σίμωνι. ³⁵ Καὶ αὐτοὶ ἐξηγοῦντο τὰ ἐν τῇ ὁδῷ· καὶ ὡς ἐγνώσθη αὐτοῖς ἐν τῇ κλάσει τοῦ ἄρτου.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ε'

ἦχος β'

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Ύψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον ε'

Ἡ ζωὴ καὶ ὁδὸς Χριστός, ἐκ νεκρῶν τῷ Κλεόπα καὶ τῷ Λουκᾶ συνώδευσεν, οἷς περ καὶ ἐπεγνώσθη, εἰς Ἐμμαοὺς κλῶν τὸν ἄρτον· ὧν ψυχαὶ καὶ καρδίαι, καιόμεναι ἐτύγγανον, ὅτε τούτοις ἐλάλει ἐν τῇ ὁδῷ, καὶ Γραφαῖς ἠρμήνευεν, ἃ ὑπέστη, μεθ' ὧν, ἠγέρθη, κράζομεν, ὡφθη τε καὶ τῷ Πέτρῳ.

Θεοτοκίον

Υμῶ σου τὸ ἀμέτρητον, ἔλεος ποιητά μου, ὅτι σαυτὸν ἐκένωσας, τοῦ φορέσαι καὶ σῶσαι, φύσιν βροτῶν κακωθεῖσαν, καὶ Θεὸς ὦν ἠνέσχου, ἐκ τῆς ἀγνῆς Θεόπαιδος, κατ' ἐμὲ τοῦ γενέσθαι, καὶ κατελθεῖν, μέχρις Ἄδου, θέλων με τοῦ σωθῆναι, πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε, Δέσποτα πανοικτίρμον.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Αθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος Δι

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.246*



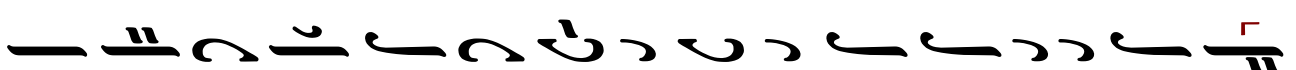


Η ζω η και αι ο δο ος Χρι στος εκ νε κρων τω ω
 Κλε ο ο πα και τω Λου κα ασυν ο ο δευ σεν ο ις περ
 και ε ε πε γνω ω σθη εις Εμ μα ους κλωων τον α αρ
 τον ων ψυ χαι και αι καρ δι ι αι και ο με ναι αι ε
 τυ υγ χανον ο τε του τοι ο ις ε λα α λει εν τη ο δω
 ω ω και γρα φαις ηρ μη νευ εν α α υ πε ε στη μεθ ων
 η γε ερθη κρα α ξω μεν ω φθη τε και αι τω Πε ε τρω

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Πέτρου Εφεσίου
 Αναστασιματάριον 1820 σ.246*

Υ μνω σου το ο α με ε τρη τον ε λε ος ποι οι η τα
 α μου ο τι σαυ το ον ε κε ε νω σας του φο
 ρε σαι αι και σω ω σαι φυ σιν βρο των κα α κω θει ει


 σαν και Θε ος ω ων η νε ε σχου εκ της α γνη ης θε

 ο ο παι δος κατ ε με του ου γε νε ε σθαι και κα

 τελ θει ει ει ν με χρις Α δου θε λων με του ου σω θη η

 ναι πρε σβει αις τη ης τε κου ου σης σε Δε σπο τα παν οι

 κτιρ μο ο ο ο ο ν


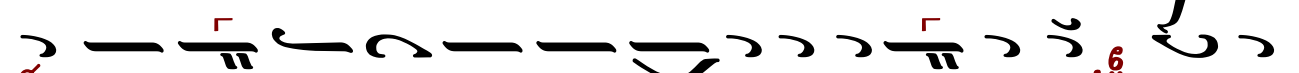


Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Β̅ϩ̅

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.472/1342#


Η ζω η και αι ο δο ος Χρι στος εκ νε κρων τω ω

Κλε ο ο πα και τω Λου κα α συν ω ω δευ σεν οισ περ

 και ε ε πε γνω ω ω σθη εις Εμ μα ους κλω ων τον α

 αρ τον ων ψυ χαι και αι καρ δι ι αι και ο με ναι αι ε

τυ υγ χανον ο τε του τοι οις ε λα α λει εν τη ο δω

ω ω ω ω και γρα φαις ηρ μη νευ εν α α υ πε ε στη

μεθ ων η γε ερ θη κρα α ξωμεν ω φθη τε και αιτω Πε

ε τρω ω

Θεοτοκίον

Y μνω σου το ο α με ε τρη το ον ε λε ος ποι οι η

τα α μου ο τι σου το ον ε κε ε νω σας του φο ρε

σαι αι και σω ω σαι φυ σιν βρο των κα α κω θει ει σαν

και Θε ος ω ων η νε ε ε σχου εκ της α γνη ης

Θε ο ο παι δος κατ ε με του ου γε νε ε σθαι και κα τελ

θει ειν με χρις α δου θε λων με του ου σωθη η ναι

πρε σβει αις τη ης τε κου ου σης σε Δε σπο τα πα αν οι κτι

ιρ μο ον

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματάριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.8#

Η ζω ω η και αι αι ο δο ος Χρι στος εκ νε ε κρων

τω ω Κλε ο ο πα και τω Λου ου κα α α συν ω

ω δευ σεν οισ περ και αι ε ε πεγνω ω σθη εις Εμ

μα α ους κλωωντον α αρ τον ων ψυ υ χαι και αι καρδι

ι αι και αι ο μεναι αι αι ε τυ υγ χα νον ο τε

ε του τοι οισ ε λα α α λει εν τη ο δω ω ω ω

ω και γρα φαις ηρ μη νε ευ ε εν α α υ πε ε στη

μεθων η η γεερθη κραα ξωμεν ωφθη τεε και

αι τω Πεε τρωω

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.233#

Η ζωη και αι οδοος Χριστος εκνεε κρων τωω

Κλεοοπα και τω Λουου κααα συνωω δευ


σεν οισ περ και αι εε πεγνωω σθη εις Εμ μα ους

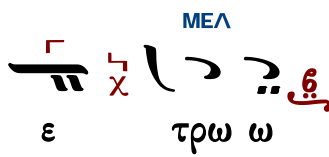
κλων τον αρ τον ων ψυ χαι και αι καρδι ι αι

και ο με ναι αι ε τυ υγ χα νον ο τε του τοι

οις ε λα α α λει εν τη ο δω ω ω ω ω και

γρα φαις ηρ μη νευ εν α α υπεε στη μεθων η




 η γε ερ θη κρα α ξω μεν ω φθη τε ε και αι τω Πε


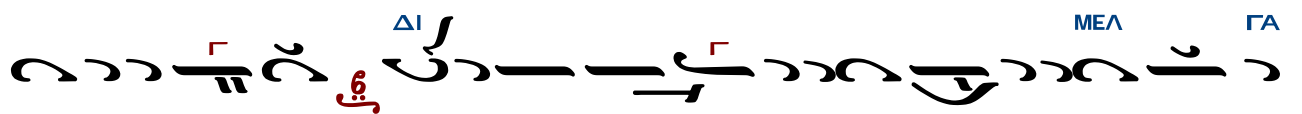
 ε τρω ω


Θεοτοκίον

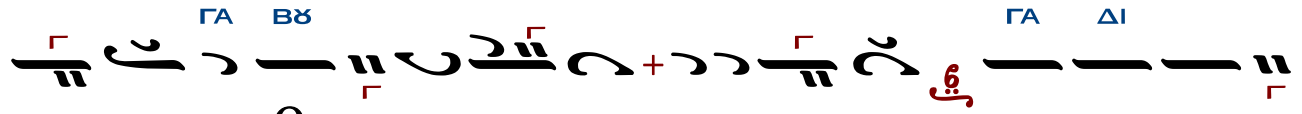
Ἦχος Β̅ϛ̅


Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.234#





 μνω σου το ο α με ε τρη τον ε λε ος ποι


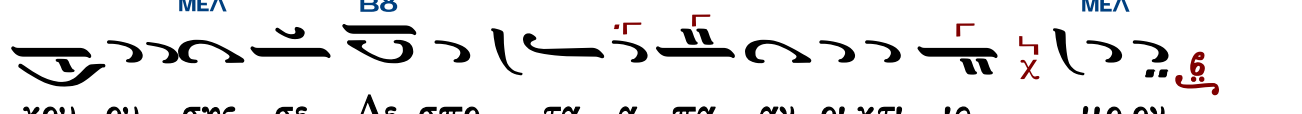
 οι ητα α μου ο τι σου το ο ον ε κε ε νω σας του


 φο ο ρεσαι αι και σω ωσαι φυ σιν βρο των κα α κω θει


 ει σαν και Θε ε ος ω ων η νε ε σχου εκ της α α


 γνη ης θε ο ο παι δος κατ ε ε με του ου γε νε ε


 σθαι και κα τε ελ θει ει ει ει ει ν με χρις α δου θε


 λων με του ου σω θη η ναι πρε σβει αις τη ης τε


 κου ου σης σε Δε σπο τα α πα αν οικτι ιρ μο ον

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ε΄

ἦχος πλ.α΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

ᾠ τῶν σοφῶν σου κριμάτων Χριστέ!
 πῶς Πέτρῳ μὲν τοῖς ὀθονίοις μόνοις,
 ἔδωκας ἐννοῆσαι σου τὴν Ἀνάστασιν,
 Λουκᾶ δὲ καὶ Κλεόπα,
 συμπορευόμενος ὡμίλεις,
 καὶ ὁμιλῶν, οὐκ εὐθέως σεαυτὸν φανεροῖς;
 Διὸ καὶ ὄνειδίζη,
 ὡς μόνος παροικῶν ἐν Ἱερουσαλήμ,
 καὶ μὴ μετέχων τῶν, ἐν τέλει βουλευμάτων αὐτῆς.
 Ἄλλ' ὁ πάντα πρὸς τὸ τοῦ πλάσματος συμφέρον οἰκονομῶν,
 καὶ τὰς περὶ σοῦ προφητείας ἀνεπτυξας,
 καὶ ἐν τῷ εὐλογεῖν τὸν ἄρτον,
 ἐγνώσθης αὐτοῖς,
 ὧν καὶ πρὸ τούτου αἱ καρδίαι,
 πρὸς γινῶσίν σου ἀνεφλέγοντο,
 οἱ καὶ τοῖς μαθηταῖς συνηθροισμένοις,
 ἤδη τρανῶς ἐκήρυττόν σου τὴν ἀνάστασιν,
 δι' ἧς ἐλέησον ἡμᾶς.

- Πέτρου Ἐφεσίου
- Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
- Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
- Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
- Ἐμμανουήλ Φαρλέκα
- Κωνσταντίνου Πρίγγου
- Ἀθανασίου Καραμάνη
- Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
- Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
- Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος λ̣ ᾠ Πά

Πέτρου Εφεσίου
 Αναστασιματᾶριον 1820 σ.247*

Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι και Υι ι ω και α γι ι ω

Πνε ευ μα α α τι **π̣**

Ω των σο φων σου κρι μα α α των Χρι ι στε ε πωσ

Πε τρω μεντοις ο θο νι οι οις μο ο ο νοις **Δ̣** ε δω κας εν νο

η σαι σου ου τη ην Α να α α α α στα α α α
 σιν ^π Λου κα δε και Κλε ε ο ο πα συμ πο ρευ ο ο
 με νο ος ω ω μι ι ι λεις ^χ και ο μι λων ουκ ευ θε ε
 ως σε ε α αυ το ο ο ο ον φα α νε ε ε ροις
 δι ο και ο νει δι ι ι ι ι ζη ^χ ως μο νος παρ
 οι κω ων εν Ι ι ε ρου σα α λημ και μη με ε τε ε ε
 χων ^Δ των εν τε ε λει βου ου λε ευ μα α α α α
 τω ων α α αυ της ^π αλλ ο πα αν τα προς το του πλα
 σμα α τος συμ φε ε ρον οι οι οι κο νο ο μων ^χ και τας πε
 ρι σου προ φη τει ει ας α νε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας
 και εν τω ε ευ λο ο γειν το ον α α αρ τον ε γνω
 ω ω σθη ης α α αυ τοις ^χ ων και προ του του αι
 αι κα αρ δι ι αι προς γνω σιν σου ου α α νε φλε ε

ε ε ε γο ο ο ον το ^{π ρ} οι και τοις Μαθηται αις συν
 η η θροι σμε ε ε ε ε νοις ^{χ ρ} η η η η η δη
 τρα α νω ως ^{χ ρ} ε κη ρυτ τον σου τη ην Α να α α α
 στα α α α σιν ^{χ ρ} δι ης ε λε η η σον η μα
 α α ας ^Δ

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ̣ π̣ ῥ̣ Πα

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.302*

^Δ ο ο ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και α
 γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^{π ρ}
^Ω των σο ο φω ω ων σου ου κρι μα α α α τω ω ω
 ων Χρι στε ε ^{π ρ} πως Πε τρω μεν τοις ο θο νι ι ι οι οις
 μο ο ο νοις ε ε ε ε ε ε δω ω ω ω κας εν

νο η η σε ε σου τη ην α να α α α στα α α α

σιν ^{π ρ} Λου κα δε και Κλε ε ο ο πα συμ πο ρευ ο με

νος ο ο μι ι ι ι ι λεις ^Δ και ο μι ι λων ουκ ευ

θε ε ως σε α αυ το ο ο ο ον φα α νε ε ε

ροις ^{π ρ} δι ο και ο νει ει δι ι ι ζη ως μο νος πα ροι

κων εν Ι ε ε ρου ου σα α λημ και μη με ε τε ε ε χων ^Δ των

εν τε λει βου ου λε ευ μα α α α α τω ων α α

αυ της ^{π ρ} αλλ ο πα αν τα προς το του πλα σμα τος συμ φε

ρον οι οι κο νο ο μων ^{χ ρ} και τας πε ρι σου προ φη η τει ει ει

ας ^Δ α νε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας ^{π ρ} και εν τω ευ

λο ο γειν το ον α α αρ τον ε ε γνω ω ω σθη ης α

α αυ τοις ^χων και προ του του αι κα αρ δι ι ι αι προς γνω

ω σι εν σου ^Δα νε φλε ε ε ε γο ο ο ον το ^ποι

οι οι οι οι και τοις μα θη ταις συν η η θροι σμε ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε νοι οι οι οισ ^χη η η

δη η τρα α νως ε κη ρυτ τον σου την α να α α

στα α α α σιν δι ης ε λε η η σον η η μας ^Δ

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιος Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Αναστασιματάριον Ἰωάννου Πρωτοψάλτου 1905 σ.251*

^Δο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι και αι Υι

ω ω ^χκαι α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^π

^Ωτων σο ο φω ων σου ου ου χρι μα α α α α

των Χρι ι ι στε π⁹ πως Πε ε τρω μεν τοις ο θο

νι ι ι ι οι οισ μο ο ο νοις x⁹ ε δω ω κα

ας Δ εν νο η η η σαι σου ου ου ου την α α

να α α α α στα α α α σιν π⁹ Λου ου κα δε ε και αι

Κλε ε ο ο ο ο πα x⁹ συμ πο ρε ου ο ο με νο

ο ος ω μι ι ι ι λεις π⁹ και ο μι ι λων Δ ουκ ε ευ

θε ε ε ως σε ε α αυ το ο ο ο ον φα α νε

ε ε ροις π⁹ δι ο ο και ο ο νει ει δι ι ι ι ι

ζη η x⁹ ως μο νος πα ροι κων εν Ι ε ρου σα α

λημ Δ και μη με ε τε ε ε χων Δ των εν τε ε λει βου λε

ευ μα α α α α τω ων α α αυ της π⁹ αλλ ο

πα α α αν τα προς το του πλα σμα α τος συμ φε ε ρον οι

οι κο νο ο μων και τας πε ρι σου προ φη η τει ει ει ας

α νε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας και εν τω ευ λο

ο γειν το ον α α αρ τον ε ε γνω ω ω σθη ης α α

αυ τοις των και προ ο του του αι κα αρ δι ι ι ι

ι ι αι αι προς γνω ω σι ιν σου α νε

φλε ε ε ε γο ο ο ον το οι και τοις μα θη ται

αις συ νη η θροι σμε ε ε ε ε ε ε ε ε νοι οι οι

οις η η η η δη τρα α νως ε κη ρυτ τον σου τη

ην α να α α α στα α α α σιν δι ης ε λε ε

η σο ον η η μας

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.365*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι και Υι υι ω ω και Α

γι ι ι ι ι ι ι ι ω ω ω ω ω ω ω ω

Πνε ε ε ε ε ε ε ευ μα α α α α ια α α α τι

Ω τω ων σο φω ων σου ου χρι μα α α τω ων Χρι ι

στε ε πως Πε τρω ω με εν τοις ο θο νι ι οις

μο ο ο ο ο ο ο ο ο νοι οι οι οις ε

δω ω κας εν νο η σαι αι σου ου τη ην Α να α

α στα α α α σιν Λου ου κα δε ε και Κλε ε ο ο ο

πα συμ πο ρε ευ ο ο με νο ος ω μι ι ι ι

λεις και ο μι ι λω ω ω ω ω ω ω ω ω ιω

ω ω ω ω ω ων ουκ ε ευ θε ε ε ω ως ε αυ

το ο ο ον φα νε ε ροι οι οι οι οι οι οι

οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι

οι οι οι οι οι οι φα α νε ροι οι οι οι οι οι οι οισ

δι ο ο και ο νει δι ι ι ι ι ζη η ως

μο ο νος πα ροι κω ω ων εν Ι ε ε ρου σα λη η

η η η η η η η ημ και μη με ε τε ε ιε ε

ε ε χων των εν τε ε ε λει ει βου ου λε ευ μα α

α α α τω ων α α αυ τη ης αλλ ο πα α α α

α α α α αν τα προς το του πλα α α α α α

α σμα α α το του πλα α α σμα α α το ο ο

μα α α α τι π ρ

ω των σο ο φω ων σου ου χρι μα α α α τω ω ω ω

ω ω ιω ω ω ων Χρι στε ε ε ε ε λε ε ε ε

ε ε ε π ρ πως Πε τρω ω με εν χ ρ τοις ο θο νι ι ι

ι οι οι οις μο ο ο νοι οις ε ε δω ω κας εν

νο η η σαι αι σου ου ου ου τη ην Α α να α α α

α α α στα α α α α ια α α α σιν π ρ Λου κα α α α

α α α δε και αι αι αι Κλε ε ε ο ο ο ο ο ο

ο ο ο ιο ο ο ο πα π ρ συμ πο ρευ ο ο ο ο ο

ο με ε ε ε ε ε ε ε ε ε νο ο ος ω ω ω ω

ω μι ι ι ι ι ι ι ι ω μι ι ι ι λεις π ρ και

ο μι ι λων ουκ ε ευ θε ε ε ως ε αυ το ο ο ον

φα α α α α α ια α α φα νε ροι οι οι οι οι ιοι

οι οι οι οι οι οισ δι ο ο και ο νει ει δι ι ι

ι ι ι ι ι ι ι ζη ως μο νος πα ροι κω ων εν

Ι ι ε ρου σα α λημ και μη με ε τε ε ε χων των

εν τε ε λει βου λε ευ μα α α α α των

α αυ τη η η η ιη η η η η η ης αλλ ο

πα α α α α ια α α αν τα προς το του πλα

σμα α το ο ο ο ο ο ιο ο ο ο ο ο ος συ υμ φε ε

ε ε ε ρον οι οι κο νο ο μω ω ω ων και τας πε ρι

σου προ φη η τει ει ει ας α νε ε ε ε ε ε πτυ υ υ

υ ξας και εν τω ευ λο ο γει ει ει ει ει εν τον

α α α α α αρτον ε ε γνω ω ω ω ω ω σθη

η η η η η ης α α α α α αυ τοι οι οι οι οι

οι οισ ω ω ω ω ωων και προ ο του του ου αι κα αρ

δι ι ι ι ι ι αι προς γνω ω ω ω σι ι ι ι εν σου

ου ου ου α α νε ε φλε ε ε ε ε ε ε ε γο ο ο ο

λο ο ο ον το οι οι οι οι οι οι οι οι οι και

τοις μα θη η ταις συν η η η η θροι οι οι σμε ε ε

ε ε ε ε ε ε λε ε ε ε νοις η η η η δη η τρα α

νω ω ω ω ω ως ε κη η ρυτ το ο ον σου τη

ην Α να α α α α α α στα α α α λα α α α

σιν δι ης ε λε η η σον η η μα α α ας

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά "Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.18*

Δ ο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι και αι Υι υι ω

και αι α α γι ι ω ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α

τι

ω τω ων σο φω ω ων σου ουκρι ι μα α α α α

των Χρι ι ι στε πω ως Πε τρω ω μεν τοις ο θο νι οι οις

μο ο ο νοις ε ε δω ω κας εν νο ησαι αι σου ου

ου ου τη ην Α α να α α α α α α στα α α α α ια

α α α σιν Λου ου κα δε ε και Κλε ε ο ο ο ο πα

συμ πο ρε ευ ο ο με νο ο ος ω ω ω μι ι ι ι ι

λεις και ο μι ι λω ων ουκ ε ευ θε ε ε ως ε α αυ

το ο ο ο ον φα νε ε ε ροις δι ο ο και αι

ο ο νει ει δι ζη η ως μο νος πα ροι κων εν I ε ρου

σα α λημ και αι μη με ε τε ε ε χων των εν τε ε λει

βου λε ευ μα α α α α τω ων α α αυ της αλλ

ο πα α α α ια α α αν τα προς το του πλα α

α α α α α α α σμα α το του πλα σμα α το ο ο ο

ο ιο ο ο ο ο ο ος συμ φε ε ρον οι οι κο νο ο μω

ω ω ων και τας πε ρι σου προ φη η τει ει ει ας α α

νε ε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας και ε εν τω ω

ευ λο ο γει ειν τον α α α αρ τον ε ε γνω ω ω

σθης α α αυ τοις ^χων και προ ο του του ου αι αι κα αρ

δι ι ι ι ι αι προ ος γνω σι εν σου ου ου ου α α νε ε

φλε ε ε ε ε ε ε γο ο ο ο ο ιο ο ο ον το ^π

οι οι οι και αι τοις μα θη ταις συ υν η η θροι οι οι σμε

ε ε ε ε ε ε ε νοι οι οι οις ^ο η η η η η

η η η δη η η η η η η η τρα α νω ιω χω ω

ως ^νε κη ρυ υτ το ον σου ου την Α να α την α

να α στα σι ι ι ι ι ι ι ι εν ^ο δι ης ε

λε η η σον η η μα α α ας ^Α

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης Λουκάς Λουκά

Ἐμμανουήλ Φαρλέκα (†1958)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα̣ χ̣

Εμμανουήλ Φαρλέκα
Βυζαντινά Μελωδήματα
2011 σ.231*

^{ΠΑ}
Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι υι ω ^{χ̣ ᾠ} και α γι

ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^{π̣ ᾠ}

^{ΠΑ}
Ω ω των σο ο φω ω ωων σου χρι μα α α α

τω ων Χρι στε ε ε ^{π̣ ᾠ} πω ως Πε τρω ω με εν τοις ^{ΚΕ} ^{ΠΑ}

ο θο νι ι ι ι οις μο νοι οις ^{χ̣ ᾠ} ε ε δω ω κας ^ᾠ

εν νο η η σαι εν νο η η σαι αι αι σου τη ην Α

α να α α α α α στα α α α ια α α α σιν ^{π̣ ᾠ}

^{ΚΕ} ^{ΠΑ}
Λου ου κα δε ε και Κλε ε ο ο ο ο πα ^{χ̣ ᾠ} συμ πο ρε

ευ ο ο με νο ος ω μι ι ι ι λεις ^{π̣ ᾠ} και αι

αι αι αι ο μι ι λων ^{χ̣ ᾠ} ουκ ε ευ θε ε ε ως σε αυ

το ο ο ον φα α νε ε ε ροις ^{KE} δι ο ο

και αι ο νει δι ι ι ι ι ι ζη η ως μο νος ^{ΠΑ}

πα ροι κω ων εν Ι ι ε ε ρου σα α λη η ημ και ^χ

μη με ε τε ε ε ε χων ^Δ των εν τε ε λει βου ου λε ευ

μα α α α τω ων α α αυ της ^π αλλ ο πα α α

αν τα προς το του πλα σμα α τος συμ φε ε ρον οι κο

νο ο μων ^χ και τας πε ρι σου προ φη η τει ει ει ει ει ^Δ

ας ^{ΠΑ} α νε ε ε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας ^π και εν ^Δ

τω ευ λο γει ει ν τον α α α αρ τον ε γνω

ω ω σθη ης α α αυ τοις ^{KE} ^Δ ω ων και προ του του ου αι ^{ΠΑ}

καρ δι ι ι ι ι ι ι ι αι προς γνω ω σι εν

σου ου α νε φλε ε ε ε ε ε γο ο ο ο α α

νε ε φλε ε ε ε ε ε ε γο ο ν το οι οι

και τοις μα θη ταις συν η η η η θροι οι σμε ε ε νοις

η η η η δη τρα α νω ω ως ε κη ρυτ το ο

ον σου τη ην Α α να α α α α α στα α α

την α να α α στα α α σι ι ι ι ι ι ι ι

ι ι ι ι ι ι ν δι η ης ε λε ε η η σον η

η μα α α ας

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

Δ ο ο ο ο ο ξα α Πα τρι ι ι ι και αι Υι

ω και α γι ι ι ω ω ω Πνευ μα α α τι

ω τω ω ων σο ο ο φω ωων σου ου χρι μα α

α α α τω ω ων Χρι ι ι στε πως Πε ε

τρω ω ω ω μεν τοις ο θο νι ι ι ι ι οι οι οις

μο ο νοι οις ε ε δω ω ω ω κας εν

νο η η η σαι αι σου ου ου ου τη ην Α α α α να α

α α α στα α α α σιν Λου ου κα δε ε ε και Κλε ε

ο ο ο ο ο ο πα συμ πο ρευ ο ο ο ο με νο ος

ω ω ω μι ι ι ι λεις και ο ο μι λων ου

ουχ ευ θε ε ε ως σε ε ε α αυ το ο ο ον

φα α νε ε ε ροις δι ο ο και ο ο νει

ει δι ι ι ι ι ζη η ως μο νος πα ροι κων εν

Ι ε ε ρου ου σα λημ και αι μη η με τε ε ε

χων των εν τε ε ε λει βου ου λε ευ μα α α α α

των α α αυ της αλλ ο πα α αν τα προς το

του πλα σμα α α τος συμ φε ε ε ρον οι οι κο νο μων

και τας πε ρι σου ου ου προ φη τει ει ει ας

α νε ε ε ε ε ε πτυ υ υ υ ξας και εν τω

ω ευ λο ο γει ει ν το ον α α α α αρ τον ε ε

γνω ω ω σθης α α αυ τοις ων και προ του ου

του αι καρ δι ι ι αι προς γνω ω ω ω σιν σου

α α νε ε φλε ε ε ε ε γο ο ο ον το οι και τοις

Μα θη ταις συν η η θροι σμε ε ε ε ε ε ε ε
 ε ε ε ε ε ε νοι οι οι οι οι οισ η η η η η
 δη τρα α νω ως ε κη ρυτ το ον σου ου ου τη η ην
 Α να α α α α στα α α α σιν δι ης ε
 λε ε η η η σον η η μα ας

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ π ᾠ Πα χ

Αθανάσιος Καραμάνης
 Νέα Μουσική Συλλογή
 τόμος Α' 1955 σ.148*

Δ ο ο ο ο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι
 και αι Υι ι ω ω και α γι ι ω ω ω Πνε ευ μα α
 α τι
 ω ω ω ω τω ω ων σο ο ο φω ων σου ου

ου χρι μα α α α α των Χρι ι ι στε πω ως Πε
 ε ε τρω ω ω μεν τοις ο θο νι ι ι οι οισ
 μο νοι οισ ε ε ε δω ω κα α ας εν νο η η
 σαι αι σου ου ου ου τη ην Α α α α να α α α α στα
 α α α σιν Λου ου κα α α δε ε ε και Κλε ε ο ο ο
 ο ο ο πα συμ πο ρευ ο ο με νο ος ω ω ω
 μι ι ι ι ι λεις και ο ο μι λω ω
 ων ου ουκ ε ε ευ θε ε ε ε ε ε ω ως σε
 ε ε α αυ το ο ον φα νε ε ε ροις δι ο ο
 και αι ο ο νει ει δι ι ι ι ι ζη η ως
 μο νος πα ροι κων εν Ι ε ρου σα λη η η

ημ ^{ΔΙ} και ^{ΠΑ} αι μη η με ε τε ε ε ε ε χων των
 ε εν τε ε λει βου ου λε ευ μα α α των α α αυ
 της ^{ΠΑ} α αλλ ο πα α αν τα προς το του πλα α α
 σμα α α τος συμ φε ε ε ρον οι οι κο νο μω ω ων και
 τας πε ρι σου ου ου προ φη τει ει ει ας α νε
 ε ε ε πτυ υ υ υ ξας και εν τω ε ευ λο
 ο ο γειν τον α α α α αρ το ο ον ε ε γνω
 ω ω σθησ α α αυ τοις ^{ΠΑ} ων και προ ο του ου του ου
 αι αι κα αρ δι ι ι ι ι ι αι αι ^{ΔΙ} προς γνω ω
 σι ιν σου ου ου ^{ΠΑ} α α νε φλε ε ε ε ε ε ε γο ο ο ον
 το οι και τοις Μαθη η ται αι αις συ νη η η θροι σμε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε νοι οι οι οι

MEΛ KE
οι οισ η η η η δη η τρα α νω ω ω ως ε

κη ρυτ το ο ον σου ου ου τη η ην Α να α α α

στα α α α σιν δι ης ε λε ε η η σον η η μα

α α ας

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα̣ χ̣

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.484/1354#

Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι και Υι ι ω και α γι ι ω

Πνε ευ μα α α τι

Ω των σο φω ων σου ου ου χρι μα α α α τω

ων Χρι ι ι στε πως Πε τρω ω μεν τοις ο θο νι ι

ι ι οι οϊς μο ο ο νοϊς ε δω ω κα ας εν

νο η η σαι σου ου ου ου τη ην α α να α α

α στα α α α σιν Λου ου κα δε ε και αι Κλε ε

ο ο ο ο πα συμ πο ρε ευ ο ο με νο ο ος

ω μι ι ι ι λεις και ο μι ι λων ουκ ε ευ θε ε ε

ως σε αυ το ο ον φα α νε ε ε ροϊς δι ο ο

και ο ο νει ει δι ι ι ι ι ζη η ως μο νος πα

ροι κων εν Ι ε ρου σα α λημ και μη με ε τε ε ε

χων των εν τε ε λει βου λε ευ μα α α α τω ων α

α αυ της αλλ ο πα α αν τα προς το του πλα σμα

τος συμ φε ε ε ρον οι οι κο ο νο ο μων και τας πε

ρι σου προφη η τει ει ει ας α νε ε ε ε πτυ υ υ υ

ξας και εν τω ευ λο ο γειν το ον α α αρ τον ε ε

γνω ω ω σθη ης α α αυ τοις ω ω ων και προ του

του ου αι αι κα αρ δι ι ι ι αι αι προς γνω

ω σι εν σου α νε φλε ε ε ε γο ο ο ον το

οι οι και τοις μα θη ταις συν η η θροι σμε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε νοι οι οι οις η η η η δη τρα α

νωσ ε κη ρυτ το ον σου τη ην α να α α α στα α α

α σιν δι ης ε λε ε η η σον η η μα α α

ας

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος λ π ῥ Πα χ

Ελευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
Ὁρθρος 1987 σ.574*

^{ΠΑ}
Δ ο ο ο ο ο ξ α α Πα α τρι ι ι ι και αι Υι

ω ^{χ ῥ} και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^{π ῥ}

^{ΠΑ}
Ω τω ω ω ω ν σο ο φω ω ν σου ου κρι μα α α α

α των Χρι ι στε ^{ΚΕ} πω ς Πε τρω ω ω μεν τοις ο θο ^{ΔΙ}

^{ΚΕ} νι ι ι ι οις μο ο νοι οις ε δω ω ω κας εν νο ^{ΠΑ}

ο η η σαι σου τη ην Α α να α α α στα α α α

σιν ^{ΚΕ} Λου ου κα δε ε και αι Κλε ο ο ο ο ο ο ^{ΔΙ} ^{ΚΕ}

ο ο ο ο ο ο ο πα α α α α ^{ΠΑ} ^{χ ῥ} συμ πο ρευ ο

ο με νο ος ω μι ι ι ι λεις ^{π ῥ} και ο ο μι λων ^{ΔΙ}

^{ΔΙ} ουχ ε ευ θε ε ε ως σε αυ το ο ο ν φα νε ε ε ροις ^{ΠΑ} ^{π ῥ}

δι ο ο και αι ο νει ει δι ι ι ι ι ζη

η ως μο νος πα ροι κων εν Ι ε ρου ου σα λημ και

μη με τε ε χων των ε εν τε ε λει βου λε ευ μα α

α α α των α α αυ της αλλ ο πα α α αν τα

προς το του πλα σμα α τος συμ φε ε ρον οι κο ο νο

μων και τας πε ρι σου προ φη η τει ει ει ας α νε ε

ε ε πτυ υ υ υ ξας και εν τω ε ευ λο ο γειν

το ον α α αρ τον ε ε γνω ω ω σθης α αυ τοις ων

και προ του του αι κα α αρ δι ι ι αι προς γνω ω σι ι

ι ιν σου α νε φλε ε ε ε γο ο ο ον το οι και

τοις Μα θη ταις συ νη η θροι σμε ε ε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε νοι οι οι οι οισ η η η η η η η δη

τρα α νως ε κη ρυτ το ον σου τη ην Α να α

α α στα α α α σιν δι ης ε λε η η σον η η

μας

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος λ̣ π̣ ς̣ Πα̣

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

Δ ο ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι ω και

α γι ι ω Πνευ μα α α τι

ω τω ων σο ο φω ων σου ου χρι μα α α

α α των Χρι ι ι στε πω ως Πε τρω ω μεν τοις ο θο

νι ι ι ι οι οισ μο ο ο ο νοις ε ε δω ω ω

καὶ ἐν νόηηησαι σου οὐ οὐ τὴν ἀ ἀ να ἀ ἀ

ἀ ἀ στα ἀ ἀ ἀ σιν ^{π ρ} Λου οὐ κα δε ε και Κλε ε ο ο ο

ο ο πα ^{χ ρ} συμ πο ρευ ο ο με νο ος ω μι ι ι ι λεις ^{π ρ}

και ο μι λων ουκ ε ευ θε ε ε ως ^{Δ ρ} σε α αυ το ο ο

ο ον φα νε ε ε ροις ^{π ρ} δι ο και ο νει δι ι

ι ι ζη ^{χ ρ} ως μο νος πα ροι κων εν Ι ε ρου σα

λημ ^{Δ ρ} και μη με ε τε ε ε χων των εν τε ε λει βου λε ευ

μα α α α α των α α αυ της ^{π ρ} αλλ ο πα αν τα προς

το του πλα σμα α τος συμ φε ε ε ρον οι οι κο νο μων ^{χ ρ} και τας

πε ρι σου προ φη η τει ει ει ας α νε ε ε ε πτυ υ

υ υ ξας ^{π ρ} και εν τω ευ λο ο γειν το ον α α αρ τον

ε ε γνω ω ω σθης α α αυ τοις ^κων και προ του του
 αι κα αρ δι ι αι ^Δ προς γνω σι ιν σου α νε ε φλε ε ε
 ε ε γο ο ο ον το ^π οι και τοις μα θη ταις συν η θροι οι
 σμε ε ε ε ε νοις ^κ η η η η δη τρα νως ε κη ρυτ
 το ον σου την α να α α α στα α α α σιν ^κ δι
 ης ε λε η η σον η η μα α α ας ^Δ

Ἐωθινὸν ς΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν 24:36-53

Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 24:36-53

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἀναστὰς ὁ Ἰησοῦς ἐκ νεκρῶν, ἔστη ἐν μέσῳ τῶν Μαθητῶν, καὶ λέγει αὐτοῖς·
 Εἰρήνη ὑμῖν. ³⁷ Πτοηθέντες δὲ καὶ ἔμφοβοι γενόμενοι, ἐδόκουν πνεῦμα θεωρεῖν. ³⁸ Καὶ εἶπεν
 αὐτοῖς· Τί τεταραγμένοι ἐστέ, καὶ διατί διαλογισμοὶ ἀναβαίνουνσιν ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν; ³⁹
 Ἴδετε τὰς χεῖράς μου καὶ τοὺς πόδας μου, ὅτι αὐτὸς ἐγὼ εἰμι· ψηλαφήσατέ με καὶ ἴδετε, ὅτι
 πνεῦμα σὰρκα καὶ ὀστέα οὐκ ἔχει, καθὼς ἐμὲ θεωρεῖτε ἔχοντα. ⁴⁰ Καὶ τοῦτο εἰπὼν, ἐπέδειξεν
 αὐτοῖς τὰς χεῖρας καὶ τοὺς πόδας. ⁴¹ Ἔτι δὲ ἀπιστούντων αὐτῶν ἀπὸ τῆς χαρᾶς, καὶ
 θαυμαζόντων, εἶπεν αὐτοῖς· Ἐχετέ τι βρώσιμον ἐνθάδε; ⁴² Οἱ δὲ ἐπέδωκαν αὐτῷ ἰχθύος ὀπτοῦ
 μέρος, καὶ ἀπὸ μελισσίου κηρίου. ⁴³ Καὶ λαβὼν, ἐνώπιον αὐτῶν ἔφαγεν. ⁴⁴ Εἶπε δὲ αὐτοῖς· Οὗτοι
 οἱ λόγοι, οὓς ἐλάλησα πρὸς ὑμᾶς, ἔτι ὦν σὺν ὑμῖν, ὅτι δεῖ πληρωθῆναι πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν
 τῷ νόμῳ Μωϋσέως, καὶ προφήταις, καὶ ψαλμοῖς περὶ ἐμοῦ. ⁴⁵ Τότε διήνοιξεν αὐτῶν τὸν νοῦν,
 τοῦ συνιέναι τὰς γραφάς· ⁴⁶ καὶ εἶπεν αὐτοῖς· Ὅτι οὕτω γέγραπται, καὶ οὕτως ἔδει παθεῖν τὸν
 Χριστὸν, καὶ ἀναστῆναι ἐκ νεκρῶν τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ, ⁴⁷ καὶ κηρυχθῆναι ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ
 μετάνοιαν καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν εἰς πάντα τὰ ἔθνη, ἀρξάμενον ἀπὸ Ἱερουσαλήμ. ⁴⁸ Ὑμεῖς δὲ ἐστε

μάρτυρες τούτων. ⁴⁹ Καὶ ἰδοὺ, ἐγὼ ἀποστέλλω τὴν ἐπαγγελίαν τοῦ Πατρὸς μου ἐφ' ὑμᾶς· ὑμεῖς δὲ καθίσατε ἐν τῇ πόλει Ἱερουσαλήμ, ἕως οὗ ἐνδύσησθε δύναμιν ἐξ ὕψους. ⁵⁰ Ἐξήγαγε δὲ αὐτοὺς ἔξω ἕως εἰς Βηθανίαν· καὶ ἐπάρας τὰς χεῖρας αὐτοῦ, εὐλόγησεν αὐτούς. ⁵¹ Καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτὸν αὐτούς, διέστη ἀπ' αὐτῶν, καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν. ⁵² Καὶ αὐτοὶ προσκυνήσαντες αὐτὸν, ὑπέστρεψαν εἰς Ἱερουσαλήμ μετὰ χαρᾶς μεγάλης. ⁵³ Καὶ ἦσαν διὰ παντὸς ἐν τῷ Ἱερῷ, αἰνοῦντες καὶ εὐλογοῦντες τὸν Θεόν. Ἀμήν.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ς'

ἦχος β'

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Ὑψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον ς'

Δεικνύων ὅτι ἄνθρωπος, Σῶτερ, εἶ κατ' οὐσίαν, ἐν μέσῳ στὰς ἐδίδασκες, ἀναστὰς ἐκ τοῦ τάφου, καὶ βρώσεως συμμετέσχες, βάπτισμα μετανοίας· εὐθὺς δὲ πρὸς οὐράνιον, ἀνελήφθης Πατέρα, καὶ μαθηταῖς, πέμπειν τὸν Παράκλητον ἐπηγγείλω, ὑπέρθεε Θεάνθρωπε, δόξα τῇ σῇ ἐγέρσει.

Θεοτοκίον

Ὁ ποιητὴς τῆς κτίσεως καὶ Θεὸς τῶν ἀπάντων, σάρκα βροτεῖαν ἔλαβεν, ἐξ ἀχράντων αἱμάτων, σοῦ παναγία Παρθένη· καὶ γὰρ φθαρεῖσαν πᾶσαν, τὴν φύσιν ἐκαινούργησε, πάλιν ὡς πρὸ τοῦ τόκου, καταλιπὼν, μετὰ τόκον· ὅθεν πιστῶς σε πάντες, ἀνευφημοῦμεν κράζοντες· Χαῖρε Δέσποινα κόσμου.

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

τὸ τοῦ Πέτρου διαφέρει στὰ λόγια

ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ς'

ἦχος 

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
Μουσικὴ Παρακλητικὴ
2004 σ.473/1343#



 Δ εἰ κνυ ων ο ο τι α αν θρω προς Σω τε ερ ει κα



 α του σι ι αν α να στας ε εκ του μνη η μα τος βρω σε



 ως συ υμ με τε ε σχες και με σον στα ας ε δι ι

δα σκες με τα νοι α αν κη ρυ υσ σειν ευ θυς δε
 προ ος ου ρα α νι ον α νε ε λη φθη ης Πα τε ε ρα
 και μα θη ται αις πεμ πειν τον Πα ρα κλη τον ε ε
 πηγ γει ει λω υ περ θε ε ε Θε α αν θρω πε
 δο ξατη ση η ε γε ερ σει ει

Θεοτοκίον

Ἦχος Β̅ϛ̅

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.473/1343#

Ο ποι η τη ης της κτι ι σε ως και Θε ος
 τω ων α πα αν των σαρ κα βρο τει ει αν ε ε λα βεν εξ
 α χραν τωων αι μα α των σου παν α γι α α Παρ θε ε
 νε και γαρ φθα ρει ει σαν πα α σαν την φυ σιν ε ε και
 νου ουρ γη σε πα λιν ως προ ο του το ο κου κα τα λι

πων με τα το ο ο ο κον ο θεν πι στω ως σε πα αν τες α

νευ φη μου ου μεν κρα α ζοντες χαι ρε Δε σποι οι να κο ο

σμου ου

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη

Ἦχος Δε

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.9#

Δει κνυ ων ο ο τι α αν θρω προς Σω τε ερ

ει κα ατ ου σι ι αν α να α στας εκ του μνη η μα

τος βρω σε ως συ υμ με τε ε σχες και με σο ον στα

ας ε δι ι δα σκες με τα νοι α αν κη ρυ υσ ει ν

ευ θυς δε προ ο ος ου ρα α νι ον α α νε ε λη

φθη ης Πα τε ε ρα και Μα θη ται αι αι αι αις πε ε

ε εμ πειν τον Πα ρα κλη το ον ε ε πη γει ει λω

υ υ περ θε ε ε Θε ε α αν θρω ω πε ε ε ε

ε δο ξα τη η ση η ε γε ερ σει ει

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.235#

^{ΜΕΛ} Δ ει κνυ ων ο ο τι α αν θρω πος ^{ΒΞ} Σω τερ ει ει

^{ΔΙ} κα ατ ου σι ι αν ^{ΜΕΛ} α να α στας εκ του μνη η μα τος

^{ΒΞ} βρω σε ω ως συ υμ με τε ε σχες ^{ΜΕΛ} και με σον στα ^{ΒΞ} ας ε

^{ΜΕΛ} δι ι δα σκες ^{ΒΞ} με τα νοι α ^{ΔΙ} αν κη ρυ υσ σειν ^{ΜΕΛ} ευ θυς

^{ΜΕΛ} δε προ ος ου ρα α ^{ΒΞ} νι ον α νε ε λη φθη ης Πα τε

^{ΜΕΛ} ε ρα και ^{ΒΞ} Μα θη ται αι αι αι αι σ ^{ΜΕΛ} πε ε εμ πειν

τον Πα ρα κλη τον ε επ ηγ γει ει λω ^{ΔΙ} υ περ θε

 ε ε θε α αν θρω πε ^{ΜΕΛ} ^{ΒΞ} δο ξα τη ση η ε γε ερ
^{ΜΕΛ}
 σει ει

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒΞ

Χρῆσανθου Θεοδοσόπουλου
 Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.236#

Ο ποι η τη ης της κτι ι σε ως και Θε ε ος τω

 ων α πα αν των ^{ΔΙ} σαρ κα βρο ^{ΜΕΛ} τει ει ει αν ε ε λα
^{ΒΞ} βεν εξ α α χραν τω ων αι μα α των σου παν α γι α
^{ΜΕΛ} α Παρ θε ε νε και γαρ φθα ρει ει σαν πα α σαν
^{ΔΙ} την φυ σιν ε ε και νου ουρ ^{ΜΕΛ} γη σε πα λιν ^{ΒΞ} ως προ
^{ΜΕΛ} ο του το ο ο κου κα τα λι πω ω ω ων ^{ΒΞ} με τα
^{ΓΑ} ^{ΔΙ} το κον ο θεν πι στω ως σε πα αν τες αν ευ φη η

μου ου ου μεν κρα α ζον τες και ρε ε Δε σποι οι να κο
 ο σμου ου

Γεράσιμος Μοναχός Αγιογράφης Λουκάς Λουκά

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ς'

ἦχος πλ.β'

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἀγίῳ Πνεύματι.

Ἦ ὄντως εἰρήνη σὺ Χριστέ, πρὸς ἀνθρώπους Θεοῦ,
 εἰρήνην τὴν σὴν διδούς,
 μετὰ τὴν ἔγερσιν μαθηταῖς,
 ἐμφόβους ἔδειξας αὐτούς,
 δόξαντας πνεῦμα ὄραν,
 ἀλλὰ κατέστειλας τὸν τάραχον αὐτῶν τῆς ψυχῆς,
 δείξας τὰς χεῖρας καὶ τοὺς πόδας σου·
 πλὴν ἀπιστούντων ἔτι,
 τῇ τῆς τροφῆς μεταλήψει,
 καὶ διδαχῶν ἀναμνήσει,
 διήνοιξας αὐτῶν τὸν νοῦν,
 τοῦ συνιέναι τὰς γραφάς·
 οἷς καὶ τὴν πατρικὴν ἐπαγγελίαν καθυποσχόμενος,
 καὶ εὐλογήσας αὐτούς,
 διέστης πρὸς οὐρανόν.
 Διὸ σὺν αὐτοῖς προσκυνοῦμέν σε,
 Κύριε δόξα σοι.

- Πέτρου Ἐφεσίου
- Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
- Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
- Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
- Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
- Ἐμμανουήλ Φαρλέκα
- Κωνσταντίνου Πρίγγου
- Ἀθανασίου Καραμάνη
- Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
- Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
- Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος λ π Πά

Πέτρου Εφεσίου
 Αναστασιματάριον 1820 σ.249*

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι και Υι υι ω και α γι ι ω
 Πνε ευ μα α α τι

Η ον τως ει ρη νη συ υ Χρι ι στε προς αν

θρω ω ω πους Θε ε ου ει ρη η νην την ση η ην δι

ι ι ι ι δους με τα την ε ε γε ερσιν Μα α θη η η η

ταις εμ φο βους ε δει ξα ας α αυ τους δο ξα αν τας

πνε ευ μα ο ο ο ο ραν αλ λα κα α τε στει λας τον

τα ρα α χον αυ τω ων της ψυ υ υ υ χης δει ξας τα ας

χει ει ρας και αι τους πο ο δα α α ας σου πλην α πι

ι στου ου ουν των ε ε ε τι τη της τρο φης με ε ε

τα α λη ψει και δι δα α χων α α να α α μνη η η

σει ει δι η νοι ξας αυ τω ω ω ων το ο ο ον νουν

του συν ι ε ε ναι τα ας Γρα α α φας οις και την

Πα τρι κην ε παγ γε λι ι αν κα α θυ πο ο σχο
 ο με ε ε ε νος και ευ λο γη η σα ας α αυ τους δι
 ε ε στη η ης προς ου ου ρα α α α νον δι ο συν
 αυ τοις προ σκυ νου ου ου ου με ε ε εν σε Κυ υ υ υ
 ρι ι ε δο ο ο ο ξα α α α σοι

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ π Πά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.356*

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και α γι
 ι ι ω Πνε ευ μα α α α τι
Η ο ο ο ο ο ο ντως ει ρη νη η συ Χρι ι στε προς αν
 θρω ω ω ω που ους Θε ε ε ου ει ρη η

η η η νην την ση η η η η ην δι ι ι ι

δους με τα την ε γε ε ερσιν μα α θη η η η

ταις εν φο ο ο βους ε δει ει ξας α αυτους δο ο ο

ο ο ξα α α αν τας πνε ε ευ μα α ο ο ο

ραν αλ λα α κα α τε ε στει ει ει λας τον τα

ρα χον α αυ τω ων τη ης ψυ υ χης δει ξας τας χει ει ει

ει ει ρας και αι αι τους πο ο δα α α ας σου

πλην α πι στου ουουν των ε ε ε ε ε τι τη της τρο

φης με τα α λη η η ψει και δι δα χων α να

μνη η η η σει δι η νοι ξας αυ το ο ον το ο

ο ον νουν του συ νι ε ε ναι τα ας Γρα α α φας



οις και την πατρι κην επαγγε λι αν κα α α θυ πο ο



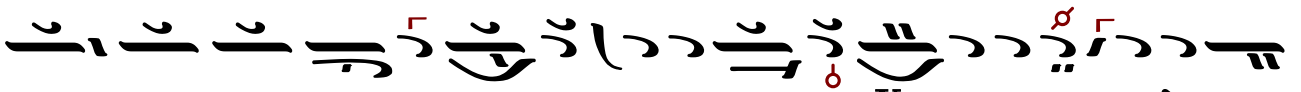
σχο ο με ε ε ε νος και ευ λο γη σας α αυ τους δι



ε στη η ης προς ου ου ρα α α α νον δι



ο ο ο ο συν α αυ τοις προσ κυ νου ου ου ου με εν



σε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε Κυ υ υ ρι ι ε δο ο



ο ο ξα α α α σοι

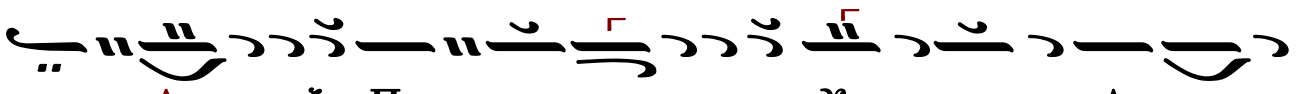
Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ π Πά

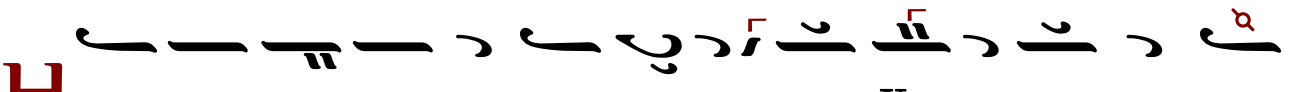
Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.286*



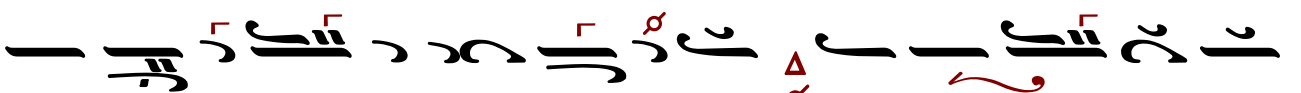
με ε Δο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι ι ω και Α γι ι



ω Πνε ευ μα α α τι



Η ο ο ον τως ει ρη νη η συ Χρι ι στε προς αν



θρω ω ω που ους Θε ε ε ου ει ρη η νη την

ση η ην δι ιδους με τα την ε ε ε γε ε ερ σιν μα α
 θη η η η ταις εμ φο ο ο ο ο ο ο ο βους
 ε δει ει ξας α αυ τους δο ο ξα α α αν τας πνε ε ευ
 μα α ο ο ο ραν αλ λα κα α τε ε στει ει ει
 λας τον τα ρα α χο ο ον αυ τω ων τη ης ψυ υ υ
 χης δει ει ει ξας τας χει ει ει ει ει ρας και αι
 αι αι του ους πο ο ο ο δα α α ας σου πλην α πι
 στου ου ουν των ε ε ε ε ε τι τη της τρο φη η ης
 με ε τα λη η η η ψει και δι δα χω ω ων α
 να μνη η η η σει δι η νοι ξας αυ τω ω ων το ο
 ο ον νουν του συν ι ε ε ναι τα ας γρα α α φας
 οισ και την πα τρι κην ε παγ γε λι ι ι αν κα α θ
 υ πο ο σχο ο με ε ε ε νος και ευ λο γη η η η

η η ην δι ι δου ου ιου ου ου ους με τα τη ην ε γε ερ σι ι

ι ιν μα α θη η ταις εμ φο ο ο ο ο ο ο ο ο ο

βους ε ε δει ει ξα α ας α α αυ τους δο ξα αν

τας πνε ε ε ευ μα α ο ο ο ο ο ρα α ια α α αν

αλ λα κα τε στει ει λας τον τα α α α α α α

ρα α τον τα ρα α χον αυ τω ω ω ω ν τη ης ψυ υ χη

ης δει ει ει ει ει ει ει ξα ας τας χει ρας και αι αι

αι τους πο ο ο ο ο ο δα α α α α ια α α ας

σου πλη η ην α πι ι στου ου ουν τω ω ν ε ε ε

τι τη ης τρο φη η ης με τα λη η η ψει ει και

δι δα χω ω ω ν α α να μνη η η η η η

σει δι ι η η η η η η νοι οι οι οι οι οι οι οι

οι ξας αυ τω ω ω ω ων το ον νου ου ου ουν του

συν ι ε ε ναι τα ας γρα α α φα ας οισ και την

πα α α τρι ι ι ι ι ι ι ι ι ι την πα α

τρι ι κη η ιη η ην ε παγ γε λι ι ι ι ι ι

ι ι α α α αν καθ υ πο σχο ο ο ο

ο ο με ε ε ε νος και ευ λο ο γη η η σα ας

α α αυ του ου ου ου ου ου ου ους δι ι ε ε ε

ε ε στης προς ου ου ρα α α νο ο ο ον δι

ο ο ο ο ο συν α αυ τοι οισ προσ κυ νου ου μεν σε

ε Κυ υ ρι ι ι ι ι ι ι ε δο ο ο ξα α

α α σοι οι οι οι

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος λ π Πά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.160*

λε ε Δο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι ι και αι αι Υι υι ω

και Α γι ι ω Πνε ευ μα α α α τι

Η ον τως ει ρη η η νη συ υ Χρι ι στε ε λε ε ε ε

προς αν θρω ω ω που ους Θε ου ου ου ου ου ου ου

ει ρη η η η η νην την ση η η η η ην δι ι

ι την ση ην δι ι δου ους με τα τη ην ε ε γε ερ σι

ι ι εν Μα α θη η ται αι και αι αι αις ημ φο ο ο

ο ο ο ο ο ο ο ο βου ους ε δει ει ξα ας αυ του ου

ου ου ουου ους δο ο ξα αν τας Πνε ε ε ευ μα α α

α α α ο ο ο Πνευ μα α ο ο ρα α α αν αλ λα

κα α τε ε ε ε ε ε στει ει ει ιει ει ει ει

λας τον τα αρα αχον α αυ τω ω ωων τη ης ψυ υ

χη η η ης δει ει ει ει ει ξας τας χει ρα α ας και

αι αι του ους πο ο ο ο ο δα α α α α ια α α ας

σου πλην α α πι ι ι στου ου ουν των ε ε ε ε ε ε

υε ε ε ε τι τη τη η η η ης τρο ο ο

ο ο ο ο ο ο ο ο φη η η η ιη η η η ης με ε

ε ε τα α α α α α α α α α λη η η με ε τα

λη η η η η η η η ψει και αι δι ι ι ι ι

νου ου ου ου με προσ κυ νου ου με εν σε **Κυ** ρι
 ι ι ι ι ι ε δο ο ο ο ξα α α α α α
 α α σοι

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος λ π Πά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.22*

υε ε **Δο** ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και αι αι Υι υι ω και
 α γι ι ι ω ω ω Πνε ευ μα α α τι
Η ο ο ον τως ει ρη νη η συ υ Χρι ι στε ε ε
 ε ε ε ε ε ε ε ε ε προς αν θρω ω ω πους Θε
 ε ου ου ου ου ου ει ρη η η η η η νην τη ην σην δι
 ι δου ους με τα α τη ην ε ε ε γερ σι εν μα α α
 α α α θη η η η μα α θη η ται αις εμ φο ο ο

ο ο ο ο ο βου ους ε δει ει ξα ας α αυ του ου ιου ου ου ους

δο ο ξα αν τας πνε ε ε ευ μα ο ο ρα α α αν αλ

λα α κα α τε ε ε ε ε ε στει ει ει ει ει ιει ει

ει ει λας το ον τα ρα α χο ον α αυ τω ω ω ων τη ης ψυ

υ χη ης δει ει ει ξας τα ας χει ει ει ρα ας και αι του ους

πο ο ο ο ο δα α α α α ια α α ας σου πλην

α α πι ι ι στου ου ουν των ε ε ε ε ε ιε ε ε ε

τι τη της τρο φη η ης με ε τα α α λη η η

η η ψει και δι δα α χων α α να α α μνη η

η η η η η η α α να α μνη η η η ιη η η η

η η η η η σει δι ι η νοι οι ξα ας α αυ τω ω

ω ων το ον νουν του ου συν ι ι ε ναι αι τα α α α α ας γρα

α α α τα ας γρα α φα ας οισ και την πα τρι κην ε πα γ

στε ε ^{ΔΙ} προς ανθρωωωω που ους Θε ε ε

ου ^{ΠΑ} ειρη η η η η η η νην την ση η ην δι

ι δου ους ^Δ με τα την ε ε ε ε γε ερ σιν μα

αθη η η ται αι αις ^Π εμ φο ο ο ο ο ο

βου ους ε ^Χ δει ει ξας α αυ του ου ου ου ου ους δο

ο ^Δ ξα αν τας ^Π πνε ε ευ μα α ο ο ο ρα α

αν ^Π αλ λα α ^{ΔΙ} κα τε ε ε ^Π στει ει ει ει ει ει λας

τον τα α α ^{ΠΑ} ρα α χον αυ τω ω ω ω ων τη η

ης ψυ υ χη ης ^Δ δει ει ει ει ει ^Π ξας τας χει ρα ας και

αι τους πο ο ο ο ο ^Π δα α α ας σου ^Π πλη ην α

πι ^{ΝΗ} στου ουν τωων ε ε ε ^{ΠΑ} τι ^Δ ι τη της τρο φη ης με

τα α λη η η η ψει και δι δα χων α

α α α να α α μνη η η σει ει δι η η η νοι

οι ξας α αυ τω ω ω ων το ο ον του ουν του συν ι

ε ε ναι τα ας γρα α α φας οισ και την πα τρι

κην ε παγ γε λι ι ι ι α αν κα α ααθ υ πο ο

σχο ο ο ο ο με ε ε ε λε ε ε ε νος και

ευ λο γη η η η σα α ας α αυ τους δι ε ε

ε ε στη ης προς ου ου ρα α α νο ο ον δι

ο ο ο ο ο συν α αυ τοι οι οι οισ προσ κυ νου ου

ου ου ου με εν σε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε Κυ υ υ ρι ι ε δο ο ο ξα α α α σοι

ἕτεροι θεσεις:

* ^{ΚΕ} και δι δα χων α να α α μνη η η η η η η η η

η η η α να α μνη η η η η η η η η η η

σει

*¹ Δι ε στης προ ος ου ου ρα νο ο ο ο ο ο ο ον Δι

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος λ π Πά

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

υε ε Δο ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι και αι αι

Υι υι ω και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α

τι

Η ον τως ει ρη η νη η συ υ υ Χρι ι στε

προς αν θρω ω ω ω ω που ου ους Θε ε ου

ει ρη η η η η η η η η νην τη ην σην δι ι

δου ους με τα την ε ε ε γε ε ερ σιν Μα α α

θη η η η ταις εμ φο ο ο ο ο βου ους ε ε

δει ει ει ξα α ας α αυ τους δο ο ο ξα α

α α αν τας πνε ε ε ε ε ευ μα ο ο ο

ραν αλ λα κα α τε ε στει ει ει λας τον τα

α ρα α α χον αυ τω ω ω ω ων τη η

ης ψυ υ χης δει ξας τας χει ει ει ει ρας και αι

αι τους πο ο ο δα α α α α ας σου πλη

ην α πι στου ου ου ουν των ε ε ε τι τη της τρο φη

η η η ης με ε ε τα λη η η η η ψει και

δι δα χων α α α να α α μνη η η η σει

ει δι η η η νοι ξας α αυ τω ω ων

το ο ο ο ον νουν του συ νι ε ε ε ναι τα ας

Γρα α α φας οισ και την πα τρι κην ε παγ γε

λι ι ι αν κα α α α θυ πο σχο ο ο ο με ε

ε ε νος και ευ λο γη η η σα α ας α αυ

τους δι ε ε στη η ης προς ου ου ου ρα α α

α νον δι ο ο ο ο ο ο συν αυ τοις προσ κυ νου ου

ου ου ου ου ου με ε εν σε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε ε Κυ υ υ ρι ι ι ι ε δο ο ο ξα

α α α σοι

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ π Πά χ

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.150*

ΜΕΛ , ΠΑ
Ν ε ε Δο ο ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι και αι αι
ΔΙ ΠΑ ΜΕΛ
Υι ω και α α γι ι ω ω Πνε ευ μα α α τι π
ΠΑ ΔΙ
Η ον τως ει ρη η νη η συ υ υ Χρι στε προς
ΚΕ
αν θρω ω ω πους Θε ε ου ει ρη η η η
ΠΑ ΜΕΛ ΔΙ
η η η νη την σην δι δου ου ους με τα την ε
ΠΑ ΜΕΛ
ε ε ε ε γε ε ε ρσιν μα α α θη η η η ταις εμ
ΚΕ ΔΙ ΠΑ
φο ο ο ο ο ο βου ους ε ε δει ει ξας α αυ
ΔΙ ΠΑ ΜΕΛ
τους δο ο ο ο ξα α α αν τας Πνε ευ μα α α ο
ΜΕΛ ΚΕ
ο ο ραν αλ λα α κα α τε ε στει ει ει λας
ΔΙ ΠΑ ΜΕΛ
τον τα α ρα α α χο ο ον αυ τω ω ων της ψυ υ

υ χης ^{ΠΑ} δει ^{ΚΕ} ει ει ξα ας τας χει ει ει ει ει ει ρας

και ^{ΔΙ} αι αι ^{ΠΑ} αι αι του ^{ΜΕΛ} ους πο ο ο ο ο δα α α ας

σου ^{ΠΑ} πλη ην α ^{ΜΕΛ} πι ^{ΠΑ} στου ου ου ου ουν των ε ε ε ε ε

ε τι ^{ΔΙ} τη της τρο ^{ΠΑ} φη η η ης με ε τα α λη η

η η η ^{ΜΕΛ} ψει ^{ΜΕΛ} και ^{ΚΕ} δι ^{ΚΕ} δα ^{ΚΕ} χων α α α α α

να α α ^{ΔΙ} μνη η η η ^{ΚΕ} σει ει ^{ΔΙ} δι ^{ΚΕ} η η η ^{ΚΕ} νοι ξας

α αυ ^{ΔΙ} τω ^{ΚΕ} ω ω ^{ΜΕΛ} ων το ο ο ον ^{ΚΕ} νουν του ^{ΚΕ} συ ^{ΚΕ} νι

ε ε ^{ΔΙ} ναι ^{ΠΑ} τας ^{ΜΕΛ} γρα ^{ΠΑ} α α ^{ΚΕ} φας ^{ΚΕ} οισ και την ^{ΚΕ} πα ^{ΚΕ} τρι ^{ΚΕ} κην

ε ^{ΚΕ} παγ γε ^{ΔΙ} λι ι ι αν ^{ΚΕ} κα α ^{ΚΕ} αθ υ ^{ΚΕ} πο ο ^{ΚΕ} σχο ο

ο ο ο ^{ΠΑ} με ε ε ε ^{ΜΕΛ} νος και ^{ΜΕΛ} ευ ^{ΒΞ} λο ^{ΜΕΛ} γη η η η ^{ΜΕΛ} σας αυ

του ^{ΚΕ} ου ^{ΚΕ} ου ου ^{ΚΕ} ους ^{ΔΙ} δι ^{ΠΑ} ε ε ε ε ε ^{ΚΕ} στη η ης ^{ΚΕ} προς

ου ου ου ρα α α α νον δι ο ο ο ο συν αυ
 ,

 τοις προ σκυ νου ου ου ου ου ου με εν σε ε ε ε

 ε ε ε ε ε ε ε ε Κυ υ υ υ ρι ι ε δο ο ο

 ο ξα α α α σοι

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος λ π Πά

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.486/1356#

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και αι αι Υι υι ω και α

 γι ι ω Πνε ευ μα α α τι

Η ο ο ον τως ει ρη νη η συ Χρι ι στε προς αν

 θρω ω ω που ους Θε ε ε ου ει ρη η νην την

 ση η ην δι ι δους με τα την ε ε ε γερ σι ιν μα θη η ται

αις ^π εμ φο ο ο ο ο ο ο ο ο βους ε δει ει ξας α αυ

τους ^δ δο ο ξα α α αν τας ^δ πνε ε ε ευμα ο ο ρα αν ^π

αλ λα α κα τε ε ε στει ει ει ει ει ει λας ^ν τον

τα α ρα α χον αυ τω ω ων τη ης ψυ υ υ χης ^π δει

ει ει ξας τας χει ει ει ει ει ρας και αι αι αι του ους

πο ο ο ο δα α α ας σου ^π πλη ην α πι στου ου ουν των ε

ε ε τι ^π τη της τρο φη η ης με ε τα λη η η

η ψει ^π και δι δα χω ω ων α να μνη η η η σει ^δ

δι η νοι ξας αυ τω ω ων το ο ο ο ον νουν ^κ του συν

ι ε ε ναι τα ας γρα α α φας ^π οισ και την πα τρι κην

ε παγ γε λι ι ι ανκα θυ πο σχο ο ο ο με ε ε

ε νος και ευ λο γη η η η σας α αυ τους δι ε ε
 ε στης προς ου ρα α α νο ο ο ον δι ο ο ο
 συν α αυ τοις προσ κυ νου ου ου με ε ε ε ε εν
 σε Κυ ρι ι ε δο ο ο ξα α α α σοι

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος λ π Πά χ

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
 Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
 Ὅρθρος 1987 σ.579*

ΠΑ
 με ε Δο ο ο ο ο ξα Πα τρι και αι αι Υι υι ω Δ
 και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι π
 ΠΑ ΔΙ
 Η ο ο ον τως ει ρη η νη η συ Χρι ι στε προς
 αν θρω ω ω ω πους θε ε ου ει ρη η η η η νη
 τη ην σην δι ι δους με τα την ε ε γε ε ερ σιν

μα α θη η η η ταις εμ φο ο βους ε ε δει ει

ξα α ας α αυ τους δο ο ο ο ο ο ο ο ο ξα αν

τας πνε ε ευ μα α ο ο ο ραν αλ λα α

κα α τε ε στει ει ει λας τον τα ρα χον αυ το ο

ο ον της ψυ υ υ χης δει ει ει ξας τας χει ρας και

αι αι τους πο ο ο δα α α α σου πλη η ην α α πι

ι ι στου ου ου ουν των ε ε ε τι τη της τρο φη

η ης με ε τα λη η η η ψει και δι δα χω ω ω

ων α α να μνη η η η σει δι η νοι ξας αυ τω

ω ω ων το ο ον νουν του συ νι ε ε ε ναι τα ας γρα

α α φας οι οι οισ και την Πα τρι κην ε πα γ γε λι

θρω ω ω ω πους Θε ε ου ει ρη η η νην τη ην σην

δι δους με τα την ε ε ε γερ σι ιν μα α α θη

ταις εμ φο ο ο ο ο βους ε ε δει ει ει

ξας α αυ τους δο ο ο ξα α α αν τας πνε ε

ευ μα ο ο ο ραν αλ λα α κα α τε ε στει ει λας

τον τα α ρα α α χον αυ τω ω ω ω ν της ψυ υ χης δει

ξας τας χει ει ει ρας και αι αι τους πο ο ο δα α α ας

σου πλη ην α πι στου ου ουν των ε ε ε τι τη της τρο

φη ης με ε ε τα α α λη η η ψει και δι δα α

χων α να α α μνη η η σει ει δι η νοι ξας αυ τω

ω ω ν το ο ο ο ν νουν του συν ι ε ε ε ναι τα

ας γρα α α φας οἰς και την πα τρι κην ε παγ γε λι ι

ι αν κα α α α θυ πο ο σχο ο ο ο με ε ε ε

νος και ευ λο γη η η η η σα α ας αυ τους δι

ε ε στη η ης προς ου ου ου ρα α α α νον

δι ο ο συ υ υν αυ τοις προς κυ νου ου ου με ε

ε εν σε Κυ υ ρι ι ε δο ο ο ξα α α α σοι

πλη ην α πι στου ου ου ουν τω ω ων ε ε ε τι τη

της τρο φης με ε τα α λη η η ψει ει και

προς κυ νου ου ου ου ου ου ου με ε εν σε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε Κυ

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐωθινὸν ζ'

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:1-10

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 20:1-10

Τῇ μιᾷ τῶν Σαββάτων, Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ ἔρχεται πρώτη, σκοτίας ἔτι οὔσης, εἰς τὸ μνημεῖον καὶ βλέπει τὸν λίθον ἠρμένον ἐκ τοῦ μνημείου. ² Τρέχει οὖν καὶ ἔρχεται πρὸς Σίμωνα Πέτρον, καὶ πρὸς τὸν ἄλλον μαθητὴν, ὃν ἐφίλει ὁ Ἰησοῦς, καὶ λέγει αὐτοῖς· Ἦραν τὸν Κύριον ἐκ τοῦ μνημείου, καὶ οὐκ οἶδαμεν ποῦ ἔθηκαν αὐτόν. ³ Ἐξῆλθεν οὖν ὁ Πέτρος, καὶ ὁ ἄλλος μαθητὴς, καὶ ἦρχοντο εἰς τὸ μνημεῖον. ⁴ Ἐτρεχον δὲ οἱ δύο ὁμοῦ· καὶ ὁ ἄλλος μαθητὴς προέδραμε τάχιον τοῦ Πέτρου, καὶ ἦλθε πρῶτος εἰς τὸ μνημεῖον· ⁵ καὶ παρακύψας, βλέπει κείμενα τὰ ὀθόνια· οὐ μέντοι εἰσῆλθεν. ⁶ Ἐρχεται οὖν Σίμων Πέτρος ἀκολουθῶν αὐτῷ, καὶ εἰσῆλθεν εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ θεωρεῖ τὰ ὀθόνια κείμενα, ⁷ καὶ τὸ σουδάριον, ὃ ἦν ἐπὶ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ, οὐ μετὰ τῶν ὀθονίων κείμενον, ἀλλὰ χωρὶς ἐντετυλιγμένον εἰς ἓνα τόπον. ⁸ Τότε οὖν εἰσῆλθε καὶ ὁ ἄλλος μαθητὴς ὁ ἔλθων πρῶτος εἰς τὸ μνημεῖον, καὶ εἶδε, καὶ ἐπίστευσεν· ⁹ οὐδέπω γὰρ ᾔδεισαν τὴν Γραφὴν, ὅτι δεῖ αὐτὸν ἐκ νεκρῶν ἀναστῆναι. ¹⁰ Ἀπῆλθον οὖν πάλιν πρὸς ἑαυτοὺς οἱ μαθηταί.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ζ΄

ἦχος β΄

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ΄)

Υψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον ζ΄

Ἐπι ἦραν τὸν Κύριον, τῆς Μαρίας εἰπούσης, ἐπὶ τὸν τάφον ἔδραμον, Σίμων Πέτρος, καὶ ἄλλος, μύστης Χριστοῦ, ὃν ἠγάπα, ἔτρεχον δὲ οἱ δύο, καὶ εὔρον τὰ ὀθόνια, ἔνδον κείμενα μόνα, καὶ κεφαλῆς, ἣν δὲ τὸ σουδάριον χωρὶς τούτων διὰ πάλιν ἠσύχασαν, τὸν Χριστὸν ἕως εἶδον.

Θεοτοκίον

Μεγάλα καὶ παράδοξα, δι' ἐμὲ κατειργάσω, Χριστέ μου πολυέλεε· ἐκ παρθένου γὰρ Κόρης, ἐτέχθης ἀνερμηνεύτως, καὶ Σταυρὸν κατεδέξω, καὶ θάνατον ὑπομείνας, ἐξανέστης ἐν δόξῃ, καὶ τὴν ἡμῶν, φύσιν ἠλευθέρωσας τοῦ θανάτου. Δόξα Χριστέ τῇ δόξῃ σου, δόξα τῇ σῇ δυνάμει.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη





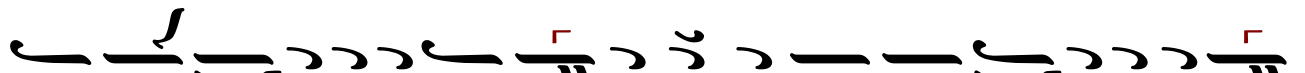

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος Δι

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματάριον 1820 σ.250*


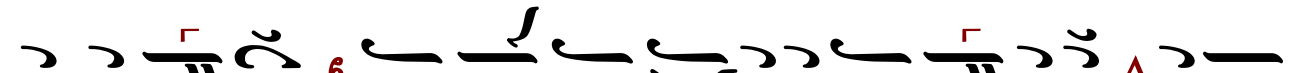

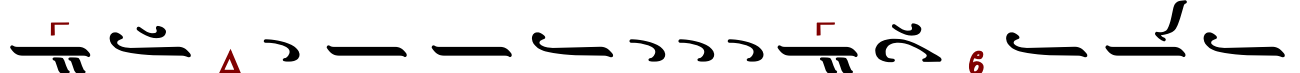
Ο τι η ρα αν τον Κυ υ ρι ον της Μα ρι α ας ει που
ου σης ε πι τον τα α φον ε ε δρα μον Σι μων Πε


 τρο ος και α αλ λος μου στης Χρι στου ο ον η γα α πα ε

 τρε χον δε ε οι δυ υ ο και ευ ρον τα α ο θο ο νι α

 εν δον κει με ε να μο ο να και κε φα λη η η ης

 ην δε το σου δα ρι ον χω ρις του ου ου ου ου των

 δι ο πα λι ν η συ υ χα σαν τον Χρι στον ε ε ως ει ει

 δον

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Αναστασιματάριον
 Πέτρου Εφεσίου
 1820 σ.250*


Mε γα λα και αι πα ρα α δο ξα δι ε με κα α

 τειρ γα α σω Χρι στε μου πο ο λυ ε ε λε ε εκ Παρ

 θε νου ου γαρ κο ο ρης ε τε χθης α νε ερ μη νευ

 ευ τως και Σταυ ρον κα α τε δε ε ξω και θα να

τον υ υ πο μει ει νας εξ α νε στη ης εν δο ο

ξη και την η μω ω ω ων φυ σιν η λευ θε ρω

σας του ου θα να α του δο ξα Χρι στε ε τη δο ο ξη

σου δο ξα τη ση η δυ να μει ει ει ει ει

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος ΒΨ

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.474/1344#

Ο τι η ρα αν τον Κυ υ ρι ον της Μα ρι α ας

ει που ου σης ε πι τον τα α φον ε ε δρα μον

Σι μων Πε ε τρος και αλ λος μυ στης Χρι στου ο ον η γα

α πα ε τρε χον δε οι δυ υ ο και ευ ρον τα α ο

θο ο νι α εν δο ον κει με ε να μο ο να και κε φα λη η

η ης ην δε το σου δα ρι ον χω ω ρι ις του ουου ου των

δι ο πα λιν η συ χα σα α αν τον Χρι στον ε ε ως ει ει

δο ον

Θεοτοκίον

Mε γα λα και αι πα ρα α δο ξα δι ε με κα α

τει ρ γα α σω Χρι στε μου πο ο λυ ε ε λε ε εκ Πα ρ

θε νου ου γαρ Κο ο ο ρης ε τε χθης α νε ρ μη νε ευ

τως και Στα αυ ρον κα α τε δε ε ξω και θα να τον υ πο μει

ει ει νας εξ α νε στη ης εν δο ο ξη και την η

μω ων φυ σιν η λευ θε ρω σας του ου θα να α του

δο ξα Χρι στε ε τη δο ο ξη σου δο ξα τη ση η δυ να α μει

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.10#

Ο τι η ρα α αν τον Κυ υ ρι ον της Μα α ρι
 α ας ει που ου σης ε πι το ον τα α α φον ε
 ε δρα μον Σι μων Πε τρο ος και α αλ λος μυ στης Χρι ι
 στου ο ον η γα α πα ε τρε χον δε ε οι δυ υ ο
 και ευ ρον τα α ο θο ο νι α εν δο ον κει με
 ε να μο ο να και κε φα λη η η η ης η η η ην
 δε το σου δα ρι ον χω ρις του ου ου ου ου των δι
 ο πα λιν η συ υ χα σαν τον Χρι ι στον ε ε ως ει

ει δον

Χρυσάνθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρυσάνθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.238#

^{Βῤ} ^{ΜΕΛ} ^{Βῤ}
Ο τι η ρα αν τον Κυ υ ρι ον της Μα α ρι α ας ει
^{ΓΑ} ^{ΔΙ} ^{ΜΕΛ}
 που ου σης ε πι το ον τα α α φον ε ε δρα
^{Βῤ}
 μον ^Δ Σι μων Πε τρο ος και α αλ λος ^ε μυστης Χρι στου
^{ΜΕΛ} ^{Βῤ}
 ο ον η γα α πα ε τρε χον δε ε οι δυ υ ο
^{ΔΙ} ^{ΜΕΛ} ^{Βῤ}
 και ευ ρον τα α ο θο ο νι α εν δον κει με ε
^{ΜΕΛ} ^{Βῤ} ^{ΜΕΛ}
 να μο ο ο να και κε φα α λη η η η ης
^{Βῤ}
 η η ην δε το σου δα ρι ον χω ρις του ουου ου των
^{ΝΗ} ^{ΔΙ} ^{ΓΑ} ^{Βῤ}
 δι ο πα λιν η συ χα σα α α αν τον Χρι ι στον ε ε

ως ει ει δο ον
MEΛ

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒϚ

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.239#

MEΛ
BϚ MEΛ ΓΑ BϚ
M ε γα λα και αι πα ρα α δο ξα δι ε ε με κα ατ
ει ρ γα α σω Χρι στε μου πο ο λυ ε ε λε ε εκ
BϚ MEΛ
Πα αρ θε νου ου γαρ κο ο ρης ε τε χθης αν ε ρ μη
ΓΑ BϚ ΔΙ
νε ευ τως και στα αυ ρον κα α τε δε ε ξω και θα να
MEΛ ΓΑ BϚ
το ον υ πε ε μει νας εξ α α νε στη ης εν δο ο
MEΛ BϚ
ο ξη και την η μω ω ω ω ν φυ υ
ΔΙ
υ σιν η λευ θε ρω σας του ου θα να α του δο ξα
MEΛ BϚ
Χρι ι στε ε τη δο ο ξη σου δο ξα τη η ση η δυ να
α μει ει

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ζ'

| | |
|---|--|
| ἦχος βαρὺς | Πέτρου Ἐφεσίου |
| Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι. | Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου |
| Ἰδοὺ σκοτία καὶ πρωΐ, καὶ τί πρὸς τὸ μνημεῖον Μαρία ἔστηκας, πολὺ σκότος ἔχουσα ταῖς φρεσίν; ὕψ' οὐ ποῦ τέθειται ζητεῖς ὁ Ἰησοῦς. Ἄλλ' ὄρα τοὺς συντρέχοντας μαθητάς, πῶς τοῖς ὀθονίοις καὶ τῷ σουδαρίῳ, τὴν ἀνάστασιν ἐτεκμήραντο, καὶ ἀνεμνήσθησαν τῆς περὶ τούτου γραφῆς. Μεθ' ὧν, καὶ δι' ὧν καὶ ἡμεῖς, πιστεύσαντες, ἀνυμνοῦμέν σε τὸν ζωοδότῃν Χριστόν. | Ἰωάννου Πρωτοψάλτου Ἰωάσαφ Διονυσιάτου Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ-Γα Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ-Ζω Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου-Γα Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου-Ζω Κωνσταντίνου Πρίγγου Ἀθανασίου Καραμάνη Κωνσταντίνου Παπαγιάννη Ἐλευθερίου Γεωργιάδη-Γα Ἐλευθερίου Γεωργιάδη-Ζω Κωνσταντίνου Λάμπρου |

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος Γα

Πέτρου Ἐφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.251*



 Δ ο ξ α Πα τρι ι και Υι υι ω ω και α γι ι ω Πνευ



 μα τι ι



 | δου σκο τι α α και πρω ω ι ι και τι προ ος το μνη



 μει ει ο ο ον Μα ρι ι α ε στη κα ας πο

λυ σκο ο τος ε ε ε χου ου σα α ται αι αι αις φρε ε ε
 σιν υφ ου που ου τε θει ει ται ζη τει εις ο Ι η σου
 ους αλλ ο ο ρα τους συν τρε ε χον τα α ας μα θη η
 τας πως τοις ο θο ο νι οι οις και τω ω σου ου δα ρι ι
 ω την α να στα α σι ι ι ιν ε ε τε κμη η
 ρα αν το ο και α νε μνη σθη σαν της πε ρι ι του ου
 ου ου του γρα α φης μεθ ω ων και δι ι ων και η
 μεις πι ι στευ σαν τε ες αν υ μνου ουμεν σε ε τον ζω ω
 ω δο ο ο τη ην Χρι ι στον

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος Γα

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον
 1865 σ.410*

Δ ο ξα Πατρι ι ι ι ι και Υι υι ω και α γι ι ω

ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου ου σκο τι ι α και πρω ω ι και τι προς

το μνη η μει ει ει ον Μα ρι ι ι α ε ε στη η κας

πο λυ σκο το ος ε ε χου ου σα α ται αι αι αις φρε ε ε

σιν υφ ου που τε θει ται αι ζη τει εις ο Ι η σου

ους αλλ ο ο ρα τους συν τρε ε ε χον τα ας μα θη η τας

πω ως τοις ο θο ο νι ι ι οις και τω σου ου δα ρι ι

ι ω την Α να στα α σι ι ι ι ν ε ε τε χμη ραν

το ο και α νε ε μνη σθη σαν τη ης πε ε ρι ι του

ου ου ου του ου γρα α φης μεθ ω ω ω ω ω ν και δι ι

ων και η μει εις πι ι στευ σα αν τες α νυ μνου μεν σε το ον

ζω ο ο δο ο ο ο τη ην Χρι ι στον

Δ ο ξα Πατρι ι ι ι ι και Υι υι ω και α γι ι

ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου σκο τι α α και πρω ω ι και τι προς το μνη η μει

ει ει ον Μα ρι ι α ε στη κα ας πο λυ σκο ο ο

το ος ε ε χου σα α α α ται αις φρε ε σιν υφ

ου που τε θει ται αι ζη τει εις ο Ι η σου ους αλλ

ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε ε ε χον τας μα θη η

τας πως τοις ο θο ο νι ι ι οις και αι τω σου ου

δα ρι ι ι ω την α να στα α σι ι ι ι ν ε ε

τε χμη ραν το ο και α νε μνη σθη η σαν της περι ι του

ου ου ου του γρα α φης μεθ ω ωων και δι ι ων και η

μεις πι ι στευ σα αντες α νυ μνου με εν σε τον ζω ο ο δο

ο ο ο την Χρι ι στον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος Γα

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.370*

Δ ο ξα α α Πα τρι ι ι και αι Υι υι ω ω

και Α γι ι ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου ου σκο τι α και αι πρω ω ω ι ι και τι

προ ος το μνη μει ει λει ει ει ει ον Μα ρι ι α α

α ε ε στη η η κας πο λυ σκο ο ο τος

ε ε ε ε χου ου ου σα ται αι αι αις φρε ε ε

σιν υφ ου που τε ε θει ει ται αι ζη τει εις ο ο
 Ι ι η η σους αλλ ο ο ο ο ο ο ρα τους συν τρε
 ε ε χον τα ας μα α θη η τας πω ως τοις ο θο
 νι ι ι ι ι οις και τω σου δα ρι ι ι ι ι
 ω ω την α να α στα α σι ι ι ιν ε ε τε κμη
 ραν το ο και α νε μνη θη σαν τη ης πε ε ε ρι
 ι του ου ου του γρα α φης μεθ ω ω ω ω ν και δι ι ω ν
 και η μεις πι ι στευ σα αντες α νυ μνου ου μεν σε ε
 το ον ζω ο δο ο ο την Χρι ι στο ο ο ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

[ΓΑ] Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος Γα

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.163*

ου ου ^φ που ου τε ε ε ε ε ε ε ε θει ει ει ει που τε ε

θει ει ται αι αι αι αι και αι αι αι αι αι αι ^δ ζη τει

εις ο ο Ι ι η η η σου ου ου ο Ι η η σου ου του ου ου

ους ^η αλλ ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο

ρα ^χ τους συν τρε ε ε χον τα α α α α α α α α

ας μα α α α α θη η τα α ια α α ας ^η πως τοις ο

ο ο ο θο ο ο νι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι

ι ι οις ^π και τω σου ου ου ου δα α α α α α α

α α α και τω σου δα ρι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι

ι ω ω ιω ω ω ω ^η την Α να α α στα α α

α α α ια α α σιν ε τε κμη η η η η η η η η η η

ρα α ε τε κμη ρα αν το ο λο ο ο ο και α νε

μνη σθη σαν της πε ρι ι του ου ου του γρα α φη η η η η η

ης μεθ ω ω ω ω ω ων και αι αι αι και αι δι ι

ω ων και η η μει εις πι ι ι στε ε ε ε ε ε

ε λε ε ε ευ σα α α α α ια α α αν τε ε ε

ε ε ε ε ε πι στευ σα αν τε ε λε ε ε ες

α νυ υ μνου με εν σε τον ζω ο ο δο ο ο ο τη ην Χρι ι στο

ο λο ο ο ον

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

[ZΩ] Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

γένος διατονικό, σύστημα διαπασασών

Ἦχος Ζω

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.166*

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και Α γι ι ω ω

Πνευμαατι

δουσκοτιιιακαιαιαιαιαιπρωωω

ιι καιτιπροςτομνηημειειειοον Μαρι

ιιαααεεστηηκαςπολυυσκοοο

τοςεχουουσαααταιςφρεεσιιιινυφου

πουτεεθειειταιαιζητειειειςοΙιηη

σουουλουουουουςαλλοοοορατουουςσυυν

τρεεεχονταασμαθηητααααςπωςτοιςοθοο

νιιιιουςκαιτωσουουουουουδαριιιιι

ωτηνανασταασινεεετεκμηηηηραα

ααντοκαιανεμνησθησαντοιουςπεριιτουου

ου ου του γρα α α φη ης μεθ ω ω ω ω ω ω ω

ω ω ων και αι αι αι αι αι δι ι ι ι και αι δι ι ω

ων και η μεις πι ι ι στε ευ σα αν τες α νυ

μνου ου ου ου ου ου με ε α νυ μνου ου με ε εν σε ε

τον ζω ο δο ο ο ο την Χρι ι στο ο ο ο ο ο

ον

[ΓΑ] Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος Γα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδεκα Ἑωθινά 1886 σ.26*

Δ ο ξα Πατρι ι ι ι ι και Υι υι ω και αι α α

γι ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου σκο τι α και πρω ω ι ι και τι προς το μνη η

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
μει ει ει ον Μα α ρι α α α ε ε στη η η

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
κας πο ο λυ υ σκο ο ο ο ο ο ο ο το ος ε χου ουσα α

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
α α ταις φρε ε σι ι ι ι ι ν υ υφ ου ου ου ου ου ου

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
που τε θει ται ζη η τει εις ο ο Ι ι η η σου ου ιου ου ου ου

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
ους α αλλ ο ο ο ο ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε ε ε ε

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
χον τας μα θη η τας πως τοις ο ο ο ο θο ο ο

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
νι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι οις και αι

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
τω ω σου δα ρι ι ι ι ι ι ι ι ω την α να




דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
α α α στα την α να α α στα α σι ι ι ι ι ν ε

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
ε τε κμη η ε τε κμη η ρα αν το ο ο ο και α νε

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
μνη σθη η σαν της πε ρι ι του ου ου ου του γρα α φης μεθ

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
ω ω ω ω ν και αι αι αι αι αι αι δι ι ω ω ω ω

דַּבְּרֵנוּ לְךָ יְיָ אֱלֹהֵינוּ מֵעַתָּה וְעַתָּה
ω ω ω ν και η μεις πι ι στε ε ε ε ε ε ε ε υ σα α


 α πιστευ σα αν τε ε λε ε ε ε ε ε ε ε ες προσ κυ νου

 με εν σε τον ζω ο ο δο ο ο ο τη ην Χρι ι στο ο ο

 ον

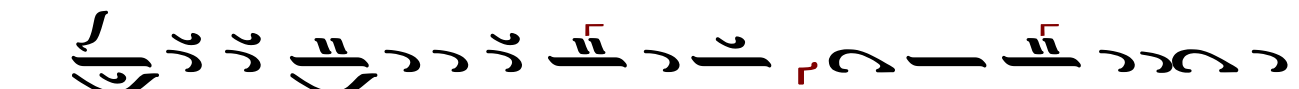
Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

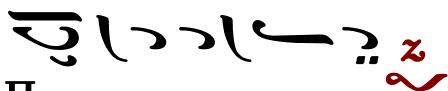
Λουκάς Λουκά


[ZW] Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

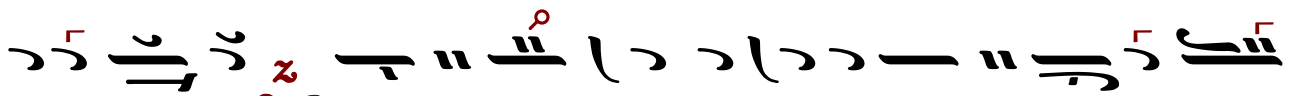
Ἦχος Ζω


Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά' Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.29*

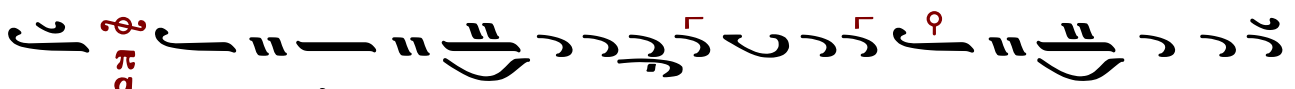

 Δ ο ξα Πα τρι ι ι και Υι υι ω και α γι ι ω ω



 Πνευ μα α τι ι


 δου ου σκο ο ο τι ι α και αι πρω ω ι ι ι


 ι ι ι ι και αι τι προς το ο μνη η μει ει ει


 ει ει ον Μα α ρι ι ι α α α ε ε στη η η


 κας πο ο λυ υ σκο ο ο ο ο ο ο ο το ος ε χου ου σα


 α α α ταις φρε ε σι ι ι ι ιν υ υφ ου ου ου ου

ου του ου χου ου ου ουου που ου τε θει ει ει που τε ε

θει ει ται ζη η τει εις ο ο Ι ι η η σου ου του ου ου ους α

αλλ ο ο ο ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε χο τους συν

τρε ε ε ε χον τα α α ας μα θη η τα α α ας

πω ως τοις ο θο ο ο νι ι ι ι οις και τω ω

σου ου δα α ρι ι ι ι ω ω ω την Α να α α α α

α α στα την α να α στα α σι ι ι ι ν ε ε τε ε

ε κμη η ρα α αν το και α νε μνη σθη σαν τη ης πε

ρι ι του ου ου ου του ου γρα α α φη ης μεθ ω ω ω

ω ω ων και αι αι αι αι αι δι ω ω ω ω ω ω ω

ω ω ω ων και η μεις πι ι στε ε ε ε ε ευ σα

α α πι στε ευ σα αν τε ες α νυ μνου ου με εν σε το ον

ζω ω ο ο δο ο τη ην Χρι ι ι στο ο ο

ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος Γα

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

Δ ο ξα α Πατρι ι ι ι ι και Υι ω και α γι ι

ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου ου ου σκο ο τι ι ι α α και αι πρω ω

ι και τι ι προ ο ο ος το μνη η μει ει ει

ο ον Μα ρι ι α α α ε ε στη η η κας

πο λυ σκο ο ο ο ο το ος ε ε χου σα α α α

α α ταις φρε σιν υφ ου που τε ε θει ει ει

ται αι ζη τει εις ο ο Ι ι η σου ους αλλ

ο ο ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε χο ο ον τας

μα α θη τας πως τοι οισ ο θο ο νι ι ι οισ και

τω σου δα ρι ι ι ι ι ω την α να α

α στα α α σι ι ι ν ε ε τε κμη η ραν το ο και

α νε μνη σθη σα αν της πε ε ρι ι του ου ου ου ου του

γρα α φη ης μεθ ω ω ω ω ν και δι ω ν και

η μει εις πι ι ι στε ευ σα α αν τες α νυ

μνου με ε εν σε ε τον ζω ω ο ο δο ο ο ο ο ο την

Χρι ι στο ον

Ἦχος Γαϛ̣

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.152*

Δ ο ξα Πα τρι ι ι ι ι και Υι ι ω ω και αι α
γι ι ω ω ω Πνε ευ μα α α τι
δου σκο τι ι ι α α και πρω ω ι ι και τι ι
προς το μνη η μει ει ει ει ει ο ον Μα ρι ι ι
α ε ε στη κα ας πο λυ σκο ο ο ο το ος
ε ε χου σα α α α α ται αις φρε ε σιν
υφ ου που τε ε θη ται αι ζη τει ει εις
ο Ι ι η σου ους αλλ ο ο ο ο ο ο ρα τους συ
υν τρε ε ε ε χον τας μα α α α θη τα ας
πως τοι ος ο θο ο νι ι ι ι ι ος και αι τω σου

ΔΙ ΓΑ
 δα ρι ι ι ι ι ι ω την α να α α α
 ΔΙ ΓΑ
 στα α α α σι ι ι ι ι ν ε ε ε τε κμη η ρα αν το ο
 ΠΑ ΜΕΛ ΓΑ ΠΑ
 και α νε μνη σθη η σαν της πε ε ρι ι του ου ου ου
 ΜΕΛ ΠΑ ΓΑ
 ου του γρα α φης μεθ ω ω ωων και δι ι ων και
 ΔΙ ΓΑ
 η η μεις πι ι στε ε ευ σα αν τε ες α νυ μνου
 ΜΕΛ ΓΑ ΠΑ
 ου με εν σε ε ε ε το ον ζω ω ο ο δο ο ο ο
 ΜΕΛ Χ
 ο την Χρι ι στο ον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Γα χ

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.487/1357#

Δ ο ξα Πα τρι ι ι ι ι και Υι ω και α γι ι ω ω
 ω Πνε ευ μα α α τι

δου σκο τι α α και πρω ω ι και τι προς το μνη η

μει ει ει ον Μα ρι ι α ε ε στη κα ας πο λυ

σκο ο ο τος ε ε χου σα α α α ται αις φρε ε σιν

υφ ου που τε θει ται αι ζη τει εις ο Ι ι η σου ους

αλλ ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε χο ον τας μα

θη η τας πως τοις ο θο ο νι ι ι οις και τω σου

δα α ρι ι ι ι ω την α να στα α σι ι ι ι ν ε

ε τε κμη η ραν το ο και α νε μνη σθη η σαν της πε ρι

ι του ου ου του γρα α φης μεθ ω ω ω ν και δι ι

ων και η μεις πι ι στευ σα αν τες α νυ μνου με εν

σε ε τον ζω ο ο δο ο ο ο την Χρι ι στον

Ἦχος Γα ᾠ

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
Ὅρθρος 1987 σ.583*

Δ ο ξα Πα τρι ι ι ι ι και Υι ω και αι Α γι ι

ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

δου σκο τι ι ι ι α και αι πρω ω ι

ι ι ι ι ι ι ι ι και τι προς το μνη η μει ει ει

ο ον Μα ρι ι α α α ε ε στη η η κας

πο λυ σκο ο ο το ος ε ε χου σα α α α α ταις

φρε ε σιν υφ ου ου λου ου ου ου που ου ου τε θει

ται αι ζη η τει εις ο Ι ι η η σου ου λου ου ου ου

ους αλλ ο ο ο ο ο ο ρα τας συν τρε ε ε ε

ε χο ον τας μα θη η τας πως τοις ο θο ο νι ι ι

οἰς ^{ΠΑ} και ^{ΝΗ} αἰ τω σου οὐ δα ρι ι ι ι ι ι ι ω
 τὴν ^{ΠΑ} α ^{ΔΙ} να ^{ΠΑ} α στα α σι ι ι ιν ε ε τεκ μη η ραν το
 ο ^{ΜΕΛ} και ^{ΔΙ} α νε ^{ΠΑ} μνη η η σθη η η η σα αν της πε ρι
 του ου ου ου του γρα ^{ΔΙ} α φης μεθ ^{ΠΑ} ω ω ω ων και δι
 ων ^{ΠΑ} και η ^{ΔΙ} μεις ^{ΠΑ} πι ι στευ σα αντες α νυ μνου ου με εν
 σε τον ζω ω ω ο ο δο ο ο ο ο την Χρι ι στον

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιος

Λουκάς Λουκά

[Zw] Ἐλευθερίου Γεωργιάδου (†2016)

Ἦχος Ζω χ̣

Ἐλευθερίου Γεωργιάδου
 Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
 Ὅρθρος 1987 σ.586*

Δ ο ο ξα Πα α α τρι ι ι και Υι υι ω και α γι
 ι ω Πνευ μα α α τι
 | δου ^{ΖΩ} σκο ^{ΔΙ} τι ι α και ^{ΖΩ} αι αι αι αι πρω ω ω ι

ι και τι προ ο ος το μνη η μει ει ει ο ον Μα

ρι ι ι ι ι α α α Μα ρι ι α ε στη η η

κας πο λυ σκο ο τος ε ε χου ου ου σα α α α α

α ταις φρε ε σιν υφ ου ου ιου ου ου ου ου που ου

ου ου τε θει ει ει ται ζη η τει ει ει εις ο Ι ι η

η σου ου ιου ου ου ου ους αλλ ο ο ο ο ρα τους

συν τρε χο ον τα α α α α ας μα θη η τας πως ται

οι οισ ο θο ο νι ι ι οι οισ και τω σου ου ου ου ου

δα ρι ι ι ι ι ω την α να α στα α σιν

ε ε ε τε κμη η η η η ρα α α αν το και α νε

μνη η η σθη η η η σα αν της πε ρι του ου ου ου

του γρα α α φης μεθ ω ω ω ω ων και δι ι
 ων και η μεις πι ι στευ σα α αν τες α νυ μνου ου ου
 ου ου ου ου ου ου α νυ μνου ου με εν σε ε τον ζω
 ο δο ο ο ο την Χρι ι ι στον

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος Γα

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

Δ ο ξα α Πατρι ι ι ι και αι Υι ω και α γι ι
 ω ω ω Πνεευ μα α α τι
 δου σκο τι α α α και πρω ι ι ι και τι προ ος το
 μνη η μει ει ει ον Μα ρι ι α α α ε ε στη η η
 κας πο λυ σκο ο τος ε χου σα α α α α ταις φρε

σιν υφ ου που τε εθει ται αι ζη τει εις ο Ι η η
 σου ους αλλ ο ο ο ρα τους συν τρε ε ε ε ε χο ο
 ον τας μα θη τας πως τοις ο θο ο νι ι ι οις και τω
 σου δα ρι ι ι ι ι ω την Α να α στα α σι
 ι ι ι ν ε ε τε κμηραν το ο και α νε μνη σθη η σαν
 της πε ρι ι του ου ου ου του γρα φης μεθ ω ω ωων και
 δι ων και η μεις πι ι στευ σα αν τες α νυ
 μνου ου με εν σε ε τον ζω ο ο δο ο ο ο ο ο την
 Χρι ι στον

Ἐωθινὸν η΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:11-18

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 20:11-18

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ¹¹ Μαρία εἰστήκει πρὸς τῷ μνημείῳ κλαίουσα ἔξω· ¹² ὡς οὖν ἔκλαιε, παρέκυψεν εἰς τὸ μνημεῖον· καὶ θεωρεῖ δύο ἀγγέλους ἐν λευκοῖς καθεζομένους, ἓνα πρὸς τῇ κεφαλῇ, καὶ ἓνα

πρὸς τοῖς ποσίν, ὅπου ἔκειτο τὸ σῶμα τοῦ Ἰησοῦ. ¹³ Καὶ λέγουσιν αὐτῇ ἐκεῖνοι· Γύναι, τί κλαίεις; Λέγει αὐτοῖς· Ὅτι ἤραν τὸν Κύριόν μου, καὶ οὐκ οἶδα ποῦ ἔθηκαν αὐτόν. ¹⁴ Καὶ ταῦτα εἰποῦσα, ἐστράφη εἰς τὰ ὀπίσω, καὶ θεωρεῖ τὸν Ἰησοῦν ἐστῶτα· καὶ οὐκ ᾔδει, ὅτι ὁ Ἰησοῦς ἐστι. ¹⁵ Λέγει αὐτῇ ὁ Ἰησοῦς· Γύναι, τί κλαίεις; τίνα ζητεῖς; Ἐκείνη, δοκοῦσα ὅτι ὁ κηπουρός ἐστι, λέγει αὐτῷ· Κύριε, εἰ σὺ ἐβάστασας αὐτόν, εἰπέ μοι ποῦ ἔθηκας αὐτόν, καὶ γὰρ αὐτόν ἀρῶ. ¹⁶ Λέγει αὐτῇ ὁ Ἰησοῦς· Μαρία. Στραφεῖσα ἐκείνη λέγει αὐτῷ· Ραββουνί, (ὃ λέγεται, Διδάσκαλε). ¹⁷ Λέγει αὐτῇ ὁ Ἰησοῦς· Μὴ μου ἄπτου· οὐπω γὰρ ἀναβέβηκα πρὸς τὸν Πατέρα μου· πορεύου δὲ πρὸς τοὺς ἀδελφούς μου, καὶ εἰπὲ αὐτοῖς· Ἀναβαίνω πρὸς τὸν Πατέρα μου καὶ Πατέρα ὑμῶν, καὶ Θεὸν μου καὶ Θεὸν ὑμῶν. ¹⁸ Ἔρχεται Μαρία ἡ Μαγδαληνὴ, ἀπαγγέλλουσα τοῖς μαθηταῖς, ὅτι εἶώρακε τὸν Κύριον, καὶ ταῦτα εἶπεν αὐτῇ.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον η΄

ἦχος β΄

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Ἦψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον η΄

Δύο Ἀγγέλους βλέψασα, ἐνδοθεν τοῦ μνημείου, Μαρία ἐξεπλήττετο, καὶ Χριστὸν ἀγνοοῦσα, ὡς κηπουρὸν ἐπηρώτα, κύριε ποῦ τὸ σῶμα, τοῦ Ἰησοῦ μου τέθεικας; κλήσει δὲ τοῦτον γνοῦσα εἶναι αὐτόν, τὸν Σωτῆρα ἤκουσε· Μὴ μου ἄπτου, πρὸς τὸν Πατέρα ἀπειμι, εἰπὲ τοῖς ἀδελφοῖς μου.

Θεοτοκίον

Τριάδος κόρη τέτοκας, ἀπορρήτως τὸν ἕνα, διπλοῦν τῇ φύσει πέλοντα, καὶ διπλοῦν ἐνεργεία, καὶ ἕνα τῇ ὑποστάσει· τοῦτον οὖν ἐκδυσώπει, ἀεὶ ὑπὲρ τῶν πίστει σε, προσκυνούντων ἐκ πάσης ἐπιβουλῆς, τοῦ ἐχθροῦ λυτρώσασθαι, ὅτι πάντες, πρὸς σὲ νῦν καταφεύγομεν, δέσποινα Θεοτόκε.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος Δε

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματάριον 1820 σ.252*

Δ υ ο αγ γε ε λους βλε ε ψα σα εν δοθεν του ουμνημει
 ει ου Μα ρι α ε ε ξε πλη ητ τε το και Χρι στον
 α α γνου ου σα ως κη που ρον ε ε πη ρω ω τα Κυ

ρι ε που ουτοσω ω μα του Ι η σου ουμου τε ε θεικας

κλη σειδε του ουτογνου ου σα ει ναι αυ το ο ον τον Σω τη

ρα η κουσε μη ημου α α πτου προς τον Πα τε ε ρα α

α πειμι ει πε τοις α αδελφοι οις μου

Θεοτοκίον

Ἦχος Δι

Πέτρου Εφεσίου
Αναστασιματάριον 1820 σ.252*

Τ ρι α δος κο ο ρη τε ε το κας α πορ ρη τω ως τον ε

ε να δι πλουν τη φυ υ σει πε ε λον τα και δι

πλουν ε ε νερ γει ει α και ε να τη υ υ πο στα α

σει του τον ουν ε εκ δυ σω ω πει α ει υ πε ερ

των πι ι στει σε προσ κυ νουν τω ων εκ πα α σης ε πι

βου λη η ης του ε χθρου λυ τρω σα σθαι ο ο τι πα αν

τες προς σε νυν κα α τα φε ευ γο μεν Δε σποι να Θε ο

το κε ε ε ε ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Β΄

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.475/1345#

Δ υ ο αγ γε ε λους βλε ε φα σα εν δοθεν του μνη μει

ει ου Μα ρι α ε εξ ε πλη ητ τε το και Χρι στον α α

γνο ου ου σα ως κη που ρον ε ε πηρω ω τα Κυ

ρι ε που ου το σω ω μα του Ι η σου ου μου τε ε θει κας

κλησει δε του ου τον γνου ου ου σα ει ναι αυ τον τον Σω τη

η ρα η κου σε μη μου α α α α πτου προς τον Πα

τε ε ρα α α πει μι ει πε τοις α α δελ φοι οις μου

ου

Θεοτοκίον

Τριαδος Κοορητε ετοκας απορητωως
 τον εενα διπλουν τη φυυσει πεελοντα και δι
 πλουν ενεργειεια μιαδετη υυποσταα
 σει του τον ουν εκδυσωπεια ειυπερτων πισει
 σε προοσκυνου ουν των εκπασης επιβουλης του
 εεχθρου ουλυτρωωσασθαι οτι παντες προς σε νυν
 καταταφεευγομεν Δεσποινα Θεεοτοοκεε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδου

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματῆριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.11#

Δυο αγγελους βλεεψασα ενδο

θε εν του ου μνημει ει ου Μα ρι α ε ε ξε πλη

ητ τε το και Χρι ι στον α α γνο ου ου σα ως κη

που ρον ε ε πη ρω ω τα Κυ ρι ε που ου το σω ω

μα του Ι η η σου ου μου τε ε θει κας κλη σει

δε ε του ου τον γνου ου ου σα ει ναι α αυ το ο ο ο

ον τον Σω τη ρα η κου σε μη ημου α α πτου προς

τον Πα α τε ε ρα α α πει μι ει πε τοις α α

δελφοι οις μου ου

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.240#

MEΛ Δ υ ο αγ γε ε λους βλε ε ψα σα εν δο θε εν του

ου μνημει ει ου ^{ΔΙ} Μα ρι α ε ε ^{ΜΕΛ} ξε πλη ητ τε
 το και ^{ΓΑ ΒΞ} Χρι ι στον α α γνο ου ου σα ^{ΜΕΛ ΒΞ} ως κη που ρον ε
 ε ^{ΜΕΛ} πη ρω ω τα ^{ΒΞ} Κυ ρι ε που ου το σω ω μα ^{ΓΑ ΔΙ} του Ι
 η η σου ου ου μου ^{ΜΕΛ ΒΞ} τε ε θει κας κλη σει δε ε του ου
 τον ^{ΜΕΛ ΒΞ} γνου ου σα ει ναι αυ το ο ο ο ον τον Σω
 τη ^{ΓΑ ΔΙ} ρα η κου σε μη ημου α α πτου προς τον πα α
 τε ^{ΜΕΛ ΒΞ} ε ε ρα α α πει μι ει πε τοις α α δελ φοι
 οις ^{ΜΕΛ} μου ου

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒΞ

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.241#

^{ΜΕΛ} Τ ρι α δος κο ο ρη τε ε το κας α πο ορ ρη τω
 ως ^{ΔΙ} τον ε ε να ^{ΜΕΛ} δι πλουν τη φυ υ σει πε ε λον τα

ΓΑ ΒϞ ΜΕΛ
 και δι ι πλουν ε εν εργει ει α και ε να τη υ υ πο
 ΒϞ ΔΙ
 στα α σει του τον ουν ε εκ δυ σω ω πει α
 ΜΕΛ ΒϞ
 ει υ πε ερτων πι ι στει σε προσ κυ υ νουν τω ων εκ πα
 ΜΕΛ ΒϞ ΜΕΛ ΒϞ
 α α σης ε πι βου λη η η η ης του ε χθρου
 ΔΙ
 λυ τρω σα σθαι ο ο τι πα αν τες προς σε νυν κα
 ΜΕΛ ΒϞ
 α τα φε ευ γο μεν Δε σποι να θε ε ο το ο κε
 ε

Ἑωθινὸν δοξαστικὸν η΄

ἦχος πλ.δ΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

Τὰ τῆς Μαρίας δάκρυα οὐ μόνον χεῖνται θερμῶς·
 ἰδοὺ γὰρ κατηξίωται,
 καὶ διδασκόντων ἀγγέλων,
 καὶ τῆς ὄψεως τῆς σῆς ὦ Ἰησοῦ·
 ἀλλ' ἔτι πρόσγεια φρονεῖ,
 οἷα γυνὴ ἀσθενῆς· διὸ καὶ ἀποπέμπεται
 μὴ προσψαῦσαί σοι Χριστέ.
 Ἄλλ' ὅμως κήρυξ πέμπεται τοῖς σοῖς μαθηταῖς,
 οἷς εὐαγγέλια ἔφησε,
 τὴν πρὸς τὸν πατρῶον κληρὸν ἄνοδον ἀπαγγέλλουσα.

Πέτρου Ἐφεσίου
 Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
 Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ
 Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
 Κωνσταντίνου Πρίγγου
 Ἀθανασίου Καραμάνη
 Κωνσταντίνου Παπαγιάννη
 Ἐλευθερίου Γεωργιάδη

Μεθ' ἧς ἀξιώσον καὶ ἡμᾶς,
τῆς ἐμφανείας σου,
Δέσποτα Κύριε.

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος λ π ς Νη

Αναστασιματάριον
Πέτρου Εφεσίου
1820 σ. 253*

Δ ο ξ α Πα α τρι και αι Υι υι ω και α γι ω Πνε ε

ε ευ μα α α α τι

Τ α της Μα ρι α ας δα κρυ α ου μα α την χει

ει ει ν ται αι θε ε ερ μως ι δου ου γαρ κατ η η

ξι ω ω ται και δι δα σκο ον των α αγ γε ε ε λων και

της ο ψε ως της σης ω Ι ι ι ι η η η η σου αλλ

ε ε τι προ ο οσ γει α φρο ο νει οι α α γυ νη η η

α α σθε ε ε νης διο ο και α πο ο πεμ πε ε

ται μη προσ φα αυ σαι σοι οι οι Χρι ι ι ι στε αλλ

ο μως κη ρυ υξ πεμ πε ε ται τοις σοι οι οι οις Μα α θη
 η ται αις ⁶ _λ οις ευ αγ γε λι α α ε ε ε ε φη η η η
 σε ^γ _δ την προς τον Πα τρω ο ον κλη η ρο ον α νο ο δον α
 πα αγ γε ε ε ε ελ λου ου ου σα ^Δ _δ μεθ η ης α α ξι
 ι ω ω σο ο ο ον και η η μας τη ης ε εμ φα νει ει
 ει α α α ας σου ^Δ _δ Δε ε ε σπο ο τα Κυ υ υ υ ρι ι
 ι ι ε ^γ _δ

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ̣ π̣ δ̣ Νη

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.478*

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι και αι Υι υι ω ⁶ _λ και αι α γι ω
 ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι ^γ _δ

σ.432*

Τ α της Μα ρι ι ι ας δα α κρυ υ υ υ υ υ

α σου μα α α την χει ει ει ει ν ται αι θε ερ μως

ι δου ου ου γαρ κα τη ξι ω ται και δι δα σκον των

α αγ γε ε ε λων και της ο ψε ως τη ης σης ω ω ω

ω ω Ι ι η η η σου αλλ ε τι προσγειει α φρο ο

νει οι α γυ νη η η α α σθε ε ε νης δι ο

ο ο ο και α πο ο πε εμ πε ε ται μη προσ ψα αυ σαι αι

σοι οι οι Χρι ι ι ι στε αλλ ο ο μως κη η ρυ υξ

πε ε ε ε ε εμ πε ε ε ε ται τοις σοι οις μα

θη η ταις οις ευ αγ γε λι ι α α ε ε ε ε ε

ε ε φη σε την προς τον πα α τρω ω ον κλη η η ρον α

α νο ο δον α πα αγ γε ε ε ε ελ λου ου ου ου σα

μεθ ης α α ξι ω σο ο ο ον και η η μας της εμ φα

α νει ει ει ει ει ει α α α ας σου Δε ε ε

σπο τα α Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ π ρι Νη

Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.425*

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και α γι ω Πνε ε

ε ευ μα α α α τι

Τ α της Μα ρι ι ας δα α κρυ υ υ υ υ υ α

ου μα την χει ει ει ει νται αι θε ερ μως ι δου ου

ου γαρ κα τη η ξι ω ωται και δι δα σκον των Α αγ γε ε

ε λων και της ο ψε ε ως της σης ω ω ω ω Ι η η

σου αλλ ε τι προσ γει ει α φρο ο νει οι α γυ νη η η

α α σθε ε ε νης δι ο ο ο και α πο ο ο

πε ε ε εμ πε ε ε ε ται μη προσ ψα αυ σαι αι σοι

οι οι Χρι ι ι ι στε αλλ ο ο μως κη η ρυξ πε

εμ πε ε ε ται τοις σοι οι οις μα θη η ταις οις ευ

αγ γε ε ε ε λι α α ε φη η σε την προς τον πα

τρω ω ω ω ο ον κλη η η ρον α νο ο δον α παγ

γε ε ε ελ λου ου ου ου σα μεθ ης α ξι ι ω

ω ω σον και αι αι αι αι αι η η η η και αι η η

μα ας της εμ φα α α νει ει ει ει α α α α ας

σου Δε ε ε σπο τα Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος λ π ρι Νη

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιατική Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Όρος 2009 σ.372*

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και αι Α α

γι ω ω Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α α α ια α α

α τι

Τ α της Μα ρι ας δα α κρυ υ υ α ου μα την χει

ει ει ει ν ται αι θε ερ μως ι δου γαρ κα τη η ξι

ι ι ω ω ω ω ται και δι δα σκον τω ω ω ω

ων Α α αγ γε ε ε ε ε ε λε ε ε λων και της ο

ψε ε ως τη ης σης ω Ι ι ι ι η η η η σου ου

του ου ου ^γ αλλ ε τι προ οσ γει ει α α φρο ο ο νει

ει ει ει ^π οι οι οι οι α ^χ γυ νη η η α σθε

νη η η η ^δ δι ο ο και α α α α α α α

πο ο ο ο ο ο ο ο και α α α πο ο πε

ε ε ε εμ πε ε ε ται αι ^μ μη προσ ψα αυ σαι αι αι σοι

οι οι οι οι οι οι οι Χρι ι ι ι ι ι ι στε ε ε λε

ε ε ε ε ^α αλλ ο ο ο μω ωσ ^κ κη η η η η

η η ρυ υξ πε ε ε ε ε ε εμ πε ε ε ε ε πε

εμ πε ε ε ται ^τ τοις σοι οι οις μα θη η ταις ^ο οι οις

ευ αγ γε ε ε ε λι ι ι ι α α α α ε ε ε

ε ε φη η η η η ιη η η σε ^τ τη ην προς τον

πα α τρω ω ο ον κλη η η ρο ον α νο ο δο ο ον α α

α πα γ γε ε ε ε ε λου ου ου ου σα με ε

εθ η η η η ης α ξι ι ι ι ω ω ω ω

ω ω ω ω ω ω ω ω ω σο ο ον και αι

η η η η η και η μα α α ας της εμ

φα νει ει ει ει ει ει α α ε εμ φα νει ει α

α ας σου Δε ε ε σπο ο ο τα Κυ υ υ υ υ

ρι ι ι ι ι ι ε ε ε ε ε ε ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος λ̣ π̣ ς̣ Νη

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.168*

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και α γι ω

Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι ^γ _δ

Τ α της Μα ρι ας δα α κρυ υ υ υ δα α κρυ α ^ε _γ

ου μα την χει ει ει ει ν ται θε ερ μω ω ω ω ω

ω ω ως ^γ _δ ι δου ου γα αρ κα τη η ξι ι ι ι

ω ω ω ω ται ^Δ _δ και δι δα σκον τω ω ω ω ν α α

α γ γε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε λε ε ε ε λων ^π _ρ και

της ο ψε ως τη ης ση η η η η ης ^ε _κ ω ω ω ω Ι η η

σου ου ου ου ου ^γ _δ αλλ ε τι προσ γει ει α φρο ο νει ει

ει ει ^π _ρ οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι α α γυ υ υ νη α

α σθε ε ε ε λε ε ε νης ^Δ _δ δι ο και α πο πε ε ε

ε ε ε ε ε λε ε ε μπε α πο πε μπε ε ται αι αι αι και

αι αι αι αι αι μη προσ ψα α α α α αυ σαι αι αι αι

και αι αι αι αι αι σοι ^{π ρ} οι οι οι οι οι Χρι ι ι

ι ι ι ι ι Χρι ι στε ε ε λε ε ε ε ^{ν ρ}

αλλ ο ο μως κη η η ρυ υ υξ πε εμ πε ε ται ^{Δ ρ} τοις

σοι οις μα θη η ται αι αι αις ^{Δ ρ} οις ευ αγ γε λι ι ι α α

α α α ε ε ε ε ε ε ε ε φη η η η η ε φη

η σε λε ε ε ε ^{η ρ} τη ην προς τον πα τρω ω ο

ον κλη η η ρον ^{Δ ρ} α νο ο δον α παγ γε ε ε ε ε ε λλου ου

ου ου ου ου ου σα ^{ν ρ} μεθ η η ιη η η η η η

ης ^{η ρ} α ξι ι ι ι ι ι ω ω ω ω ω ιω ω

ω ω ω ω σο ο ον και αι η η η η η και

η η μα α α α α ας ^Δτης εμ φα α νει ει

ει ει ει ει ει α της ε εμ φα νει ει ει ας σου ^Δ Δε

ε ε ε σπο ο ο τα Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι

ε ^ν ^Δ

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος λ π ρι Νη

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά Ἐνδεκά Ἑωθινά 1886 σ.34*

^Δ ο ξα Πα α τρι και Υι υι ω ^ε και α γι ω ω Πνε ε

ε ε ευ μα α α α τι ^ν ^Δ

^Τ α της Μα ρι α ας δα α α α α α κρυ υ α χ τα

δα α α κρυ υ α α α της Μα α ρι ι ι ι ι ι ι

α α λα α α α ας ^ν ^Δ ου μα α α α α την χει ει ει ν ται

θε ερ μω ω ω ω ως ι δου ου ουου γα αρ κα τη η

ξι ω ω ται αι και δι δα σκον τω ω ω ω ων Α α

αγ γε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε λων και της

ο ψε ω ως τη η ης σης ω ω ω ω Ι ι η η σου ου

λου ουουου ου αλλ ε ε ε τι ι προσ γει ει α α φρο

ο νει οι α α γυ υ υ νη η η α σθε ε ε νη η η

η η η ης δι ι ο και αι α πο ο πε ε εμπε ε ε ε

α πο πεμ πε ε ται αι αι αι αι αι αι μη η η

προ οσ φα α α α αυ σαι αι αι αι και αι αι αι αι σοι

οι οι οι οι Χρι ι στε ε λε ε ε ε ε α αλλ ο ο

ο ο ο μω ως κη η ρυ υξ πε ε εμ πε ε ε ε πε εμ

πε ε ται αι αι τοις σοι οι οι οισ μαθη η ται αι και αι αι αι

αις οι οι οισ ευ α αγ γε λι α α α ε ε ε ε ε

ε φη η η ε ε φη η η σε ε λη τη ην προς τον πα α

τρω ω ω ω ο ον κλη η η η η ρο ον α α α

νο ο ο ο α α α νο ο δο ο ο ο ον α α πα

αγ γε ε ε ε ελ λου ου ου ου σα μεθ ης α ξι ω

ω ω σον και αι αι αι αι αι η η η η και αι η η μα ας

της εμ φα α α νει ει ει ει ει α α α ας σου Δε ε

σπο τα Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ε ε ε ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιοςρέτιος Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος λ π ς Νη

Τα 11 εωθινά κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι και Υι ω και α α γι ι ω

Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α τι

Τ α της Μα ρι ι ι ι ας δα α α α κρυ υ υ

α α ου ου ου μα α α την χει ει ει ει ει ει

ται θε ερ μως ι δου αρ κα α τη η ξι ω ω

ται αι και αι δι δα σκον τω ων Α α αγ γε ε ε

ε λων και της ο ο ψε ε ω ως τη ης σης ω

ω ω ω Ι η η σου αλλ ε τι ι προ οσ γει α

φρο νει οι οι οι οι οι α α γυ νη η η η η

α σθε ε νης διο και αι α πο ο πε εμ πε ε

ται αι μη η προ οσ ψα α αυ σαι σοι οι οι οι

Χρι ι ι ι στε αλλ ο ο μως κη η η ρυ

υ υξ πε εμ πε ε ε ται τοις σοι οι οι οις Μα θη

ταις οις ευ αγ γε ε ε ε ε λι α α ε φη η σε

ε την προς τον πα τρω ω ω ω ω ο ον κλη η η

ρον α α νο δον απα αγ γε ε ε ελ λου ου ου ου

σα μεθ ης α ξι ι ι ω σο ον και η μας

της ε εμ φα α α νει ει ει ει ει α α α ας σου

Δε ε σπο ο ο τα Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ π δὲ Νη χ

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.154*

Δ ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι Υι υι ω ω ω

ω και α γι ι ω ω Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α α

ια α α τι

Τ α της Μα ρι ι ι ας δα α α κρυ υ υ α α

ου ου μα α α την χει ει ει ει ν ται θε ερ μω ω ως

ι δου ου ου γαρ κα ατ η η ξι ι ω ω ται

αι και αι δι δα σκον τω ων Α αγ γε ε ε λων

και της ο ο ψε ως τη ης ση ης ω ω ω ω Ι η

η σου ου ου αλλ ε τι προσ γει ει α φρο ο νει

ει οι οι οι οι α α α Γυ νη η η η α σθε

ε νη η ης δι ο ο ο και α α πο ο

πε εμ πε ε ται αι μη προσ ψα αυ σαι αι σοι οι

οι Χρι ι ι ι στε ^Δ αλλ ο ο μως κη η ρυ υ υξ

πε εμ πε ε ε ται ^{ΠΑ} τοι οις ^{ΝΗ} σοι οι οις Μα θη ται αι αις ^Δ

ει εις ^{ΔΙ} ευ αγ γε ε ε ε ε ε λι α α ε ε φη

η σε ε ^{ΜΕΛ} την προς τον ^{ΔΙ} πα τρω ω ω ω ω ο ον κλη ^{ΜΕΛ}

η η ρον ^{ΔΙ} α νο ο ο δον ^{ΝΗ} α α παγ γε ε ε ε ^{ΜΕΛ} ^{ΝΗ}

ε ε λου ου ου σα ^{ΜΕΛ} μεθ ^γ ης α α α ξι ι ω ω

σον και αι αι αι αι αι αι η η η η η η και αι

η η μα α ας ^{ΜΕΛ} της ε εμ φα α α νει ει ει

ει ει α α α ας σου ^{ΠΑ} Δε ε ε σπο ο τα ^{ΝΗ} Κυ υ υ ^{ΠΑ} ^{ΝΗ}

υ υ ρι ι ι ι ε ^{ΜΕΛ} ^γ

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και α γι ω ω Πνε ε

ε ευ μα α α α τι

Τ α της Μα ρι ι ας δα α κρυ υ υ υ υ α ου

ματην χει ει ει ειν ται θε ερ μω ως ι δου ου ου γαρ

κα τη η ξι ω ω ται και δι δα σκον των α αγ γε ε ε λων

και της ο ψε ε ως της σης ω ω ω ω Ι η η σου αλλ

ε τι προσ γει ει α φρο ο νει οι οι α γυ νη η η η α

α σθε ε ε νης δι ο ο ο και α πο ο ο

πε ε ε εμ πε ε ε ε ται μη προσ ψα αυ σαι αι σοι

οι οι Χρι ι ι ι στε αλλ ο ο μως κη η ρυξ πε

εμ πε ε ε ται τοις σοι οι οις μα θη η ταις οις ευαγ γε

ε ε ε λι α α ε φη η σε την προς τον πα τρω ω

ω ο ον κλη η η ρον α νο ο δον α πα αγ γε ε

ε ελ λου ου ου ου σα μεθ ης α ξι ι ω ω ω

σον και αι αι αι αι αι η η η η και αι η η μα ας

της εμ φα α α νει ει ει ει α α α ας σου Δε ε

ε σπο τα Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος λ π ς Νη χ

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
Ὁρθρος 1987 σ.590*

MEΛ NH Δ ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι ω και α γι ι ω ω

Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α τι

Τ α της Μα ρι ι ας δα α α κρυ υ υ υ υ υ υ υ

α ου μα α α α α την χει ει ει ει ει νται αι θε ερ μω

ω ω ω ω ω ως ι δου γα αρ κα τη η ξι ω ω

ω ται και δι δα σκον τω ω ω ω ω ω ν Αγ γε ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ιε ε ε ε λων και

τοις ο ο ψε ως τη ης σης ω ω ω ω Ι η η σου ου του

ου ου ου ου αλλ ε τι προσ γει ει α φρο ο νει οι οι

οι α α γυ νη η η α α σθε ε ε νης δι ο

ο ο και α πο ο πεμ πε ε ε ται μη προσ ψαυ σαι αι αι

σοι Χρι στε αλλ ο ο μως κη η η ρυ υ υ ξ πε

εμ πε ε ε ται τοις σοι οι οις Μα θη ταις οις ευ αγ

γε λι ι α α ε φη η η σε ^{ΜΕΛ} την προς τον Πα ^{ΔΙ} τρω
 ω ω ο ον κλη η η η ρον ^{ΔΙ} α α α νο ο ο ο ο
 δον ^{ΝΗ} α πα αγ γε ε ε ε λου ου ου ου σα μεθ ης ^{ΔΙ}
 α α ξι ω ω σο ο ο ον και η η μας ^{Ζ'} της ^{ΓΑ} ^{ΔΙ} εμ φα α α
 νει ει ει ει ει α α α α σου ^{ΠΑ} ^{ΔΙ} Δε ε ε ε σπο
 ο ο τα Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ε ^{ΝΗ} ^Υ

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος λ π ς Νη

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

^Δ ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι ω ^Β και α α γι ι ω
 Πνε ε ευ μα α α α τι ^Υ
^Τ α της Μα ρι α α ας δα κρυ υ α ου ου μα α την χει

ει ειν ται θε ε ερ μως ι δου ου γαρ κα τη η

ξι ω ω ται αι και δι δα σκον τω ωων α αγ γε ε ε

λων και της ο ο ψε ε ω ως τη ης σης ω

ω ω Ι η η η σου αλλ ε ε ε τι προ οσ γει ει

α φρο νειν οι οι οι α γυ νη η η η α σθε ε

νης δι ο ο και α πο ο πεμ πε ε ται μη προ οσ φα

αυ σαι σοι οι οι Χρι ι ι ι στε αλλ ο ο μως

κη η ρυ υ υξ πε εμ πε ε ε ται τοις σοι οι οισ μα θη

ταις οισ ευ αγ γε ε ε ε λι α α ε φη η σε την

προς τον πα τρω ον κλη η η ρο ον α α α νο ο ο ο

δον α πα αγ γε ε ελ λου ου ου ου σα μεθ ης

α α ξι ι ω ω σο ο ο ο ον και η μας της εμ φα

α α νει ει ει ει ει α α α ας σου Δε ε ε σπο ο ο

τα Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐωθινὸν Θ´

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 20:19-31

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 20:19-31

19 Οὔσης ὀψίας τῆ ἡμέρα ἐκείνη τῆ μιᾷ τῶν Σαββάτων, καὶ τῶν θυρῶν κεκλεισμένων, ὅπου ἦσαν οἱ μαθηταὶ συνηγμένοι διὰ τὸν φόβον τῶν Ἰουδαίων, ἦλθεν ὁ Ἰησοῦς, καὶ ἔστη εἰς τὸ μέσον, καὶ λέγει αὐτοῖς· Εἰρήνη ὑμῖν. **20** Καὶ τοῦτο εἰπὼν, ἔδειξεν αὐτοῖς τὰς χεῖρας καὶ τὴν πλευρὰν αὐτοῦ. Ἐχάρησαν οὖν οἱ μαθηταὶ ἰδόντες τὸν Κύριον. **21** Εἶπεν οὖν αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς πάλιν· Εἰρήνη ὑμῖν καθὼς ἀπέσταλκέ με ὁ Πατήρ, καὶ γὰρ πέμπω ὑμᾶς. **22** Καὶ τοῦτο εἰπὼν, ἐνεφύσησε, καὶ λέγει αὐτοῖς· Λάβετε Πνεῦμα ἅγιον. **23** Ἄν τινων ἀφήτε τὰς ἀμαρτίας, ἀφίενται αὐτοῖς· ἄν τινων κρατῆτε, κεκράτηνται. **24** Θωμᾶς δὲ, εἷς ἐκ τῶν δώδεκα, ὁ λεγόμενος Δίδυμος, οὐκ ἦν μετ' αὐτῶν ὅτε ἦλθεν ὁ Ἰησοῦς. **25** Ἐλεγον οὖν αὐτῷ οἱ ἄλλοι μαθηταὶ· Ἐωράκαμεν τὸν Κύριον. Ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς· Ἐὰν μὴ ἴδω ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ τὸν τύπον τῶν ἥλων, καὶ βάλω τὸν δάκτυλόν μου εἰς τὸν τύπον τῶν ἥλων, καὶ βάλω τὴν χεῖρά μου εἰς τὴν πλευρὰν αὐτοῦ, οὐ μὴ πιστεύσω. **26** Καὶ μεθ' ἡμέρας ὀκτὼ πάλιν ἦσαν ἔσω οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ, καὶ Θωμᾶς μετ' αὐτῶν. Ἐρχεται ὁ Ἰησοῦς, τῶν θυρῶν κεκλεισμένων, καὶ ἔστη εἰς τὸ μέσον, καὶ εἶπεν· Εἰρήνη ὑμῖν. **27** Εἶτα λέγει τῷ Θωμᾷ· Φέρε τὸν δάκτυλόν σου ὧδε, καὶ ἴδε τὰς χεῖράς μου· καὶ φέρε τὴν χεῖρά σου, καὶ βάλε εἰς τὴν πλευρὰν μου· καὶ μὴ γίνου ἄπιστος, ἀλλὰ πιστός. **28** Καὶ ἀπεκρίθη ὁ Θωμᾶς, καὶ εἶπεν αὐτῷ· Ὁ Κύριός μου καὶ ὁ Θεός μου. **29** Λέγει αὐτῷ ὁ Ἰησοῦς· Ὅτι ἐώρακάς με, πεπίστευκας· μακάριοι οἱ μὴ ἰδόντες καὶ πιστεύσαντες. **30** Πολλὰ μὲν οὖν καὶ ἄλλα σημεῖα ἐποίησεν ὁ Ἰησοῦς ἐνώπιον τῶν μαθητῶν αὐτοῦ, ἃ οὐκ ἔστι γεγραμμένα ἐν τῷ βιβλίῳ τούτῳ· **31** Ταῦτα δὲ γέγραπται, ἵνα πιστεύσητε, ὅτι Ἰησοῦς ἐστὶν ὁ Χριστὸς ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ, καὶ ἵνα πιστεύοντες ζωὴν ἔχητε ἐν τῷ ὀνόματι αὐτοῦ.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλᾶριον Θ´

ἤχος β'

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Υψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον θ'

Συγκεκλεισμένων Δέσποτα, τῶν θυρῶν ὡς εἰσῆλθες, τοὺς ἀποστόλους ἐπλησας, Πνεύματος παναγίου, εἰρηρικῶς ἐμφυσήσας, οἷς δεσμεῖν τε καὶ λύειν, τὰς ἀμαρτίας εἶρηκας, καὶ ὀκτῶ μεθ' ἡμέρας, τὴν σὴν πλευράν, τῷ Θωμᾷ ὑπέδειξας καὶ τὰς χεῖρας. Μεθ' οὗ βοῶμεν Κύριος, καὶ Θεὸς σὺ ὑπάρχεις.

Θεοτοκίον

Τὸν σὸν Υἱὸν ὡς ἔβλεψας, ἀναστάντα ἐκ τάφου, τριήμερον Θεόνυμφε, ἀπασαν θλίψιν ἀπέθου, ἣν ὑπέστης ὡς Μήτηρ, ὅτε κατεῖδες πάσχοντα, καὶ χαρᾶς ἐμπλησθεῖσα, σὺν τοῖς αὐτοῦ, Μαθηταῖς γεραίρουσα τοῦτον ὕμνεις. Διὸ τοὺς Θεοτόκον σε, νῦν κηρύττοντας σῶζε.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη


Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)


Ἦχος Δι'

Πέτρου Εφεσίου
Ἀναστασιματᾶριον 1820 σ.255*

Cυγ κε κλει σμε ε νων Δε ε σπο τα των θυ ρων ω
 ως εισ η ηλ θες τους Α πο στο ο λους ε ε πλη σας
 Πνευ μα τος πα αν α γι ι ου ει ρη νι κως ε εμφυ ση
 η σας οισ δε σμειν τε ε και λυ υ ειν τας α μαρ
 τι ι ας ει ει ρηκας και ο κτω με εθ η με ε ρας την
 σην πλευ ρα α α αν τω Θω μα υ πε δει ξας και αι τας



 χει ει ρας μεθ ου βο ω ω μεν Κυ υ ρι ος και Θε ος

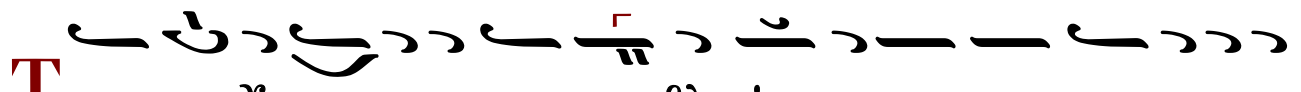


 συ υ υ πα αρ χεις

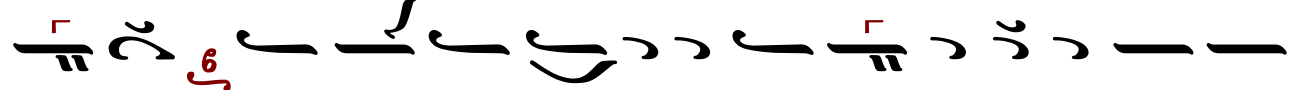
Θεοτοκίον

Ἦχος Β̅Ϸ̅


Αναστασιματάριον
 Πέτρου Εφεσίου
 1820 σ.255*




Τον σον Υι ο ονωσ ε ε βλε ψας α να σταν τα α εκ τα




 α φου τρι η με ρο ον Θε ο ο νυμ φε παν α γι




 α α Παρ θε ε νε α πα σαν θλι ψι ιν α πε ε




 θου ην υ πε στη ης ως Μη η τηρ ο τε κα τει ει




 δεσ πα α σχον τα και χα ρας ε εμπλη σθει ει σα συν τοις



 αυ του ου ου **Μ**α θη ταις γε ραι ρου σα του ου τον υ υ



 μνεις δι ο τους Θε ε ο το ο κον σε νυν κη ρυτ τον τας



 σω ζε ε ε ε ε

α α Παρ θε ε νε α πα σαν θλι ψι ιν α πε ε θου

ην υ πε στη ης ως Μη η τηρ ο τε κα τει ει δεσ πα

α σχον τα και χα ρας ε εμ πλη σθει ει σα συν τοις αυ

του μα θη ται αι αι αι αις γε ραι ρου σα του ου τον υ υ

μνεις δι ο τους Θε ο το ο κον σε νυν κη η ρυτ τοντας

σω ω ζε ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη

Ἦχος Δι

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματάριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.11#

ϸυγ κε κλει ει σμε ε νων Δε ε σπο τα των θυ υ ρων

ω ως εισ η ηλ θες τους Α πο ο στο ο ο λους ε

ε πλη σας Πνευ μα τος πα αν α γι ι ου ει ρη νι

κως ε εμφυσησας οϊς δε ε σμειν τε ε και λυ υ
 ειν τας α μα αρ τι ι ι ας ει ει ρη κας και ο
 ο κτω με εθ η με ε ρας την σην πλευ ρα α α α αν
 τω Θω μα υ υ πε δει ξας και αι τας χει ει ρας μεθ
 ου βο ο ω ω μεν Κυ υ ρι ος και Θε ος συ υ υ πα
 αρ χει εις

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Θεοτοκίον


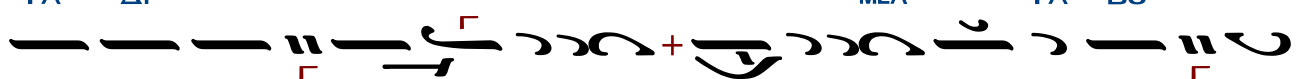




Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.242#

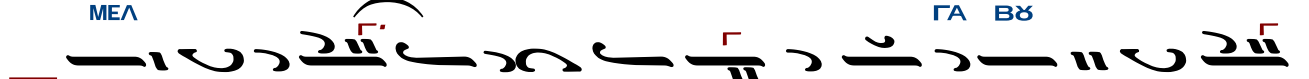



ΒϚ ΜΕΛ ΓΑ ΒϚ
 C υγ κε κλει σμε ε νων Δε ε σπο τα των θυ υ ρων ω
 ΓΑ ΔΙ
 ως εισ η ηλ θες τους α πο ο στο ο ο λους ε
 ΜΕΛ ΒϚ ΜΕΛ ΒϚ
 ε πλη σας Πνευμα το ος πα αν α γι ι ου ει ρη νι

ΜΕΛ ΒΞ

 κως ε εμφυ ση η σας οισ δε σμειν τε ε και λυ υ ειν
ΓΑ ΔΙ ΜΕΛ ΓΑ ΒΞ

 τας α μα αρ τι ι ι ασ ει ει ρη κας και ο ο κτω
ΜΕΛ ΒΞ ΜΕΛ ΒΞ

 με εθ η με ε ρας την σην πλε ευ ρα α α αν τω
ΔΙ

 Θω μα υ πε δει ξας και αι τας χει ει ρας μεθ ου
ΜΕΛ ΓΑ ΒΞ

 βο ο ω ω μεν Κυ υ ρι ος και Θε ε ος συ υ υ πα
ΜΕΛ

 αρ χει εις

Θεοτοκίον

Ἦχος ΒΞ

Χρυσανθου Θεοδοσόπουλου
 Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.243#

ΜΕΛ ΓΑ ΒΞ

T ον σον Υι ο ον ως ε ε βλε ψας α να α σταν τα
ΔΙ ΜΕΛ

 α εκτα α φου τρι η με ρο ον Θε ο ο νυμ φε
ΓΑ ΒΞ ΜΕΛ

 παν α α γι α α Παρ θε ε νε α πα σαν θλι ψι ιν α
ΒΞ ΒΞ

 πω ω θου ην υ πε στη ης ως μη η τηρ ο τε κατ

ει ει δεσ πα α σχον τα και χα α ρας ε εμ πλησθει ει
 σα συν τοις αυ του ου ου ου ου μα θη ταις γε ραι
 ρου σα του ου τον υ υ μνοις δι ο τους Θε ε ο
 το ο κον σε νυν κη η ρυτ το ον τας σω ω ζε ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἑωθινὸν δοξαστικὸν θ'

ἦχος πλ.α'

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

Ὡς ἐπ' ἐσχάτων τῶν χρόνων,
 οὔσης ὀψίας Σαββάτων,
 ἐφίστασαι τοῖς φίλοις Χριστέ,
 καὶ θαύματι θαῦμα βεβαιοῖς,
 τῇ κεκλεισμένη εἰσόδῳ τῶν θυρῶν,
 τὴν ἐκ νεκρῶν σου ἀνάστασιν·
 ἀλλ' ἐπλησας χαρᾶς τοὺς μαθητάς,
 καὶ Πνεύματος ἁγίου μετέδωκας αὐτοῖς,
 καὶ ἐξουσίαν ἔνειμας ἀφέσεως ἁμαρτιῶν,
 καὶ τὸν Θωμᾶν οὐ κατέλιπες,
 τῷ τῆς ἀπιστίας καταβαπτίζεσθαι κλύδωνι.
 Διὸ παράσχου καὶ ἡμῖν,
 γνῶσιν ἀληθῆ,
 καὶ ἄφεσιν πταισμάτων,
 εὐσπλαγχνε Κύριε.

Πέτρου Ἐφεσίου

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου

Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου

Κωνσταντίνου Πρίγγου

Ἀθανασίου Καραμάνη

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος λ̣ π̣ ἤ Πα

Πέτρου Ἐφεσίου
 Αναστασιματᾶριον 1820 σ.255*

Δ ο ο ο ο ο ο ξά Πα α τρι ι και Υι υι ω και

α γι ι ω ω ω Πνε ευ μα α α τι

Ω ς επ ε σχα των των χρο ο ο νων ου σης ο ψι

α ας Σα αβ βα α των εφ ι ι στα σαι αι τοι οις φι ι ι

ι λοι οις Χρι ι ι στε και αι θαυ μα α τι θαυ μα βε

βαι αι οις τη κε κλει σμε νη ει σο ο δω ω των θυ υ ρων την

εκ νε κρω ων σου ου Α να α α α α στα α α α σιν

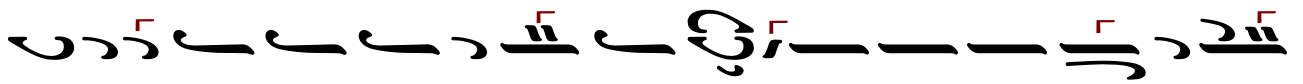




αλλ ε πλη σας χα ρα α ας τους Μα α θη η η τας

και Πνευ μα α τος α α γι ι ου με τε ε ε δω κα ας α α

αυ τοις και ε ξου ου σι ι αν ε ε ε νει ει ει ει

μας α φε σε ως α μα αρ τι ι ι ων και τον Θω ω

μαν ου ου κα τε ε ε λι ι ι ι πες τω της α πι


 στι ι ι ας κα τα βα πτι ι ζε ε σθαι κλυ υ υ υ υ

 δω ω ω ω νι ^πδι ο πα ρα σχου και η η μιν γνω

 ω ω σιν α α α α λη η η η θη ^χκαι αι αι α α φε

 σι ι ι ν πται σμα α α α των ^πευ σπλα αγ χνε Κυ υ υ ρι

 ε ^Α


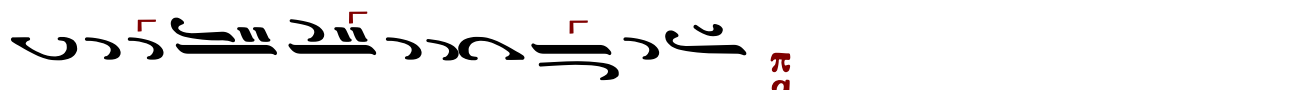
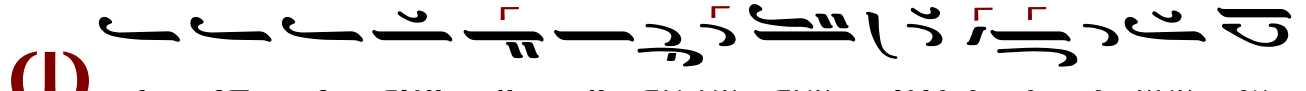

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.484*


Δ ο ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι υι ω και α

 γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^π

Ω ς επ ε σχα α α των των χρο ο ο ο νων ου

 σης ο ψι ας Σααβ βα α α α των ^χε ε φι στα α

σαι αι ^Δτοις φι ι ι ι ι ι λοι οις Χρι ι ι στε

και αι θαυ μα α τι θα αυμα α α α βε ε βαι αι οις ^χτη

κε κλει ει σμε ε ε ε ε ε νη ει σο ο δω ω τω ων

θυ υ ρων ^Δτην εκ νε κρω ω ω ων σου ου Α α να

α α α α στα α α α σιν ^παλλ ε ε ε ε πλη η σας

χα ρα α ας τους μα α θη η η τας ^χκαι αι Πνευ μα τος

α α γι ι ι ουου ^χμε τε ε ε δω κα ας α α αυ

τοις ^πκαι ε ξου σι α αν ε νει ει μας α φε σε ε ως α

α μαρ τι ι ων και τον Θω μαν ου κα α τε ε λι ι πες τω

της α πι ι στι ι ι ι ι ι ι ας ^Δκα τα βα πτι ζε ε

σθαι κλυ υ υ υ υ δω ω ω νι ^πδι ο ο ο πα

ρα α σχου ου και αι η η μιν γνω σιν α λη η θη ^χ₉

και αι α φε σιν πται αι σμα α α α α α α τωων ε

ευ σπλα αγ χνε Κυ υρι ε ^Δ₉

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ̣ ᾠ Πα

Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.436*

^Δ ο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι και αι Υι

ω ω ^χ₉ και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^π₉

^Ω ς επ ε σχα α α τω ω ωων τω ων χρο ο ο

νω ων ^π₉ ου σης ο ψι α αςσααβ βα α α των εφ

ι ι στα α σαι τοις φι ι ι ι λοι οισ Χρι ι ι

στε ^π₉ και αι θαυ μα α τι θα αυ μα α α α βε ε βαι αι

η μι εν γ' γνω ω σιν α α α α λη η η η θη και

αι α φε ε σι εν πται σμα α α α α α α α α

α τω ω ω ων ε εϋ σπλα αγ χνε Κυ υ υ υ υ ρι

ι ε

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Ὄρος 2009 σ.374*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι και Υι υι ω ω και Α

γι ι ι ι ι ι ι ι ω ω ω ω ω ω ω ω

Πνε ε ε ε ε ε εϋ μα α α α α ια α α α τι

ω ς επ ε σχα α α τω ων των χρο ο ο ο νων

ου ση ης ο ο ψι ι ι α ας σαβ βα α α α α

τε ε δω κα ας α α αυ τοι οις και ε ε ξου ου ου

ου ου σι ι ι α α αν ε ε ε ε ε νει ει ει ει μας

α φε σε ε ω ως α μα α αρ τι ι ι ι ι ω ων

και τον θω ω μα α αν ου ου κα τε ε ε λι ι

ι ι πες τω ω τής α πι στι ι ι ι ι α

ας κα τα βα πτι ι ι ι ζε ε ε ε σθαι κλυ υ υ υ

υ δω ω ω ω ιω ω ω ω νι δι ο πα ρα α α

σχου ου και αι αι αι αι η μι ι ι ι ι ι ι ι ι

ιν γνω ω ω ω σι ι ι γνω ω σιν α λη η η η

α λη η θη η ιη η η η και α φε ε σι ι ι ν πται σμα

α α α τω ων ευ σπλαγ χνε Κυ υ υ υ υ υ ρι ι ι

ι κυ ρι ε ε ε ε ε ε ε π ρ

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.171*

Δ ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω χ ρ

και Α γι ι ι ι ι ι ω ω Πνε ε ε ε ε ε ε

μα α α α τι π ρ

ω ς επ ε σχα α α τω ω ω ω ων τω ωων χρο

ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο νων π ρ

ου ου ου ου ου ου σης ο ψι ι ι α ας Σα α

αβ βα α α α των ε ε φι στα α σαι αι τοι οισ φι ι

ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι ι λοι οι

οι οι οι ος Χρι ι ι ι ι ι ι ι ι στε ε ε ε π ρ

και θα α α α α αυ μα α α τι ι θα α α α

α αυ μα α α α βε βαι αι οι οι ιοι οι οι ος τη κε

κλει σμε ε ε ε ε ε ε νη η η η ει σο δω ω των θυ υ

ρω ω ω ων την εκ νε κρω ω ω ων σου ου Α α να

α α α α α στα α α α ια α α α σιν αλλ ε π ρ

ε ε ε ε ε ε πλη η η η η αλλ ε ε ε ε ε

πλη η σας χα α ρα α α α α α ας του ου ου

ου ου ου ους μα α α α α α α θη η η η ιη η η

η τας και αι Πνευ μα α τοος Α α γι ι ι ι ι ι ουου

με τε ε ε δω κας αυ τοι οι οι οι ιοι οι οι οι οι οι

οις και ε ξου ου σι α αν ε ε ε ε ε ε νει ει

ει ει μας α φε σε ω ω σ α α μα αρ τι ι ω ω ω

ω ω ω ω ω ω ν και τον Θω ω μα αν ου κα α

τε ε ε λι ι ι ι ι πες τω ω τη ης α πι

στι ι ι ι ι ι ι ι α ας κα τα βα πτι ι ι

ζε ε σθαι κλυ υ υ υ δω ω ω νι ι δι

ο ο ο ιο ο ο ο ο ο ο πα α ρα σχου ου και αι

η η μιν γνω ω ω σιν α α α α α α λη

θη η η η η ιη η η η η η η και αι α φε ε

σι ιν πται σμα α α α α α α α α τω ω ω ν

ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ευ σπλα αγ

χνε Κυ υ υ υ υ ρι ι ε ε ε ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου (†1908)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου
Τά "Ἐνδεκα" Ἑωθινά 1886 σ.38*

Δ ο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι και αι Υι υι ω

και αι α α γι ι ω ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α

τι

ω ς επ ε σχα α α τω ω ω ω ων τω ωων

χρο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο νων ου σης ο ο

ψι ι ι ας Σααβ βα α α α των ε φι στα σαι τοι

οις φι ι ι ι ι λοις Χρι ι ι στε και αι θα α

α α α α αυ μα α α α α α τι ι ι ι

ι ι θα α αυ μα α α α βε βαι αι οι οι οι οι οισ τη κε

κλει ει σμε νη ει σο δω ω των θυ υ ρω ω ω ων την εκ νε ε

κρω ω ω ων σου Α α να α α α α α α στα

α α α α ια α α α σιν α αλλ ε ε ε ε πλη η σας

χα ρα α α α ας του ου ου ου ουους μα α α α

α α θη η η τους μα α θη τα α α ια α α α α α

ας και αι Πνευ μα α το ος α α γι ι ι ι ι

ου με ε τε ε δω ω κα ας αυ τοι οι οι οι οι ιοι οι οι

οι οι οι οισ και ε ξου ου σι ι α αν ε νει ει μας α

α φε ε σε ε ω ως α α μαρ τι ι ων και τον Θω ω

μα αν ου κα α τε ε ε ε ε ε λι ι ου κα τε ε

Ω ς επ ε σχα α α α τω ων τω ω ων χρο ο ο

ο νων ου σης ο ψι ας Σα αβ βα α α α α

των ε φι ι στα σαι αι αι τοι οισ φι ι ι ι ι

λοις Χρι ι ι στε και αι θαυ μα α α τι θα αυ μα

α α βε βαι αι οισ τη κε κλει σμε ε ε ε νη ει

σο ο δω ω ω τω ων θυ ρων την εκ νε κρω ω ω

ων σου Α α να α α α α στα α α α α σιν α αλλ

ε ε πλη η η σας χα ρα ας του ου ους Μα θη

η η τας και Πνευ μα τος α γι ι ι ου με ε

τε ε δω ω ω κας α α αυ τοις και ε ε ξου ου

σι ι α αν ε ε ε νει ει ει ει μας α φε σε ε

ω ω ως α α μα α αρ τι ι ι ι ων και

το ον Θω ω μαν ου ου κα α τε ε ε λι ι ι ι

πες τω ω τη ης α α πι ι στι ι ι ι ι

α ας κα τα βα πτι ι ζε ε ε σθαι αι κλυ υ υ υ υ

δω ω ω ω νι δι ο πα ρα α σχου ου ου και

αι η η μι ιν γνω ω ω σι ι ιν α λη η η θη

και αι α φε ε ε σι ιν πται σμα α α α α α

α α α α α α α α τω ω ω ω ων ε ε ευ

σπλα α αγ χνε Κυ υ υ ρι ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἄγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ̣ ᾠ Πα̣ χ̣

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.156*

ΠΑ ΔΙ
Δ ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι Υι ι ω και Α α

ΠΑ ΜΕΛ Π
γι ι ω ω ω Πνευ μα α α τι

ΜΕΛ ΠΑ ΠΑ
Ω ς επ ε σχα α α α α τω ων τω ω ων

ΜΕΛ ΚΕ
χρο ο ο ο νων ου σης ο ψι ας Σα αβ βα α α των

ΔΙ ΜΕΛ
ε ε φι ι στα σαι αι αι τοι οις φι ι ι ι ι λους Χρι

ΚΕ Π
ι ι στε και αι θα α αυμα α α τι θα αυ μα α α

ΜΕΛ ΠΑ
βε βαι αι αι οις τη κε κλει σμε ε ε ε ε νη

ΜΕΛ ΠΑ ΔΙ
ει ει σο ο δω ω ω τω ων θυ ρων την εκ νε κρω

ΠΑ ΜΕΛ ΠΑ ΜΕΛ
ω ω ω ων σου α α α α να α α α α στα α α α

ΚΕ Π
σιν α αλλ ε ε ε πλη η η σας χα α ρα ας του ου

ΔΙ
ους Μα θη η η τας και Πνευ μα τος Α γι ι ου

ΔΙ ΠΑ ΜΕΛ
 με ε τε ε δω ω ω κας α α αυ τοις και ε
 ΚΕ ΔΙ
 ε ζου ου ου σι ι α αν ε ε ε νει ει ει ει
 ΔΙ ΠΑ
 μας α φε ε σε ε ω ω ως α μα α α α αρ
 ΚΕ, ΔΙ ΚΕ
 τι ι ι ι ι ων και τον Θω μα αν ου ου κα α τε ε
 ε ε λι ι ι ι πες τω ω τη ης α α πι
 ΠΑ ΔΙ ΠΑ
 ι στι ι ι ι ι α ας κα τα βα α πτι ι ζε
 ΜΕΛ ΜΕΛ ΚΕ
 ε σθαι αι κλυ υ υ υ δω ω ω νι δι ο πα
 ρα α α σχου ου ου και αι η η μι ι ι ι ν γνω ω
 ΔΙ ΜΕΛ ΚΕ
 ω σι λε γνω ω σιν α α λη θη η η η η η λη η
 ΜΕΛ ΚΕ
 η η η η η η η η η και αι αι αι α α α φε
 ΜΕΛ
 ε ε σι ι ν πται σμα α α α α α α α α α α

α α τω ω ω ω ων ε ευ σπλα α χνε Κυ υ υ
 υ υ κε Κυ υ ρι ι ε ε ε ε

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιογράφος

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος λ̣ ᾠ Πα̣ χ̣

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.489/1359#

Δ ο ο ξα Πατρι ι και Υι υι ω και Α γι ι ω
 Πνε ευ μα α τι
 Ω ς επ ε σχα α α τω ω ω ων τω ων χρο ο ο
 νω ων ου σης ο ψι α αςσααβ βα α α των
 φι ι στα α σαι τοις φι ι ι ι λοι οις Χρι ι ι
 στε και αι θαυ μα α τι θα αυ μα α βε ε βαι αι οις τη
 κε κλει ει σμε ε ε νη εισ ο δω ω των θυ υ ρων την εκ νε

κρω ων σου ου α να α α α στα α α α σιν ^{π ρ} α αλλ

ε πλη η σας χα ρα α ας τους μα α θη η η τας ^{χ ρ} και

αι Πνευ μα α τος α γι ι ι ι ι ου ου ^{χ ρ} με τε ε ε δω

κα ας α α αυ τοις ^{π ρ} και ε εξ ου ου σι α αν ε

ε ε ε νει ει ει ει μας ^{χ ρ} α φε ε σε ε ως α α μαρ τι

ι ων ^{π ρ} και τον Θω μαν ου ου κα α τε ε ε λι ι ι

ι ι πες ^{χ ρ} τω ω τη ης α πι στι ι ι ι ι α

ας ^χ κα τα βα πτι ι ζε ε ε σθαι ^{ν ρ} κλυ υ υ υ υ δω ω

ω ω νι ^{π ρ} δι ο ο ο πα ρα σχου ου και αι η η

μιν ^{ν ρ} γνω ω ω σι ιν α λη η θη ^{χ ρ} και αι α φε ε σι ιν

πται ^{π ρ} σμα α α α α α α α α α α τω ων ^{ο χ} ε ευ

σπλααγ χνε Κυ υ υ υ υ ρι ι ε ^Δ _{δλ}

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος λ̣ π̣ ᾠ Πα̣ χ̣

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
Ὅρθρος 1987 σ.594*

^{ΠΑ} Δ ο ο ο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι και αι Υι

ω ^{χ̣ ᾠ} και Α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι ^{π̣ ᾠ}

^{ΠΑ} Ω ς επ ε σχα τω ω ων τω ων χρο ο ο νω ων ^{π̣ ᾠ}

ου σης ο ψι ας Σααβ βα α α των ^{χ̣ ᾠ} ε φι ι στα α

^{ΠΑ} σαι αι αι αι τοις φι ι ι ι λοις Χρι ι ι στε ^{π̣ ᾠ}

^{ΚΕ} και αι θα αυ μα α α τι θα α αυ μα α α βε ε

βαι αι αι οις ^{χ̣ ᾠ} τη κε κλει ει σμε ε ε ε ε νη ει σο δω ^{ΠΑ}

ω των θυ ρων την εκ νε κρων σου ου Α να α α α α

στα α α α σιν ^{KE} α αλλ ε ε πλη η η σας χα ρα ας

του ου ους Μα α θη η η τας ^{ΔΙ} και Πνε ευ μα α α

το ο ος Α α ^{ΠΑ} γι ι ι ι ι ι ι ου ου ^Χ με

τε ε ε δω ω ω κα ας α α αυ τοις ^Π και ε ε

ξου ου σι α αν ε ε ε ε ε νει ει ει ει μας ^{ΔΙ} α φε

ε σε ε ε ε ως ^{ΠΑ} α μα αρ τι ι ι ων ^Π και

το ον Θω ω μαν ου ου κα α τε ε ε λι ι ι ι

πες ^{KE} τω ω τη ης α πι ι στι ι ι α ας ^{ΠΑ} κα

τα βα πτι ι ζε ε σθαι αι κλυ υ δω ω νι ι ^Ζ δι

ο ο ο πα ρα σχου ου και αι η η μιν ^{KE} γνω σι ιν α

α λη θη η η η η η η η η η η η η ^{ΔΙ} και αι

α φε ε ε σι ιν πται σμα α α α α α α α

α α α τω ω ω ων οχρ πΑ ευ σπλα α αγ χνε Κυ Δι υ υ

ρι ι ε Δ

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος λ̣ π̣ ς̣ Πα̣

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και Υι ω χρ̣ και

α γι ι ω Πνευ μα α α τι π̣ ς̣

Ω ς επ ε σχα α των των θρο ο ο ο ο νων χρ̣ ου ου

σης ο ψι ας Σααβ βα α α των ε ε φι στα σαι τοι οισ φι ι

ι ι ι λοις Χρι ι ι στε π̣ ς̣ και αι θαυ μα α τι θα αυ μα

βε βαι οι οι οισ χρ̣ τη κε κλει σμε ε ε νη ει ει σο ο δω

των θυρωων ^Δτην εκνεκρωων σου αα

να αααα σταααα σιν ^πααλλεπληησας χα

ρααας του ους μααθηηητας ^χκαι Πνευματος

ααγιιιου μεεεεε δωκας αααυτοις ^πκαι

εξουσιιαανεεενειειειεμας ^χαφε

εεσεως ααμααααρτιιιιων ^πκαι

τον Θωωμανουκατεεελλιιιιιπες ^χτωτης

απιστιιιαας ^Δκαταβαπτιιζεεσθαι κλυ

υυυυδωωωωνι ^πδιοπαραασχου και

ηημιν ^γγνωσιναληθη και αιαααφεσιν

πταισμαααατων ^χευσπλααγχε Κυυριε ^Δ

Ἑωθινὸν ι´

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 21:1-14

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 21:1-14

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ, ἐφάνέρωσεν ἑαυτὸν ὁ Ἰησοῦς τοῖς μαθηταῖς ἐπὶ τῆς θαλάσσης τῆς Τιβεριάδος· ἐφάνέρωσε δὲ οὕτως. ² Ἦσαν ὁμοῦ Σίμων Πέτρος, καὶ Θωμᾶς, ὁ λεγόμενος Δίδυμος, καὶ Ναθαναὴλ ὁ ἀπὸ Κανᾶ τῆς Γαλιλαίας, καὶ οἱ τοῦ Ζεβεδαίου, καὶ ἄλλοι ἐκ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ δύο. ³ Λέγει αὐτοῖς Σίμων Πέτρος· Ὑπάγω ἀλιεῦειν. Λέγουσιν αὐτῷ· Ἐρχόμεθα καὶ ἡμεῖς σὺν σοί. Ἐξῆλθον καὶ ἐνέβησαν εἰς τὸ πλοῖον εὐθύς, καὶ ἐν ἐκείνῃ τῇ νυκτὶ ἐπίασαν οὐδέν. ⁴ Πρωίας δὲ ἤδη γενομένης, ἔστη ὁ Ἰησοῦς εἰς τὸν αἰγιαλόν· οὐ μέντοι ᾔδεισαν οἱ μαθηταί, ὅτι Ἰησοῦς ἐστι. ⁵ Λέγει οὖν αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς· Παιδιά, μὴ τι προσφάγιον ἔχετε; Ἀπεκρίθησαν αὐτῷ· Οὐ. ⁶ Ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς· Βάλετε εἰς τὰ δεξιὰ μέρη τοῦ πλοίου τὸ δίκτυον, καὶ εὐρήσετε. Ἐβαλον οὖν, καὶ οὐκέτι αὐτὸ ἐλκύσαι ἴσχυσαν ἀπὸ τοῦ πλήθους τῶν ἰχθύων. ⁷ Λέγει οὖν ὁ μαθητῆς ἐκεῖνος, ὃν ἠγάπα ὁ Ἰησοῦς, τῷ Πέτρῳ· Ὁ Κύριός ἐστι. Σίμων οὖν Πέτρος, ἀκούσας ὅτι ὁ Κύριός ἐστι, τὸν ἐπενδύτην διεζώσατο (ἦν γὰρ γυμνός) καὶ ἔβαλεν ἑαυτὸν εἰς τὴν θάλασσαν. ⁸ Οἱ δὲ ἄλλοι μαθηταί τῷ πλοιαρίῳ ἦλθον (οὐ γὰρ ἦσαν μακρὰν ἀπὸ τῆς γῆς, ἀλλ´ ὡς ἀπὸ πηχῶν διακοσίων) σύροντες τὸ δίκτυον τῶν ἰχθύων. ⁹ Ὡς οὖν ἀπέβησαν εἰς τὴν γῆν, βλέπουσιν ἀνθρακιὰν κειμένην, καὶ ὀψάριον ἐπικειμένον καὶ ἄρτον. ¹⁰ Λέγει αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς· Ἐνέγκατε ἀπὸ τῶν ὀψαρίων ὧν ἐπίασατε νῦν. ¹¹ Ἀνέβη Σίμων Πέτρος, καὶ εἴλκυσε τὸ δίκτυον ἐπὶ τῆς γῆς, μεστὸν ἰχθύων μεγάλων ἑκατὸν πεντήκοντα τριῶν· καὶ τοσοῦτων ὄντων οὐκ ἐσχίσθη τὸ δίκτυον. ¹² Λέγει αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς· Δεῦτε ἀριστήσατε. Οὐδεὶς δὲ ἐτόλμα τῶν μαθητῶν ἑξετάσαι αὐτόν, σὺ τίς εἶ; εἰδότες ὅτι ὁ Κύριός ἐστιν. ¹³ Ἐρχεται οὖν ὁ Ἰησοῦς, καὶ λαμβάνει τὸν ἄρτον, καὶ δίδωσιν αὐτοῖς, καὶ τὸ ὀψάριον ὁμοίως. ¹⁴ Τοῦτο ἤδη τρίτον ἐφανερώθη ὁ Ἰησοῦς τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ, ἐγερθεὶς ἐκ νεκρῶν.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ι´

ἦχος β´

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ´)

Ὑψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον ι´

Τιβεριάδος θάλασσα, σὺν παισὶ Ζεβεδαίου, Ναθαναὴλ τῷ Πέτρῳ τε, σὺν δυσὶν ἄλλοις πάλαι, καὶ Θωμᾶν εἶχε πρὸς ἄγραν, οἱ Χριστοῦ τῇ προστάξει, ἐν δεξιοῖς χαλάσαντες, πλήθος εἴλκον ἰχθύων, ὃν Πέτρος γινούς, πρὸς αὐτὸν ἐνήχητο, οἷς τὸ τρίτον φανείς καὶ ἄρτον ἔδειξε, καὶ ἰχθὺν ἐπ´ ἀνθράκων.

Θεοδοκίον

Τὸν ἀναστάντα Κύριον, τριήμερον ἐκ τοῦ τάφου, Παρθένε καθικέτευε, ὑπὲρ τῶν σὲ ὑμνούντων, καὶ πόθῳ μακαριζόντων· σὲ γὰρ ἔχομεν πάντες, καταφυγὴν σωτήριον, καὶ μεσίτην πρὸς τοῦτον· κληῖρος γὰρ σός, καὶ οἰκέται πέλομεν Θεοτόκε, καὶ πρὸς τὴν σὴν ἀντίληψιν, ἅπαντες ἀφορῶμεν.

Πέτρου Λαμπαδαρίου

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Τι βε ρι α αδος θα α λασ σα συν παι σι Ζε
ε βε δαι αι ου Να θα να η ηλ τω Πε ε τρω τε συν
δυ σιν α αλ λοις πα α λαι και Θω μαν ει χε ε προς
α α γραν οι Χρι στου τη η προσ τα α ξει εν δε
ξι οι οις χα λα α σαν τες πλη θος ειλ κο ον ι χθυ υ
ων ον Πε τρος γνου ου ους προς αυ τον εν η χε το οι
οις το τρι ι τον φα νεις και α αρ τον ε ε δει ξε και
ι χθυν ε επ αν θρα α κων

Θεοτοκίον

Τον α να στα αν τα Κυ υ ρι ον τρι η με ρον

ε εκ του τα α φου Παρ θε νε κα αθ ι κε ε τευ ε
 υ περ των σε ε υ μνου ουν των και πο θω μα κα α ρι
 ζο ον των σε γαρ ε χο ο μεν πα αν τες κα τα
 φυ γη ην σω τη η ρι ον και με σι τη ην προς του ου
 τον κλη ρος γαρ σο ο ος και οι κε ται πε λο μεν Θε ε
 ο το ο κε και προς την ση ην αν τι ι λη ψιν α παν
 τες α φο ρω με ε ε ε εν

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Β̅ϛ̅

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.477/1347#

Τι βε ρι α α δος θα α λασ σα συν παι σι Ζε
 ε βε δαι αι ου Να θα να η η λτω Πε ε τρω τε συν
 δυ σιν α α λλοις πα α λαι και Θω μα αν ει χε ε προς

α α γραν οι Χρι στου τη η προσ τα α α ξει εν δε

ξι οι οισ χα λα α σαν τες πληθος ειλ κο ον ι χθυ υ ων

ον Πε τρος γνου ου ου ου ους προς αυ το ον ε νη η χε το οισ

το τρι ι τον φα νεις και α αρτον ε ε δει ξε και ι ι

χθυν ε επ ανθρα α κων

Θεοτοκίον

Τον α να στα αντα Κυ υ ρι ον τρι η με ρο ον

εχ τα α φου Παρ θε νε κα α θι κε ε τευ ε υ περ των

σε ε τι μω ων των και πο θω μα κα α ρι ζο ον των σε

γαρ ε χο ο μεν πα α αν τες κα τα φυ γη ην σω τη

η ρι ον και με σι τι ιν προς του ου τον κλη ρος γαρ σο ο

ο ο ος και οι κε ται πε λο μεν Θε ε ο το ο κε και

προς την ση ηναν τι ι ληψιν α παν τες α αφορω ω

με εν

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη

Ἦχος Δε

Ἀθανασίου Παναγιωτίδη
Ἐπίτομον Ἀναστασιματάριον
Θεσσαλονίκη 1955 σ.12#

Τι βε ρι ι α α δος θα α λασ σα συν παι αι σι




Ζε ε βε δαι αι ου Να θα να α η η ηλ τω Πε

ε τρω τε συν δυ υ σιν α αλ λοις πα α λαι και Θω

μαν ει χε ε προς α α γραν οι Χρι ι στου τη η προσ τα

α ξει εν δε ξι ι οι οι οισ χα α λα α σαν τες

πλη θος ειλ κο ον ι χθυ υ ων ον Πε τρο ος γνου ου ου ου


 ους προς αυ τον ε νη χε το οι οισ το τρι ι τον

 φα α νεις και αι αρ τον ε ε δει ει ξε ε ε ε

 ε και ι ι χθυν ε επ ανθρα α κων







Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

Ἦχος Δι

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.244#


Tι βε ρι α α δος θα α λασ σα συν παι αι σι Ze

 ε βε δαι αι ου Να θα να α η η ηλ τω Πε

 ε τρω τε συν δυ υ σιν α αλ λοις πα α λαι και Θω

 μαν ει χε ε προς α α γραν οι Χρι στου τη η προσ τα

 α ξει εν δε ξι ι οι οι οισ χα λα α σαν τες πλη

 θος ειλ κο ον ι χθυ υ ων ον Πε τρος γνου ου ου

ση η ην αν τι ι λη ψιν α παν τες α αφ ο ρω
 ω με εν

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἑωθινὸν δοξαστικὸν ι'

ἦχος πλ.β'

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

Μετὰ τὴν εἰς Ἄδου κάθοδον,
 καὶ τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν,
 ἄθυμουντες ὡς εἰκός,
 ἐπὶ τῷ χωρισμῷ σου Χριστέ οἱ μαθηταί,
 πρὸς ἐργασίαν ἐτράπησαν·
 καὶ πάλιν πλοῖα καὶ δίκτυα,
 καὶ ἄγρα οὐδαμοῦ.
 Ἀλλὰ σὺ Σῶτερ ἐμφανισθεὶς,
 ὡς δεσπότης πάντων,
 δεξιοῖς τὰ δίκτυα κελεύεις βαλεῖν·
 καὶ ἦν ὁ λόγος ἔργον εὐθύς,
 καὶ πλῆθος τῶν ἰχθύων πολὺ,
 καὶ δεῖπνον ξένον ἔτοιμον ἐν γῆ·
 οὗ μετασχόντων τότε σου τῶν μαθητῶν,
 καὶ ἡμᾶς νῦν νοητῶς καταξίωσον,
 ἐντροφῆσαι φιλόανθρωπε Κύριε.

Πέτρου Ἐφεσίου

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου

Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου

Ἐμμανουήλ Φαρλέκα

Κωνσταντίνου Πρίγγου

Ἀθανασίου Καραμάνη

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

ἦχος λ π Πά

Πέτρου Ἐφεσίου
 Αναστασιματάριον 1820 σ.257*

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι και Υι υι ω και α γι ι ω
 Πνε ευ μα α α τι

M ε τα την εις Α δου ου κα θο δον και την εκ νε
 κρων Α να α α α στα α α α σιν α θυ μου ουν τες
 ως ει ει κος ε πι τω χω ρι σμω ω ω ω σου
 ου Χρι στε ε ε οι οι οι Μα α θη η η ται προς ερ
 γα σι ι α αν ε τρα α πη η η η σαν και πα λιν πλοι
 οι α και αι δι ι κτυ υ υ υ α και α α α γρα ου
 ου δα α α μου αλ λα συ Σω τερ εμ φα νι σθει εις
 ω ως Δε ε ε σπο ο ο τη ης παν των δε ξι οι οισ τα δι κτυ
 υ α κε λε ε ευ ει εις βα α α λειν και ην ο ο λο
 ο γος ε ε ερ γο ον ε ε ευ θυς και πλη θος των ι χ
 θυ υ υ ω ω ν πο ο ο λυ και δει ει ει ει πνο ον

ξε ε ε νον ε τοι οι μον ε εν γη ου με τα σχον
 των το τε σου ου των Μα α θη η η η των και η μας
 νυν νο ο ο η η τως κα τα ξι ι ω σο ο ον ε ε εν
 τρυ υ φη η η σαι φι λα α α αν θρω ω πε Κυ υ
 υ υ ρι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ π Πά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.485*

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και α γι
 ι ι ω Πνε ευ μα α α α τι
 Μ ε τα την ει εις α α α δου καθ ο ο δο ον και
 την εκ νε κρω ων α να α α στα α α α σιν α θυ

μου ν τε ες ως ει ει κος ε πι τω χω ρι ι σμω ω ω ω

ω ω σου ου Χρι στε ε ε οι μα α θη η η ται

προς ερ γα σι ι α αν ε τρα α α πη η η η σαν και πα

α α α α α λιν πλοι οι α και αι δι ι κτυ υ α

και α α α γρα ου ου δα α α μου αλ λα συ υ Σω

ω ω τερ ε εμ φα νι ι σθεις ως Δε σπο ο ο τη ης πα

α αν των δε ξι οι οισ τα α δι κτυ υ α κε λε ε

ευ ει εις βα α α λειν και ην ο λο γος ε ε

ε ερ γο ον ε ε ευ θυς και πλη η η η η η η η η

η η η η θο ο ο ος των ι χθυ υ υ υ υ υ

ων πο λυ υ υ υ υ υ υ υ υ και δει ει πνον ξε ε

ε νο ον ε ε τοι μον ε ε ε εν γη ου με τα σχο
 ο ο ον τω ων το τε σου ουτων μα α θη η η η των
 και η μας νυν νο η η τως κα τα ξι ι ι
 ω ω σοον εν τρυ υ φη η η σαι αι φι λα αν θρω ωπε
 Κυ υ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ π Πά

Αναστασιματάριον
 Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
 1905 σ.437*

Δ ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι ι ω και α γι ι
 ω Πνε ευ μα α α τι
 Με τα την εις α α α δου ου κα θο ο δο ον και
 την εκ νε κρων α να α στα α α α σιν α θυ μου
 τε ες ως ει ει χο ο ο ο ος ε πι ι τω ω χω ρι

σ μ ω ω ω ω ω σου ου Χ ρ ι σ τε ε ο ι ο ι ο ι Μ α

α θ η η η τ αι π ρ ο σ ε ρ γ α σ ι ι ι ι α α α ν ε ε

τ ρ α α α α π η η η η σ α ν και πα α α λ ι ν π λ ο ι ο ι

ο ι ο ι α και αι δι ι κ τ υ υ υ α και α α γ ρ α ο υ ο υ

δ α α α μ ο υ α λ λ α σ υ υ Σ ω ω ω τ ε ρ ε ε μ φ α

ν ι ι σ θ ει ς ω ς Δ ε σ π ο τ η ς πα α α α ν τ ω ν δε ξ ι ο ι

ο ι ς τ α α δι κ τ υ υ α κ ε λ ε ε ε ε υ ει ει ς β α α α

λ ει ν και η ν ο λ ο γ ο ς ε ε ε ρ γ ο ο ν ε ε ε υ

θ υ ς και π λ η η η η η η η η η η η η θ ο ο ς τ ω ν

ι χ θ υ υ ω ω ν π ο ο ο λ υ και δ ει ει ει ει

π ν ο ο ν ξ ε ε ε ν ο ν ε τ ο ι ο ι μ ο ν ε ε ε ε ε

ε ε εν γη η η ου με τα σχο ο ο ον τω ων το
 τε σου ου ου των Μα α θη η η η των και η μας νυ
 υν νο η η τως κα τα ξι ι ω σο ο ον ε ε εν τρυ υ
 φη η η σαι φι λαν θρω ω ω ω πε Κυ υ υ
 ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός, Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος λ π Πά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
 Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
 Ἅγιον Όρος 2009 σ.376*

λ ε ε Δο ο ο ξα α Πα α τρι ι ι ι ι και αι Υι υι
 υι ω ω ω ω ω ω ω και Α γι ι ι ι ι
 ω ω α γι ι ω ω Πνε ε ε ε ε ευμα τι
M ε ε τα α α τη ην ει εις Α α α α α δου ου κα α

α α θο δο ον και την ε εκ νε κρω ων Α να

α α στα α α α σιν α θυ μου ου ου ου ου ου ου ου

ου ουν τε ες ω ω ω ω ω ω ως ει ει ει ει ω ως ει ει

κο ος ε πι τω χω ω ρι ι σμω ω ω ω ω σου

Χρι στε ε ε ε ε οι οι ιοι οι οι οι μα θη η η ται αι

και αι αι αι προς ερ γα σι ι ι ι α α α αν

ε τρα α α α α πη η η η ιη η η η σαν

και πα α α λι ιν πλοι οι οι α και δι ι ι

ι ι ι κτυ υ υ υ α και αι α γρα α ου ου δα α

μου ου ου ου ου ου ου ου αλ λα α α συ υ

Σω ω ω ω ω ω ω ω τερ εμ φα νι σθει ει ει

ου ου ου̇ με τα ασχο ο ον των το τε σου ου των

μα θη η των και η μα α α α α ας νυ υν νο η

η τω ως κα τα α ξι ι ι ι ι ι ω ω ω ω ω

λω ω ω ω σον εν τρυ φη η η η η η η σαι αι φι

λαν θρω ω ω ω πε Κυ υ υ ρι ι ε Κυ υ υ ρι

ε

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ (†1875)

Ἦχος λ̇ Πά

Γεωργίου Ραιδεστινοῦ
Πεντηκοστάριον
1886 σ.173*

υε ε Δο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι ι και αι αι Υι υι ω

και Α γι ι ω Πνε ε ευ μα α α α τι

M ε τα την ει εις Α α α α α α α δου ου κα α θο ο

ως Δε σπο ο ο ο ο ο ο ο ο ο ο της πα α α α α

α γα α α αν των δε ξι οισ τα δι ι κτυ υ α

κε λε ευ εις βα α λει ει ει ν και ην ο λο ο ο

γος ε ε ε ε ρ γον ε ευ θυ υ γυ υ υ υς και πλη

η η η η η η η η η η η η η θο ο ος τω ω ω ω ν

ι ι χθυ υ υ υ υ ω ω ω ω ω ω ω ω ν πο ο ο

ο ο ο πο ο λυ υ υ υ και δει ει ει ει πνο ο ν

ξε ε ε ε ε νον ε τοι οι μον ε εν γη η η η ου

με τα σχο ο ο ο ν των το τε ε σου ου τω ω ω ν μα α

α α α θη η η των μα α θη η τω ω ν και η

μας νυ υ ν νο η η τω ω ω ως κα τα ξι ι ι ω ω

η η η σαν και αι πα α α α α λιν πλοι οι οι οι α

και αι δι ι ι ι κτυ υ υ υ α α και αι α α α γρα

α α ου δα α μου ου ου ου αλ λα α συ υ Σω ω ιω

ω ω ω τερ ε εμ φα νι ι σθει ει ει εις ως Δε σπο ο ο

ο ο ο ο ο ιο ο ο τη ης πα α α α α α α ια α α

αν των δε ξι οι οισ τα α δι ι κτυ υ α α κε ε

ε λε ευ ει εις βα α λει ει ει ει ει ιει ει ει ει ει ει

ειν και ην ο λο ο ο γο ος ε ε ε ε εργον ε

ευ θυς και πλη η η η η η η η η η η η η η η η θο ος

τω ω ω ω ων ι ι χθυ υ υ υ υ ω ω ω

ω τω ων ι ι χθυ υ υ ω ων πο ο ο λυ και

δει ει ει ει πνο ον ξε ε ε ε ε ε ε ε ε νον ε

ε ε ε ε τοι μο ον ε εν γη η η ου ου ου με ε

τα α σχο ο ον τω ων το τε σου τωων μαθη η τω ω ω ων

και η μας νυ υν νο η η τω ω ω ως κα α τα α ξι

ι ι ι ω ω ω σον εν τρυ υ φη η η η η η η η η

σαι φι λα αν θρω ωπε Κυ υ υ ρι ι ι ι ε ε ε

ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης Λουκάς Λουκά

Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα (†1958)

Ἦχος λ π Πά χ

Εμμανουήλ Φαρλέκα
Βυζαντινά Μελωδήματα
2011 σ.239*

ΠΑ
με ε Δο ξα Πα τρι ι ι ι ι και αι αι Υι υι ω ω

και Α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι

^{ΠΑ} ^{ΝΗ} ^{ΖΟ}
Μ ε τ α τ η ν ε ι ς α α α α δ ο υ ο υ κ α α θ ο ο δ ο ν ^{ΖΗ}

^{ΠΑ} ^{ΔΙ}
κ α ι τ η ν ε κ ν ε κ ρ ω ω ν α ν α α α α σ τ α

^{ΠΑ}
α α α ι α α α α σ ι ν α θ υ μ ο υ ο υ ο υ ν

τ ε ε ε ς ω ς ε ι κ ο ς ε π ι τ ω χ ω ρ ι σ μ ω ω

^{ΔΙ}
ω ω ω ω σ ο υ Χ ρ ι σ τ ε ε ο ι ο ι ο ι μ α α θ η η η

^{ΠΑ}
τ α ι π ρ ο ς ε ρ γ α σ ι ι ι ι α ν ε τ ρ α α α α

π η η η η ε τ ρ α α π η η σ α ν κ α ι π α α α

^{ΔΙ}
α λ ι ν π λ ο ι ο ι ο ι ο ι α κ α ι δ ι ι ι ι κ τ υ υ υ

^{ΠΑ}
υ α κ α ι α α α γ ρ α ο υ ο υ δ α α α μ ο υ ο υ

^Π
ο υ α λ λ α α σ υ Σ ω ω ω ω τ ε ρ ε ε μ φ α ν ι ι σ θ ε ι ε ι ς

^{ΚΕ} ^{ΔΙ}
ω ς δ ε σ π ο ο ο ο τ η η η ς π α α α ν τ ω ω ν δ ε

ξί οι οίς τα δι ι κτυ υ α κε λε ε ε ε ε ευ

ει εις βα α α λει ει εις και ην ο λο ο ο

γος ε ε ε ερ γο ον ευ θυ υ υς και αι

πλη η η η η θο ο ο ος των ι χθυ υ υ ω

ων πο ο ο λυ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ

και δει ει ει ει πνο ον ξε ε ε ε ε ε νο

ον ε τοι οι μον ε εν γη η η ου με τα σχο

ο ο ον των το τε ε σου των μα α α θη η των και

η μα ας νυ υν νο η τως κα τα ξι ι ι ι ω ω ω

σον ε εν τρυ φη η η η σαι φι λα αν θρω ω

πε Κυ υ υ υ ρι ι ι ε ε ε ε

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος λ π Πά

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

υε ε Δο ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι και αι αι

Υι υι ω και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α

τι

Μ ε τα α α τη ην ει εις Α α α α α δου κα αα

α α θο ο ο δο ον και την εκ νε κρω ω ων

Α α α να α α α α α α στα α σιν α

α α θυ υ μου ουν τες ω ω ως ει ει κος

ε πι ι τω ω ω χω ρι ι σμω ω ω σου ου Χρι

στε ε οι οι οι Μα α θη η η ται προς ερ γα

σι ι α α αν ε τρα α α α α πη η η η σαν και

πα α α λιν πλοι οι οι α και αι αι δι

ι ι ι κτυ υ υ υ α και αι α α γρα ου ου

δα α α μου αλ λα συ Σω ω ω τερ εεμ φα

νι σθεις ως Δε σπο τη ης πα αα α α αν των δε ξι

οι οισ τα δι ι κτυ υ υ α κε λε ε ε ε ευ

εις βα α α λειν και ην ο λο ο ο γος ε

ε ε ε εργον ε ευ θυς και πλη η η θο ος

των ι χθυ υ υ υ υ ων πο ο ο λυ και δει

ει ει ει ει ει πνον ξε ε ε νον ε ε τοι οι μο ο ον

εν γη ου με τα σχο ο ον των το τε σου ου ου των

Μα α α α α θη η η η των και η

μα ας νυ υν νο η τως κα τα ξι ι ι ω ω σο

ο ον ε ε ε εν τρυ φη η η σαι φι λα α

α α α α α λε φι λα α αν θρω ω πε Κυ υ υ

υ υ υ υ ρι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ π Πά χ

Αθανάσιος Καραμάνης
Νέα Μουσική Συλλογή
τόμος Α' 1955 σ.158*

^{ΠΑ}
N ε ε Δο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι ι και αι αι

^{ΔΙ}
Υι ω και Α γι ι ι ι ω ω ω Πνε ε ε ε ε

ε ευ μα α α α λα α α α α τι

^{ΜΕΛ ΠΑ} ^{ΝΗ}
M ε τα α α την εις α α α α α δου κα α α θο

^{ΔΙ}
ο δο ον και την εκ νε κρω ων Α να α α α α

στα α α α σιν ^{ΠΑ} α α θυ υ μου ουν τε ες ω ως

ει ^{ΔΙ} κο ο ος ^{ΚΕ} ε πι ι τωω χω ρι σμω ω ω

ω ω ω ω σου ου ^{ΔΙ} Χρι ^Χ στε ε οι οι οι Μα α θη

η η ται ^{ΠΑ} προς ^{ΚΕ} ερ γα ^{ΔΙ} σι ι ι ι ι ι α α α αν ε

ε τρα α α α α ^{ΚΕ} πη η η η σαν και αι πα α α

λιν ^{ΚΕ} πλοι οι οι α και αι δι ι ι ι ι κτυ υ

υ υ α ^{ΔΙ} και ^{ΜΕΛ} α α γρα ου ^{ΠΑ} δα α α μου ^{ΚΕ} αλ λα α

α ^{ΚΕ} συ υ ^{ΠΑ} Σω ω ω ^{ΚΕ} τερ ε εμ φα ^{ΚΕ} νι σθεις ^{ΚΕ} ως Δε ε

σπο ^{ΜΕΛ} ο ο τη η ης ^{ΔΙ} πα α α α αν ^{ΚΕ} τω ω ω ων δε

ξι ^{ΠΑ} οι οισ τα α δι ι κτυ υ α α ^{ΚΕ} κε λε ε ε

ε ^{ΔΙ} ευ εις ^{ΚΕ} βα α α ^{ΠΑ} λει ειν και ην ^{ΔΙ} ο λο ο

γος ε ε ε ε ρ γον ε ευ θυς και πλη η η η η η
 η η η η η η η η θο ος των ι χθυ υ υ
 υ υ ων πο ο λυ υ και δει ει ει ει πνο ον ξε ε ε ε
 νον ε ε ε τοι οι οι μον ε ε ε ε εν γη η
 ου με τα σχο ο ο ον των το ο τε σου ου ου των
 Μα α θη η η η των και αι η η μας νυ υν νο η
 τως κα τα ξι ι ι ι ω ω ω σον ε εν τρυ φη η
 η η σαι φη λα αν θρω ωπε Κυ υ υ υ ρι ι ι ι
 ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος λ π Πά

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
 Μουσική Παρακλητική
 2004 σ.490/1360#

Δ ο ο ο ξ α Πα α τρι ι ι ι και αι αι Υι υι ω και α

γι ι ω Πνε ευ μα α α τι

Μ ε τα την εις α α α δου ου κα θο ο δο ον και

την εκ νε κρων α να α στα α α α σιν α θυ μουν

τε ες ως ει ει κο ο ο ο ος ε πι ι τω ω χω ρι

σμων ω ω ω ω σου ου Χρι στε ε οι οι οι μα

α θη η η η ται προς ερ γα σι ι ι α α α αν ε ε

τρα α α α πη η η η σαν και πα α α λιν πλοι οι οι

οι α και δι ι κτυ υ υ υ α και α α γρα α ου δα α μου

ου αλ λα συ υ Σω ω ω τερ ε εμ φα νι ι σθεις ως

Δε σπο της πα α α αν των δε ξι οι οισ τα α δι κτυ υ

α κε λε ε ε ευ ει εις βα α α λειν και ην ο
 λο γος ε ε ερ γο ον ε ε ευ θυς και πλη η η η
 η η η η η η η η θο ος των ι χθυ υ υ υ
 ω ων πο ο ο λυ και δει ει ει ει πνο ον ξε
 ε ε νον ε τοι οι μο ο ον ε εν γη η ου με τα σχον
 των το τε σου των μα θη η των και η μας νυ υν νο η η
 τως κα τα ξι ι ι ι ω ω ω σον ε εν τρυ φη η η
 η σαι φι λα αν θρω ωπε Κυ υ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη (†2016)

Ἦχος λ π Πά χ

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
 Τρίτομος ανθολογία τ. Β'
 Ὅρθρος 1987 σ.598*

Ν ε ε Δο ο ο ο ο ξα Πα τρι και αι αι Υι υι

ω και α γι ι ι ω Πνε ευ μα α α τι

Μ ε τα α την ει εις Α α α α α α δου ου κα α

α α α α α θο ο ο δο ον και την εκ νε κρω

ω ων Α να α α στα α α α σι ιν α θυ μου ουν τε

ες ως ει ει κο ο ο ο ος ε πι ι τω ω χω ρι ι

σμο ω ω ω σου ου ου Χρι στε ε οι οι οι Μα

α θη η η η ται προς ερ γα σι ι α α αν ε τρα α α

πη η η η σαν και πα α α α λιν πλοι οι οι α

και δι ι ι ι κτυ υ υ α και αι α α γρα ου ου

δα α α μου αλ λα συ Σω ω τερ εμ φα νι ι σθεις

ως Δε σπο ο ο τη η ης πα α αν τω ων δε ξι οι

οις τα α δι ι ι κτυ υ υ α κε λε ε ε ευ εις βα

α α λειν και ην ο λο ο ο γος ε ε ε ε ε

ερ γο ευ θυ υ υ υ υ ιυ υ υ υς και πλη η η θο ος

των ι χθυ υ υ ων πο ο λυ υ και δει ει ει ει πνο

ον ξε ε ε νον ε ε τοι μον ε ε εν γη ου με

τα σχο ο ον των το τε σου ου ου των Μα α θη η η η

των και η μας νυ υν νο ο η η τω ω ω ω ω ω

ως κα τα ξι ι ι ι ω ω ω σον ε εν τρυ φη η η

ησαι φι λα αν θρω ωπε Κυ υ υ ρι ι ι ι ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος λ π Πά

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020*

Δ ο ο ο ο ξα Πα α τρι ι ι ι ι και αι αι Υι υι

ω και α γι ι ω Πνευ μα α α τι

Μ ε τα α την εις α α α δου κα θο ο δον και την εκ

νε κρω ω ων α να α α στα α α α σιν α θυ

μουν τε ες ως ει ει κος ε πι τω χω ρι σμω ω ω ω

σου Χρι στε ε οι οι οι μα α θη η η ται προς

ερ γα σι ι α α αν ε τρα α α πη η η η σαν και

πα α λιν πλοι οι οι α και αι αι δι ι ι ι κτυ υ

υ α και α α α γρα ου ου δα α α μου αλ

λα σοι Σω ω τερ εμ φα νι σθει εις ω ως Δε ε ε

σπο ο ο τη η ης πα α αν των δε ξι οι οισ τα α δι

κτυ υ α κε λε ε ευ εις βα α α λειν και ην ο λο

ο γος ε ε ε εργον ε ευ θυς και πλη η η θος των

ι χθυ υ υ ων πο ο ο λυ και δει ει ει ει

πνο ο ον ξε ε ε ε νον ε ε ε τοι μον ε ε εν

γη ου ουου με τα σχο ο ον των το τε σου των μα α

α θη των και η μας νυ υν νο η τως κα τα ξι ι

ω ω σο ο ον ε ε εν τρυ υ υ φη η η σαι φι λα

αν θρω ωπε Κυ υ υ ρι ι ι ι ε

* αλ λα σοι Σω ω ω τερ ε εμ φα νι σθεις ως Δε

σπο ο ο τη η ης πα α αν των δε ξι οι οισ τα α δι

κτυ υ α

Ἑωθινὸν ια΄

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην 21:14-25

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην ἀγίου εὐαγγελίου τὸ ἀνάγνωσμα. 21:14-25

Τῷ καιρῷ ἐκεῖνῳ, ἐφάνέρωσεν ἑαυτὸν ὁ Ἰησοῦς τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ, ἐγερθεὶς ἐκ νεκρῶν. ¹⁵ Ὅτε οὖν ἤρίστησαν, λέγει τῷ Σίμωνι Πέτρῳ ὁ Ἰησοῦς· Σίμων Ἰωνᾶ, ἀγαπᾶς με πλεῖον τούτων; λέγει αὐτῷ· Ναί, Κύριε· σὺ οἶδας, ὅτι φιλῶ σε. λέγει αὐτῷ· Βόσκει τὰ ἄρνια μου. ¹⁶ λέγει αὐτῷ πάλιν δεύτερον· Σίμων Ἰωνᾶ, ἀγαπᾶς με; λέγει αὐτῷ· Ναί, Κύριε· σὺ οἶδας, ὅτι φιλῶ σε. λέγει αὐτῷ· Ποίμαινε τὰ πρόβατά μου. ¹⁷ λέγει αὐτῷ τὸ τρίτον· Σίμων Ἰωνᾶ, φιλεῖς με; Ἐλυπήθη ὁ Πέτρος, ὅτι εἶπεν αὐτὸ τὸ τρίτον, φιλεῖς με· καὶ εἶπεν αὐτῷ· Κύριε, σὺ πάντα οἶδας, σὺ γινώσκεις, ὅτι φιλῶ σε. λέγει αὐτῷ ὁ Ἰησοῦς· Βόσκει τὰ πρόβατά μου. ¹⁸ Ἀμὴν ἀμὴν λέγω σοι, ὅτε ἦς νεώτερος, ἐξώνυες σεαυτὸν καὶ περιεπάτεις ὅπου ἤθελες· ὅταν δὲ γηράσης, ἐκτενεῖς τὰς χεῖράς σου, καὶ ἄλλος σε ζώσει, καὶ οἴσει ὅπου οὐ θέλεις. ¹⁹ Τοῦτο δὲ εἶπε, σημαίνων ποίῳ θανάτῳ δοξάσει τὸν Θεόν. Καὶ τοῦτο εἰπὼν, λέγει αὐτῷ· Ἀκολουθεῖ μοι. ²⁰ Ἐπιστραφεὶς δὲ ὁ Πέτρος βλέπει τὸν μαθητὴν, ὃν ἠγάπα ὁ Ἰησοῦς, ἀκολουθοῦντα, ὃς καὶ ἀνέπεσεν ἐν τῷ δειπνῷ ἐπὶ τὸ στήθος αὐτοῦ, καὶ εἶπε· Κύριε, τίς ἐστὶν ὁ παραδιδούς σε; ²¹ Τοῦτον ἰδὼν ὁ Πέτρος λέγει τῷ Ἰησοῦ· Κύριε, οὗτος δὲ τίς; ²² λέγει αὐτῷ ὁ Ἰησοῦς· Ἐὰν αὐτὸν θέλω μένειν ἕως ἔρχομαι, τί πρὸς σέ; Σύ ἀκολουθεῖ μοι. ²³ Ἐξῆλθεν οὖν ὁ λόγος οὗτος εἰς τοὺς ἀδελφούς, ὅτι ὁ μαθητὴς ἐκεῖνος οὐκ ἀποθνήσκει· καὶ οὐκ εἶπεν αὐτῷ ὁ Ἰησοῦς, ὅτι οὐκ ἀποθνήσκει, ἀλλ' Ἐὰν αὐτὸν θέλω μένειν ἕως ἔρχομαι, τί πρὸς σέ; ²⁴ Οὗτός ἐστιν ὁ μαθητὴς, ὁ μαρτυρῶν περὶ τούτων, καὶ γράψας ταῦτα· καὶ οἶδαμεν, ὅτι ἀληθὴς ἐστὶν ἡ μαρτυρία αὐτοῦ. ²⁵ Ἔστι δὲ καὶ ἄλλα πολλὰ, ὅσα ἐποίησεν ὁ Ἰησοῦς, ἅτινα ἐὰν γράφηται καθ' ἓν, οὐδὲ αὐτὸν οἶμαι τὸν κόσμον χωρῆσαι τὰ γραφόμενα βιβλία. Ἀμὴν.

Ἀναστάσιμον ἑξαποστειλάριον ια΄

ἦχος β΄

Ἅγιος Κύριος ὁ Θεὸς ἡμῶν. (γ')

Ἦψοῦτε Κύριον τὸν Θεὸν ἡμῶν, καὶ προσκυνεῖτε τῷ ὑποποδίῳ τῶν ποδῶν αὐτοῦ, ὅτι ἅγιός ἐστιν.

ἀναστάσιμον ια΄

Μετὰ τὴν θείαν ἔγερσιν, τρίς τῷ Πέτρῳ, φιλεῖς με, πυθόμενος ὁ Κύριος τῶν ἰδίων προβάτων, προβάλλεται ποιμενάρχην, ὃς ἰδὼν ὃν ἠγάπα, ὁ Ἰησοῦς ἐπόμενον, ἤρετο τὸν Δεσπότην· οὗτος δὲ τίς; Ἐὰν θέλω, ἔφησε, μένειν τοῦτον, ἕως καὶ πάλιν ἔρχομαι, τί πρὸς σέ φίλε Πέτρε;






Θεοτοκίον

Ἦ φοβερόν μυστήριον, ὃ παράδοξον θαῦμα! διὰ θανάτου θάνατος παντελῶς ἠφανίσθη· τίς οὖν μὴ ἀνυμνήσει σου, καὶ τίς μὴ προσκυνήσει σου, τὴν Ἀνάστασιν Λόγε, καὶ τὴν ἀγνώως, ἐν σαρκὶ τεκοῦσάν σε Θεοτόκον; Ἦς ταῖς πρεσβείαις ἅπαντας, λύτρωσαι τῆς γεέννης.


Πέτρου Λαμπαδαρίου
Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Χρῦσανθου Θεοδοσόπουλου
Ἀθανάσιου Παναγιωτίδη

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Μ ε τα την θει ει αν ε ε γερ σιν τρις τω Πε τρω ω
 φι λει εις με  πυ θο με νο ος ο Κυ υ ρι ος των ι δι
 ω ων προ βα α των  προ βα λ λε ται ποι οι με να αρ χην ος
 ι δων ο ον η γα α πα ο Ι η σου ους ε πο ο
 μενον η ρε το το ον Δε σπο ο την ου τος δε τι ι ι ι 
 ε αν θε λω ε φη σε με ε νειν του ου τον  ε ως και πα α λιν
 ε ερ χομαι τι προς σε φι ι λε Πε ε τρε 

Θεοτοκίον

Ω φο βε ρο ον μυστη η ρι ον ω πα ρα δο ο
 ξον θα αυ μα  δι α θα να α του θα α να τος παν τε

λως η η φα νι ι σθη τις ουν μη α α νυ μνη η σει σου
 και τις μη προ οσ κυ νη η σει σου την α να στα α σιν Λο
 ο γε και την α γνω ω ω ως εν σαρ κι τε κου σαν
 σε Θε ε ο το ο κον ης ταις πρε σβει ει αις α α παν τας
 λυ τρωσαι τη ης γε εν νη η η ης

Γεράσιμος Μοναχός Αγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος Β̅

πρωτ. Κων. Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.478/1348#

Με τα την θει ει αν ε ε γερ σιν τρις τω Πε τρω ω φι
 λει εις με πυ θο με νο ος ο Κυ υ ρι ος των ι δι ω
 ων προ βα α των προ βαλ λε ται ποι οι με να αρ χην ος
 ι δων ον η γα πα ο Ι η σους ε πο ο μενον η ρε
 το το ον Δε σπο ο την ου τος δε τι ι ι ι ι ε αν θε

λω ε φησε με ενειντου ου τον ε ως και πα αλιν ε ερ

χομαι τι προς σε φι ι λε Πε ε τρε ε

Θεοτοκίον

ω ς φο βε ρο ον μυ στη η ρι ον ω πα ρα δο ο ξον θα

αυ μα δι α θα να α του θα α να τος παν τε λως

η φα νι ι σθη και κο σμος α νε ε και νι ι σθη τις

ουν μη α α νυ μνη η η σει και τις μη προ ο σκυ νη η

σει σε Δε σπο τα Χρι ι στε ε α α α α να ξ και την α

γνω ω ω ως εν σα ρ κι τε κου σαν σε Θε ε ο το ο κον

ης ταις πρε σβει ει αις α α παν τας λυ τρωσαι τη ης γε ε

εν νη ης

Με τατην θειαν εεγερσιν τρις τω Πε τρω
 ω φιλει εις με πυθομενος ο Κυ υ ρι ος
 των ιιδιων προβαα των προβαλ λεται ποιμενα
 αρχην ος ιιδων ο ονηγαα πα ο Ι η
 η σου ου ους ε πο ο με νον η ρε το ο το ον Δε
 σπο ο την ου τος δε τι ι ι ι ι ι ε αν θε λω
 ω ε φη η σε με ενειν του ου τον ε ως και αι πα α λιν
 ε ερ χο μαι τι προ ος σε ε φι ι λε Πε ε τρε ε

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκάς

Χρύσανθου Θεοδοσόπουλου

ΜΕΛ ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ
Μ ε τα την θει ει αν ε ε γερ σιν τρις τω Πε
ΔΙ
 τρω ω φι λει εις με Ⲅ πυ θο με νο ος ο Κυ
ΜΕΛ ΓΑ ΒΞ ΜΕΛ ΒΞ
 υ ρι ος των ι ι δι ω ων προ βα α των προ βαλ
ΜΕΛ ΒΞ
 λε ται ποι οι με να αρ χην ος ι δων ο ον η γα α
ΓΑ ΔΙ ΜΕΛ ΒΞ
 πα ο Ι η η σου ου ουσ ε πο ο με νον η ρε
ΜΕΛ
 το ο το ον Δε σπο ο την ου τος δε τι ι ι ι
ΓΑ ΒΞ ΔΙ
 ι ε αν θε ε λω ε φη σε με ενειν του ου τον ε ως
ΜΕΛ ΒΞ
 και αι πα α λιν ε ερ χομαι τι προς σε ε φι ι λε
ΜΕΛ
 Πε ε Ⲫ Ⲭ Ⲅ Ⲅ
 τρε ε

Θεοτοκίον

Ἦχος Ⲫ Ⲭ Ⲅ Ⲅ

Χρῆσανθου Θεοδοσίου
 Ἀκολουθία τοῦ Ὁρθρου σ.248#

ΒΞ ΜΕΛ ΒΞ
Ω φο βε ρο ον μυ στη η ρι ον ω πα ρα δο

ο ξον θα αυ μα ^{ΓΑ ΔΙ} δι α θα α να α α του θα
^{ΜΕΛ} α να τος ^{ΓΑ ΒΞ} παν τε ε λως η η φα νι ι σθη ^{ΒΞ} τις ουν
^{ΜΕΛ} μη α αν υ μνη η η σει σου ^{ΒΞ} και τις μη προ οσ κυνη η
^{ΜΕΛ ΒΞ} σει σου την α να στα α σιν λο ο ο γε και την α
^{ΜΕΛ ΒΞ} γνω ω ω ως εν σαρ κι τε κου σαν σε Θε
^{ΔΙ} ε ο το ο κον ης ταις πρε ε σβει ει αις ^{ΜΕΛ} α α παν τας
^{ΒΞ} λυ τρω ^{ΜΕΛ} σαι αι τη ης γε ε εν νη ης

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκᾶ

Ἐωθινὸν δοξαστικὸν ια΄

ἤχος πλ.δ΄

Δόξα Πατρὶ καὶ Υἱῷ καὶ ἁγίῳ Πνεύματι.

Φανερῶν ἑαυτὸν,
 τοῖς μαθηταῖς σου Σωτῆρ μετὰ τὴν ἀνάστασιν,
 Σίμωνι δέδωκας τὴν τῶν προβάτων νομὴν,
 εἰς ἀγάπης ἀντέκτισιν,
 τὴν τοῦ ποιμένειν φροντίδα αἰτῶν.
 Διὸ καὶ ἔλεγες· εἰ φιλεῖς με Πέτρε,
 ποιῶμαι τὰ ἄρνια μου,
 ποιῶμαι τὰ πρόβατά μου.
 Ὁ δὲ εὐθέως ἐνδεικνύμενος τὸ φιλόστοργον,
 περὶ τοῦ ἄλλου μαθητοῦ ἐπυνθάνετο.

Πέτρου Ἐφεσίου

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου

Γεωργίου Ραιδεστηνοῦ

Ἀλεξάνδρου Βυζαντίου

Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα

Κωνσταντίνου Πρίγγου

Ἀθανασίου Καραμάνη

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη

Ὡν ταῖς πρεσβείαις Χριστέ,
τὴν ποίμνην σου διαφύλαττε,
ἐκ λύκων λυμαινομένων αὐτήν.

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Πέτρου Λαμπαδαρίου (†1778)

Ἦχος λ π ς Νη

Πέτρου Ἐφεσίου
Ἀναστασιματῆριον 1820 σ.259*

Δ ο ξ α Πα α τρι και αι Υι υι ω και α γι ω Πνε ε

ε ευ μα α α α τι

Φ α νε ρων ε α αυ τον τοις Μα θη ται αι αις σου

Σω ω τηρ με τα τη ην Α να α α στα α α α

σιν Σι μω νι ι ι δε δω ω κας την των προ βα α α τω

ων νο ο μην εις α γα πης α α αν τε χτι ι σιν την του

ποι με νειν φρο ον τι ι ι δα α αι αι αι τω ων δι

ο και αι ε λε ε γες ει ει φι ι λει εις με ε Πε ε ε τρε

ποι μαι νε τα α α αρ νι α α μου ποι μαι αι νε ε τα προ

βα α α τα α α α μου ο δε ευ θε ως εν
 δει κνυ υ με νο ος το ο φι λο ο ο στο ο ο ορ
 γον πε ρι του αλ λου Μα θη του ε πυ υν θα α α α
 νε ε ε ε το ω ωνταις πρε σβειει αις Χρι ι στε την ποι
 μνην σου δι α φυ λαατ τε εκ λυ υ κων λυ μαι αι νο με
 ε ε νω ων α α αυ την

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου (†1862)

Ἦχος λ π ρι Νη

Κωνσταντίνου Πρωτοψάλτου
 Αναστασιματάριον 1865 σ.487*

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι και αι Υι υι ω και αι α γι ω
 ω Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι
 Φ α νε ρω ω ων ε α αυ τον τοι οισ μα α θη η η

σ.432*

ται αι αι αις σου Σω ω τηρ με τα τη ην α να α α

α α α α στα σιν Σι μω νι ι ι δε δω ω κας την

των προ βα α α α των νο ο μη ην εις α γα πης

α α αν τε ε ε ε κτι ι σι ιν την του ποι μαι αι

αι αι αι νει ει ει ν φρον τι ι ι ι δα α αι αι

αι των δι ο και αι ε λε ε γες ει ει φι λει ει εις

με Πε ε ε ε τρε ποι μαι νε τα α α α αρ νι α α μου

ποι οι μαι αι αι νε ε τα προ ο βα τα α α α μου

ο δε ευ θε ε ω ως εν δει ει κνυ με ε νος το ο

φι ι ι λο στο ορ γο ον περι του αλ λου μα α

θη η του ε πυν θα α α α νε ε ε ε το

ω ων ταις πρε σβει ει αις Χρι ι στε την ποι οι μνη ην

σου ου δι ι α α φυ υ υ λα α α ατ τε εκ

λυ υ υ υ υ υ κων λυ υ μαι αι αι νο με ε

ε ε ε νω ων α α αυ την

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Ἰωάννου Πρωτοψάλτου (†1866)

Ἦχος λ̣ π̣ δ̣ Νη

Αναστασιματάριον
Ἰωάννου Πρωτοψάλτου
1905 σ.391*

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι ω και α γι ω Πνε ε ε ευ

μα α α α τι

Φ α νε ρω ω ων ε ε α α αυ τον τοις μα

θη ται αι αι αις σου Σω ω τηρ με τα α α α την

α να α α α α α στα α α α α σιν Σι μω

νι ι ι δε δω ω κας την των προ βα α α α των νο

ο μην εις α γα πης α α αν τε κτι ι σιν την του ποι

μαι νειν φρον τι ι ι δα α αι αι αι των δι ο

και αι ε λε ε γες ει φι λει ει εις με Πε ε ε ε

τρε ποι μαι νε τα α α αρ νι α α μου ποι μαι αι νε

ε τα προ βα α α τα α α α α μου ο δε

ευ θε ε ω ως εν δει ει κνυ με ε νο ος το φι ι

ι λο ο ο ο ο στο ορ γο ον πε ρι του αλ λου μα

θη η του ε πυν θα α α α νε ε ε ε το ω ων

ταις πρε σβει ει ει αις Χρι ι στε ε ε ε ε την ποι μνη ην

σου δι α φυ υ υ υ υ υ υ λα α δι ι α

φυ υ λα α ατ τε εκ λυ υ υ υ κω ων λυ

μαι νο με ε ε ε ε ε νω ω ω ω ων αυ την

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιοεπίτις

Λουκάς Λουκά

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου (†1866)

Ἦχος λ π ς Νη

Ἰωάσαφ Διονυσιάτου
Διονυσιάτικη Μουσική Ανθολογία
Ἅγιον Ὅρος 2009 σ.379*

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και αι Α α

γι ω ω Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α α α ια α α

α τι

Φ α νε ρω ω ωων ε ε α αυ το ο ο

ον τοις μα α θη η η ται αι αι αι αι αι σου ου Σω ω

ω ω ω τη η η η η η ηρ με τα την Α α

να α α στα α α α σιν Σι μω ω νι δε ε ε ε

ε ε δω ω ω κα ας την των προ βα α α α α α α

α ια α α των νο ο ο μη η ιη η ην εις α γα

α α α α πη η η ης α α α αν τε ε ε ε ε

κτι ι ι ι ι ι σιν την του ποι μαι νει ει ν φρο ον

τι ι ι ι ι δα αι αι τω ω ιω ω ων δι ο και αι

ε ε λε ε ε γε ες ει ει ει ει ει φι λεις με

Πε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ποι μαι αι

νε τα αρ νι ι ι ι ι ι α α α μου ου ποι οι

μαι αι νε τα α α προ ο ο ο ο ο ο βα α α τα

α α α α α ια α μου ο δε ευ θε ε ως εν

δει ει κνυ υ υ υ υ υ με ε ε ε ε νος το ο

ο φι το ο ο φι ι λο ο ο ο ο στο ο ο ρ γ ο ο ν ⁶ _λ

πε ρι του αλ λου μα θη η η η μα α θη η του ου ⁶ _λ ε

πυ υ υν θα α α α α α α α νε ε ε ε ε ε ε ε

ε πυ ν θα α νε το ^ν ω ω ω ω ω ω ω ω ω

ω ω ω ω ω ω ν ταις πρε σβει ει ει ει ει αις Χρι ι

στε ^Δ την ποι οι οι μνη ην σου δι α α φυ υ υ

υ υ υ υ λα α δι ι α φυ υ λα α ατ τε εκ

λυ υ υ υ υ κω ω ν λυ μαι νο με ε ε ε ε ε ε

ε ε νω ω ω ω ω ω ν αυ τη η η η η η η

η η η η η η η η ^ν _λ

Γεράσιμος Μοναχός Ἁγιορείτης Λουκάς Λουκά

Γεωργίου Παιδεστίνου (†1875)

Δ ο ξ α Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω και Α γι ω ω

Πνε ε ε ε ευ μα α α α τι

Φ α νε ρω ω ω ων ε α αυ τον τοι οι οις μα α θη

η ται αι αι αι αις σου ου ου ου ου Σω ω τη η η η

η η ηρ με τα α α α την α α να στα α σιν

μω ω νι ι ι ι δε ε ε ε ε δω Σι μω νι

δε δω ω κα ρα α α ας την των προ βα α α α

τω ω ω ω ω ω ω ω ω ω ων νο ο ο ο ο μη η ιη

η η ην εις α γα α α α α α α α πη ης

α α αν τε ε αν τε κτι ι ι σι ιν την του ποι μαι αι αι

αι αι νει ει ει ειν φρο ο ον τι ι ι ι ι ι ι δα α

α α αι αι τω ω ω ω ω ων δι ο και αι ε ε

ε ε ε ε ε λε δι ο ο και ε ε λε ε γες ει φι

λει εις με ε Πε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε ε

ε ε ε ε ε Πε τρε ποι οι οι οι οι οι οι οι οι οι οι

μαι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι αι

α α α α α αρ νι ι ι ι ι ι ι ι ι ι α α α τα αρ

νι ι ι α μου ου ου ου ου ποι οι οι οι οι αι

αι αι αι ποι οι αι αι νε τα α προ βα τα α α α α α α

ια α α μου ο δε ευ θε ε ω ως εν δει ει κνυ

με ε ε νος το φι ι ι λο το φι λο στο ο ορ γο ον πε

ρι του αλ λου μαθη του ου ου ε πυ υν θα α α α α

α νε ε ε ε πυν θα α νε ε το ω ω ω ω ω ω ν

ταις πρε σβει ει ει ει αι αι αι αι αι αι και χαι

αι αι αι αι αι αι αι αι και αι αι αι αις Χρι ι στε ε ε ιε ε

ε ε την ποι μνη η ην σου δι α φυ υ υ υ υ υ


λα α δι α φυ υ λαατ τε ε ε ε ε εκ λυ υ υ


υ υ ε ε εκ λυ υ υ υ υ υ υ εκ λυ υ υ υ υ υ υ

υ υ εκ λυ υ υ υ υ κων λυ μαι νο με ε ε ε


ε ε νω ω ω ω ω ω ν α α αυ τη η η


ην




Δ ο ξά Πα α τρι και Υι υι ω και α γι ω ω Πνε ε



 ε ε ευ μα α α α τι




Φ α νε ρω ω ων ε α αυ τον τοι οισ μα α θη η η



 ται αι αι αι αις σου ου ου ου ου Σω ω τη η η η



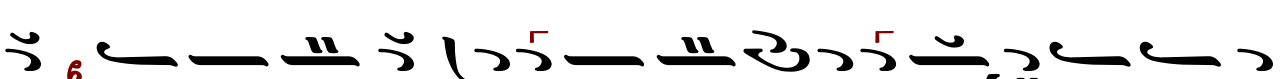
 η η ηρ με τα α την Α να α α α α α στα



 α α α α ια α α α σιν Σι ι μω νι ι ι δε ε ε



 δω ω ω ω ω ιω ω ω ω δε δω ω κα α ια α α


 α α ας τη η ην των προ ο βα α α α των νο ο μη



 ην εις α γα πης α α αν τε κτι ι ι σι ιν την του ποι


 μαι αι αι νειν φρον τι ι ι δα α αι αι αι των δι

ο ο και αι ε λε ε γε ε ε ε ες ει φι λει ει ει ει

ει ει ει εις με Πε ε ει φι λει εις με ε Πε ε ε

ε ε ε ε ε ε ε ε ε τρε ε Πε τρε ποι μαι νε ε ε ε

ε ε λε ε ε ε τα αρ νι ι α α α ια α α α

μου γ ποι οι οι οι οι οι μαι αι αι αι ποι οι μαι αι νε τα

προ βα τα α α α α α α ια α α α μου ο ο δε

ε ε ε ευ θε ε ω ως εν δει ει κνυ με ε νος το

φι ι ι λο ο το φι λο ο στο ο ορ γο ν πε ρι του

α α α α α λ λου μα α θη η του ου ου ου ε ε πυ

υν θα α α α νε ε ε το ο ω ω ν ταις πρε σβει ει αις Χρι

ι στε ε ε ε τη ην ποι οι μνη ην σου ου δι α

φυ υ υ υ υ υ υ υ λα α δι ι α φυ υ λα α ατ

τε ^Δδλ εκ λυ υ υ υ υ υ υ υ κω ων λυ υ

μαι αι νο ο ο μαι αι νω ω ω ω ω ων αυ τη η η

ην ^νδλ

Ἐμμανουὴλ Φαρλέκα (†1958)

Ἦχος λ π δλ Νη χ̄

Εμμανουήλ Φαρλέκα
Βυζαντινά Μελωδήματα
2011 σ.243*

^{ΝΗ} ^{ΠΑ}
με ^νδλ Δο ξα Πα α τρι ι ι ι και Υι υι ω ^Δδλ και αι Α

^{ΝΗ}
γι ι ι ω Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α

τι ^νδλ

Φ α νε ρω ω ων ε α α αυ το ον τοις μα θη ται

αι αι αι αις σου Σω ω τη η η ηρ ^Δδλ με τα τη ην Α

να α α στα α α α σιν Σι ι μω νι δε

ε δω ω κας την των προ βα α α α τωων νο ο μη η

η ην εις α γα α α α α α α πη ης α α

αν τε ε κτι ι σι ιν την του ποι μαι αι αι αι

νει ει ειιν φρον τι ι ι ι δα α αι αι αι αι

τω ω ων δι ο ο ο και ε ε λε ε γες

ει φι λει εις με ε ε Πε ε ε ε ε ε τρε ε ε

ε ποι οι μαι νε τα αρ νι ι ι α α α μου ου

ποι οι οι με ε Πε ε τρε ποι οι μαι αι αι νε τα προ

ο βα α α τα α α α μου ο δε ευ θε ω ως

εν δει κνυ με ε νο ο ος το ο φι λο ο στο ορ γο ον

πε ρι του αλ λου ου ου μα θη του ου ε πυ υ υν θα

α α α α α νε ε ε ε πυν θα α νε ε το ω ων

ταις πρε σβει ει ει αις Χρι ι στε ε ε ε ε ε ε ε

την ποι οι μνη ην σου δι α φυ υ υ υ υ υ

υ υ υ λα α δι ι α φυ υ λα α ατ τε εκ

λυ υ υ υ υ υ κω ω ω ων λυ μαι νο

με ε ε ε ε ε ε νω ω ω ω ω ων α αυ

τη ην

Γεράσιμος Μοναχός Ἀγιορείτης

Λουκάς Λουκά

Κωνσταντίνου Πρίγγου (†1964)

Ἦχος λ̣ π̣ ς̣ Νη

Τα 11 εωθινά
κατ' εκτέλεση Κ. Πρίγγου
Παναγιώτης Φιλίππου, 2017*

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι και Υι ω και α α γι ι ω

Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α τι ^γ _{κτ}

Φ α νε ρω ω ων ε α α αυ το ον ^Δ _α τοις

Μα θη ται αι αι αι αις σου Σω τη η ηρ ^Δ _α με τα α α

α α την Α α να στα α σι εν ^Δ _α Σι ι ι μω ω νι

ι ι δε δω ω κα ας ⁶ _λ την των προ βα α α α τωων

νο ο μη η ην ⁶ _λ εις α γα α α α πης α αν τε

κτι ι σι εν ^Δ _α την του ποι οι με ε νειν φρο ον τι ι

ι ι δα αι αι αι των ^γ _α δι ο και αι ε λε ε

γες ^Δ _α ει φι λει εις με ε ε Πε ε ε ε ε τρε ^Δ _α ποι

με νε τα α α α αρ νι α α α μου ⁶ _λ ποι οι

οι με ε ε νε ε τα προ ο βα α α τα α α α

μου ο δε ευ θε ως ε εν δει ει κνυ με ε νο
 ος το ο φι ι ι λο ο ο ο στο ορ γο
 ον πε ρι του α α αλ λου μα θη του ου ε πυ υν
 θα α α α νε ε ε ε ε ε το ω ων ταις πρε ε
 σβει ει ει ει αις Χρι στε ε ε την ποι οι μνη ην
 σου δι ι α α α φυ λα ατ τε ε εκ λυ
 υ υ υ υ κω ων λυ μαι νο με ε ε ε
 ε ε ε νω ω ω ω ω ων α αυ τη η ην

Γεράσιμος Ποναχός Αγιολογίτης

Λουκάς Λουκά

Ἀθανασίου Καραμάνη (†2012)

Ἦχος λ π δὲ Νη χ

Αθανάσιος Καραμάνης
 Νέα Μουσική Συλλογή
 τόμος Α' 1955 σ.160*

Δ ο ο ο ο ξα Πα τρι ι ι ι και αι Υι ι

ω ω ω ω ω και αι Α α γι ω Πνε ε ε ε ε

ευ μα α α α α Πνε ευ μα τι

Φ α νε ρω ω ων ε α α αυ τον τοι οις Μα

θη ται αι αι αι αι αις σου Σω τη η ηρ με τα

α αα τη ην α α να α στα α σι εν Σι ι ι

μω νι ι ι δε ε ε δω ω κα ας την των προ

βα α α α α των νο ο μη η ην εις α γα α

α αα α πης α αν τε ε κτι ι σι εν την του

ποι οι με ε ε ε ε νει ει ει ν φρον τι ι ι ι δα αι

αι τω ω ων δι ο και αι ε ε λε ε γες

ει ει φι λει εις με ε ε Πε ε ε ε ε τρε

ΜΕΛ , ΒΞ
 ποι με νε τα α α αρ νι ι ι α α μου
 ΝΗ ΠΑ
 ου ποι οι οι με ε νε ε τα α προ ο ο
 ΝΗ
 βα τα α α α α α α α α μου ο ο δε
 ΔΙ
 ευ θε ως ε εν δει ει κνυ υ με ε νο ος
 ΒΞ ΝΗ
 το φι ι ι λο ο ο ο στο ορ γο ον πε ε ρι
 ΜΕΛ , ΝΗ
 του α α αλλου Μαθη η του ου ε ε πυν θα α α α
 ΜΕΛ ΔΙ
 α νε ε ε ε το ω ω ν ταις πρε ε σβει ει ει ει ει αις
 ΜΕΛ ΔΙ
 Χρι στε ε ε ε ε την ποι οι μνη ην σου δι α
 φυ υ υ υ υ υ υ υ λα α δι ι α α φυ υ λα α
 ΓΑ
 ατ τε εκ λυ υ υ υ υ υ κω ων λυ μαι νο
 ΔΙ ΠΑ ΝΗ
 με ε ε ε ε ε ε ε νω ω ω ω ω ω ων α αυ

τη η ην ^ν _{δλ}

Κωνσταντίνου Παπαγιάννη (†2014)

Ἦχος λ̣ π̣ δ̣ Νη̣ χ̣

πρωτ.Κων.Παπαγιάννη
Μουσική Παρακλητική
2004 σ.491/1361#

Δ ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι ω και α γι ω Πνε ε ε ευ

μα α α α τι ^ν _{δλ}

Φ α νε ρω ω ων ε ε α α αυ τον ^Δ _{δλ} τοις μα

θη ται αι αιαις σου Σω ω τηρ ^Δ _{δλ} με τα α α α την α

να α α α α α στα α α α σιν ^Δ _{δλ} Σι μω νι ι

ι δε δω ω κας την των προ βα α α α τω ων νο ο

μην ^β _λ εις α γα πης α α αν τε χτι ι σι ιν ^β _λ την του

[♂] ποι μαι νειν φρον τι ι ι δα α αι αι αι των ^ν _{δλ} δι ο

και αι ε λε ε γες ει φι λει ει εις με Πε ε ε ε

τρε ποι μαι νε τα α α αρ νι α α μου ποι μαι αι νε ε

τα προ βα α α τα α α α α μου ο δε ευ

θε ε ω ως εν δει ει κνυ με ε νος το φι λο ο ο ο

στο ορ γο ον πε ρι του αλ λου μα θη η του ε πυν

θα α α α νε ε ε ε το ω ω ν ταις πρε σβει ει ει αις Χρι

ι στε ε ε ε ε την ποι μνη ην σου δι α φυ υ υ

υ υ υ υ λα α δι ι α φυ υ λα α α τε εκ

λυ υ υ υ κω ων λυ μαι νο με ε ε ε ε ε νω ω

ω ω ω ων αυ τη η η ην ἄλλη θέσις

λυ μαι νο με ε ε ε ε ε ενων αυ τη η η ην

Ἦχος λ̣ ρ̣ δ̣ Νη

Ἐλευθερίου Γεωργιάδη
Τρίτομος ἀνθολογία τ. Β'
Ὅρθρος 1987 σ.603*

^{ΜΕΛ} Δ ο ξ α ^{ΝΗ} Πα α τρι ι ι και Υι ω και α γι ι ω ω

Πνε ε ε ε ε ευ μα α α α τι ρ̣

^{ΝΗ} Φ α νε ρω ω ω ω ν ε ε αυ τον ρ̣ τοις Μα

θη ται αι αι αι αις σου Σω ω τηρ ρ̣ με τα α α α α την

Α α να στα α σι εν ρ̣ Σι μω ω νι ι ι δε δω ω

κα ας ρ̣ την των προ βα α α α α των νο ο μη ην

^{ΜΕΛ} εις ^{ΔΙ} α γα α πης α αν τε κτι ι ^{ΝΗ} σι εν ρ̣ την του

^{ΠΑ} ποι μαι αι αι αι νει ει ει ν φρον τι ι ι ι δα αι αι

των ρ̣ δι ο και αι ε λε ε γες ει φι λει ει εις με ε ε

Πε ε ε ε τρε ρ̣ ποι μαι νε τα α α αρ νι τα α αρ

νι ι α α μου ου ποι οι οι μαι αι αι νε ε τα

προ ο βα α α τα α α α μου ο δε ευ θε ε ε

ως ε εν δει ει ει κνυ υ με ε ε νος το φι λο ο

ο ο ο ο στο το φι λο ο στο ορ γο ον πε ρι του

αλ λου μα θη του ου ου ε πυ υν θα α α α νε ε ε ε

το ων ταις πρε σβει ει ει ει αις Χρι ι στε ε ε ε

ε την ποι μνη ην σου δι α φυ υ υ υ υ υ υ λα

δι ι α φυ υ λα α ατ τε εκ λυ υ υ υ υ υ

υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ υ

εκ λυ υ υ υ υ κων λυ μαι νο με ε ε ε ε

ε ε ε ε νω ω ω ω ω ω ων α αυ τη η η

ην ^ν ρι

Κωνσταντίνου Λάμπρου

Ἦχος λ π ρι Νη

Κωνσταντίνου Λάμπρου
Εωθινά Δοξαστικά 2020

Δ ο ο ξα Πα α τρι ι ι και Υι ω ⁶ και α α γι ι ω
^λ

Πνε ε ευ μα α α α τι ^ν ρι^{κα}

Φ α νε ρω ω ων σε αυ τον τοις μα θη ται αι αι αις σου

Σω τη η ηρ ^Δ ρι με τα α τη ην α α να α α στα α

α α σιν ^Δ ρι Σι μω νι ι ι δε δω ω κας την των προ βα α

α α τω ων νο ο μην ⁶ ρι εις α γα α πης α αν τε
^λ

κτη η σι ιν ^Δ ρι την του ποι οι μαι αι νειν φρον τι ι ι ι

δα αι αι των ^ν ρι δι ο και αι ε ε λε ε γες ει

φι λει εις με ε Πε ε ε τρε ποι μαι νε τα α α αρ νι α

α μου ποι οι μαι αι νε ε τα προ ο βα τα α α α

μου ο δε ευ θε ω ως εν δει ει κνυ με ε νος το

φι λο ο ο στο ο ο ορ γον πε ρι του α αλ

λου ου μα α θη η του ε πυ υν θα α α νε ε ε ε

το ω ω ν ταις πρε σβει ει ει αις Χρι στε ε ε την ποι

οι οι μνην σου δι α α φυ υ υ λα α α ατ τε εκ λυ

υ υ κων λυ μαι αι αι νο με ε ε νων α α αυ την



ΤΕΛΟΣ

ΤΩ ΔΕ ΔΩΡΕΟΔΟΤΗ ΘΕΩ
ΔΟΞΑ, ΤΙΜΗ ΚΑΙ ΠΡΟΣΚΥΝΗΣΙΣ

